Haryana Vidhan Sabha

Debates

31st January, 1969

Vol. 1 - No. 3

CONTENTS

Friday, the 31st January, 1969

page

Starred Questions and Answers(Cond.) (3)1

Point of order reg.-

withholding of information on some matters from the House (3)16

Starred Questions and Answers (Concld.) (3)17

Written Answers to Starred Questions laid on the Table of the House under Rule 45 (3)25

Unstarred Question and Answer (3)49

Personal Explanation by-

Shri Banarsi Dass Gupta (3)50

Questions of Privilege (3)52

Call Attention Notices (3)54

Papers laid on the Table (3)56

Presentation of Supplementary Estimates for the year 1968-69 (3)56

Presentation of the Report of the Estimates Committee on the Supplementary Estimates for the year 1968-69 (3)56

Resumption of discussion on the Governor's Address (3)56-81 (contd)..

HARYANA VIDHAN SABHA

Friday, the 31st January, 1969

The Vidhan Sabha met in the Hall of the Haryana Vidhan Sabha, Vidhan Bhavan, Sector-1, Chandigarh, at 9.30 A.M. of the Clock. Mr. Speaker (Brig. Ran Singh) in the Chair.

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS

श्री अध्यक्ष : श्री दया कृष्ण ।

श्री दया कृष्ण : क्वैश्चन नं० 118, सर ।

वित्त मन्त्री : स्पीकर साहिब, मुख्य मन्त्री जी अभी पहुंचे नहीं हैं । इसलिए मेरी प्रार्थना है कि मेजर साहिब के प्रश्न नं 178 को जिस का जवाब मैने देना है, पहले ले लिया जाए । श्री अध्यक्ष रू आल राइट, मेजर अमीर सिंह ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : 178, सर ।

Expenditure on Establishment in Haryana

***178. Major Amir Singh Chaudhry:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the percentage of expenditure on establishment administration in Haryana, along with comparative figures of similar expenditure incurred in other sister -States in the country;

(b) whether Government proposed to scale down this expenditure and bring it in line with those of other equally developed States ; and

(c) if so, the manner proposed to be adopted along with time limit therefore?

वित्त मन्त्री (श्रीमती ओम प्रभा जैन) : (ए) हरियाणा में प्रशासन पर कुल खर्च का 44. 8 प्रतिशत व्यय होता है । कृछ अन्य राज्यों में इसी खर्च की दरें निम्न प्रकार से हैं :–

मध्य प्रदेश	48.2 प्रतिशत
मैसूर	39.68 प्रतिशत
मद्रास	28.00 प्रतिशत
बिहार	26.00 प्रतिशत
गुजरात	22.68 प्रतिशत

हरियाणा के 44.8 प्रतिशत व्यय में यात्रा भत्ता काम चलाऊ स्थापना–व्यय, राजस्व तथा पुंजीगत परिव्यय, स्थानीय निकाय स्कूल जो कि सरकार ने अपने ही अधीन राजकीयकरण किए थे, केन्द्रीय दरों पर महंगाई भत्ता तथा वेतनमान परिशोधन जो कि यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन और कोठारी कमीशन की सिफारिशों में दिए गए हैं, शामिल हैं । दूसरे राज्यों से जो आंकड़े प्राप्त हुए

हैं उनमें उपरोक्त विवरण के बारे में विस्तत सूचना नहीं है, इसलिए उनके खच का ठीक आधार मालूम नहीं है ।

(बी तथा सी) राज्य सरकार ने अक्तूबर, 1968 में एक बचत तथा साधन–समिति नियुक्त की थी जो कार्य कुशलता का ध्यान रखते हुए विकास के तरीके, अर्थ–उपाय तथा बचत के साधन बताएगी । इसके लिए समय की अवधि बतानी इस समय कठिन है ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : क्या मन्त्री महोदया यह बताने की कृपा करेंगी कि केरल के अन्दर क्या खर्च हे?

वित्त मन्ती : इस समय केरल की फिगर्ज मेरे पास नहीं हैं और न ही उन से मिल पाई है' ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : जौ कमेटी आपने मुकर्रर की हूँ उसके मैबरों के क्या नाम है'?

वित्त मन्त्री : श्री दरबारी लाल गुप्ता, चेयरमैन ।

श्री मनी राम गोडारा, मैम्बर ।

श्री चिरंजी लाल, एक्स,एम ० एल ० ए, मैम्बर ।

श्री निहाल मिंह, मैम्बर ।

श्री राम सरन चन्द मित्तल, मैम्बर ।

एक एम० एल ० ए० और हैं, उनका नाम 'इस वक्त मेरे पास नहीं है ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : क्या मैं जान सकता हूं कि इस में अपोजीशन के मैम्बरों को एसोसिएट क्यों नहीं किया गया? क्या इस किस्म के कामों के लिये आप को उन के कोआप्रेशन की जरूरत नहीं हे?

वित्त मन्त्री : बहुत आवश्यकता है । जो भी वे सुझाव सदन में देगे उसका हम स्वागत करेंगे स्पीकर साहिब, पोलिटिकल से इस कमेटी को बिल्कुल नहीं बनाया गया था ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : क्या वित्त मन्ती जी बताएंगी कि इस किस्म की कमेटियों में अपोजीशन का सहयोग जरूरी नहीं है?

Mr. speaker : 1 think, it is a good suggestion and you might consider it.

वित्त मन्त्री : स्पीकर साहिब, श्री चिरंजी लाल, उस वक्त अपोहीशन के मैम्बर हुआ करते थे । वे इस के मैम्बर हैं ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : स्पीकर साहिब, मेरी एक अर्ज यह है कि यहां हिन्दी में इस किस्म का जवाब दिया जाता है जो कि हमारी समझ में नहीं आता । हिन्दी ऐसी होनी चाहिये जो समझ आ जाए ।

श्री अध्यक्ष : आपका मतलब हरियाणवी जबान से है?

मेजर अमीर सिंह चौधरी : मेरा मतलब सरल हिन्दी से है ।

मलिक मुख्तियार सिंह : यह भी तो सरल ही है, यह कौन सी मद्रासी है?

वित्त मन्त्री : मेजर साहिब, मुझे तो कोई दिक्कत नहीं । आप यदि कहें कि अग्रेजी में उत्तर दें, तो अग्रेजी में दे दिया करूंगी ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : आप हिन्दी ही बोलें, मगर हिन्दी ऐसी होनी चाहिये जो समझ तो आ जाए ।

श्री मंगल सैन : मेजर साहिब, यह भी तो यू० पी० की हिन्दी नहीं थी, हरियाणा की ही थी ।

Gazetted Holidays Allowed to Government Servants

***118. Shri Daya Krishan**: Will the Chief Minister be pleased to stated—

(a) the total number of Gazetted holidays allowed to Government servants during the year 1967-68 and 1968-69 respectively;

(b) whether it is a fact that the number of holidays allowed in the previous year has been curtailed during the current year; if so, the reasons therefor;

(c) whether the Government inted reconsidering the 'matter; if so, when?

Shri Bansi Lal :(a) The total number of holidays during the calendar years 1967-69 was as follows:-

1967.83

1968.100

1969.102

(b) No.

(c) No.

श्री अध्यक्ष : अब हम शुरू से ही प्रश्न ले लेते हैं क्योंकि चीफ मिनिस्टर साहिब आ गए हैं । श्री दया कृष्ण ।

श्री दया कृष्ण : क्या मुख्य मन्त्री जी बताने की कृपा करेंगे कि पिछले साल वे कौन सी छुट्टियां थीं जो इस साल बन्द कर दी गई हैं?

Chief Minister: In 1968 following holidays were observed : -

(1) All Sundays.

(2) All second Saturdays of the month from 1st January to 31st July, 1968.

(3) All Saturdays for the period from 1st August to 31st December, 1968.

(4) Id-ul-Fitr.

(5) Guru Gobind Singh's Birthday.

(6) Republic Day.

(7) Basant Panchmi.

(8) Guru Ravi Das's Birthday.

(9) Shivratri.

(10) Holi.

(11) Hola.

(12) Ram Nautili.

(13) Mahavir Jayanti.

(14) Good Friday.

(15) Martyrdom Day of Guru Arlan Dev.

(16) Independence Day.

(17) Dussehra.

(18) Mahatma Gandhi's Birthday.

(19) Maharishi Balmik's Birthday.

(20) Diwali.

(21) Haryana Day.

(22) Guru Nanak's Birthday.

(23) Id-ul-Fitr.

(24) Ch istmas Day.

(25) Guru Gobind Singh's Birthday.

while in 1969 the following holidays are being observed

(1) All Sundays.

(2) All Saturdays of the month in the period from 1st January to 30th April and 1st August to 31st December.

(3) All second Saturdays of the months in the period from ht May to 31st July.

(4) Republic Day.

(5) Guru Ravi Das's Birthday.

(6) Holi.

(7) Mahavir Jayanti.

(8) Independence Day.

(9) Janam Ashtmi.

(I0) Mahatma Gandhi's Birthday.

(11) Dussehra.

(12) Maharishi Balmik's Birthday.

(13) Haryana Day.

(14) Diwali.

(15) Guru Nanak's Birthday.

(16) Id-ul-Fitr.

(17) Christmas Day.

श्री दया कृष्ण : स्पीकर साहिब,मेरा सवाल वो यह था कि पिछले साल वे कौन सी छुट्टियां थीं जो इस साल बन्द कर दी गई है?

मुख्य मत्री : मैने पिछले साल और इस साल की दोनों लिस्टें पढ़ दी हूं 'आप स्वयं हिसाब लगा लेना ।

चौधरी चांद राम : क्या मुख्य मन्त्री जी बताएंगे कि हरियाणा मैं, जो कि कृष्ण जी के उपदेश देने की जगह द्वै, ''कृष्ण जन्माष्टमी'' जैसी महत्वपूर्ण छुट्टी को तथा गुरु गोबिन्द सिंह जी के कम दिन आदि को जो और छुट्टियां हुआ करती थीं उन को क्यो बन्द किया गया?

मुख्य मन्त्री : मैने, स्पीकर साहिब, अभी अभी लिख को .पढा है और गुरु गोबिन्द सिंह रही के वर्थ–डे की छुट्टी इस में है । शायद ओनरेवल मैंम्बरे उस समय सो रहे थे ।

खान अब्दूल गफ्फार खां : क्या चीफ मिनिस्टरं साहिब फरमायेंगे कि .जो मुसलमानों दो छुट्टियां हुआ करती थीं, उन में सई गवर्नमैटं ने अब कि कितनी रखी' है?

मुख्य मन्त्री : एक ही है, ईदूल फिंतर की ।, '

खान अब्दुल गफ्फार खां : स्पीकर साहिब, ताज्जुब. की बात है कि ईदुल जुहा जो हमारे यहां इतना अहम फंक्शन है उसकी छुट्टी नहीं रखी गई । सिवाय एक छुट्टी के और कोई छुट्टी नहीं रखी गई । यह तो बहुत ताज्जुब की बात है । स्पीकर साहिब, उससे तो बड़ी दिक्कत हो जाएगी क्योंकि हमें त्योहार वाले दिन मजहबी रस्मों को अदा करना पड़ता है, और यदि कहीं उस दिन किसी का मुकदमा हो तो वह नहीं आ सकता, जिसका परिणाम यह होगा कि

मुकदमा खारिज हो जाएगा... थी अध्यक्ष रू खान साहिद, इस वक्त केवल संप्लिमंन्टरीं करने की इजाजत है ।

खान अब्दूल गफ्फार खां : क्या. चीफ मिनिस्टर साहब इस बात पर गौर फरमायेगे कि ईदुल फितर की छुट्टी के साथ साथ ईदुल जुहा और ईदुल मिलाद की भी छुट्टी हो

मुख्य मन्त्री : स्पीकर साहिब, 1967 में ईदुल फितर की ही छुट्टी थी, 1968 में भी वही थी और इस बार भी हम ने वही को है क्योंकि हमारी पालिसी यह है कि वर्किग आवर्ज ज्यादा रखे और छुट्टियां कम रखी जाएं ।

खान अब्दूल गफ्फार खां : अगर, स्पीकर साहिब पीछे गलती तो गई हो तो क्या चीफ मिनिस्टर साहिब आगे भी गलती करते जाएंगे?

मुख्य मन्त्री : जो गलती होती रही है, यह तो हम नहीं करेंगे परन्तु अब मुनासिब यही समझा गया हूँ कि ईदुल फितर की ही छुट्टी रखी जाए ।

चौधरी अब्दुल रजाक खां : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि ईदुल फितर के अलावा और छ्ुट्टियां करने में पहले जैसी ही इग्नोरैन्स और नैगलिजैन्स होती रहेगी?

मुख्य मन्त्री : धार्मिक छ्ुट्टियां इस से ज्यादा करने का इरादा नही है क्योंकि बढाने से बहुत ज्यादा छुट्टियां हो जाती है ।

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहिब, कुछ देर पहले मुख्य मत्री जी ने बताया था कि वकिंग–डे ज्यादा रखने के लिये, छुट्टियों को कम किया गया सै । लेकिन अगर मै कुछ ठीक सुन पाया हूं तो पिछले साल तो 100 छुट्टियां थीं मगर इस साल 102 है । तो क्या मैं उन से जान सकता हूं कि इस साल ज्यादा छुट्टियां देने का क्या कारण है?

मुख्य मन्त्री : गवर्नमेंट ने यही मुनासिब समझा है ।

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहिब जैसा कि चीफ मिनिस्टर साहब ने बताया है कि हम वर्किंग–डे ज्यादा करना चाहते है' । मेरी समझ में यह बात नही आती कि पहले तौ 100 छुट्टियां होती थीं लेकिन अब 12 छुट्टियां कर दी है' । हम तरह से वर्किग डे कम होते है या ज्यादा होते हैं ?

मुख्य मन्त्री : 102 छ्ुट्टियों से ज्यादा करने का हमारा इरादा नहीं है ।

खान अब्दुल गफफार खां रू स्पीकर साहिब, क्या मैं चीफ मिनिस्टर साहिब से यह पूछ सकता हूं कि अगर कोई गलत चीज कायम हो जाये तो क्या सरकार का उसी गलत चीज को जारी रखने का इरादा है?

मुख्य मन्त्री : अगर कोई ऐसी गलत बात नोटिस मै लायेंगे जो गलत होगी और आनरेबल मैम्बर अगर गवर्नमैटं को कन्विंस करा सके कि यह गलत तो जरूर गलत फैसला बदला जा सकता है ।

Nomade Tribes in the State

***119. Shri Daya Krishan** : Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) whether it is in the notice of the Government that there are some Nomade Tribes living in the State ;

(b) if so, the approximate number of persons belonging to such tribes ;

(c) the steps the Government propose to take in settling people and provide them shelter and work ;

(d) the number of people of said tribes who have been settled in the State after the formation of Haryana and at what place and with what expense ;

(e) the details of the facilities or of help which are given or proposed to be given in future by the Government, to such people as intend to settle permanently at one place ?

Shri Bansi Lal : (a) Yes.

(b) About 31,600.

(c) Government do not think that any special steps are necessary,.

(d) No separate information is available.

(e) No special facilities are proposed to be given by the Government.

श्री दया कृष्ण : स्पीकर साहिब, चीफ मिनिस्टर साहिब ने इन की तादाद 31 हजार 600 बतलायी दें । क्या सरकार इन गरीब आदमियों को बसाने की तरफ ध्यान देगी?

मुख्य मन्त्री : गरीब आदमियों को जितनी सहायता की जा सकती है उतनी सहायता करने की कोशिश करते है' ।

श्री दया कृष्ण : सरकार उनकी सहायता करने के लिये क्या कुछ करना चाहती है।

मुख्य मन्त्री : जो भी कायदे कानून के अनुसार सहायता हो सकती है वही सहायता उनकी की जायेगी जैसा कि मैंने पहले भी कहा है कि इस के लिये कोई स्पैसिफिक रूल नही बना है और न ही कोई स्पैशल रियायत दी गई है ।

श्री दया कृष्ण : बहुत से गाडिया लुहार हैं और गरीव हरिजन है जो झोपडियों में रहते है' । अगर वे सैटल होना चाहे तो क्या सरकार उन की इमदाद करने को तैयार है

Mr. Speaker : In fact, what the hon. Member probably is trying to bring out is that the information in respect of part (d) of his question has not been given and that some concrete steps he taken by the Government for the settlement of Nomade Tribes.

Shri Daya Krishan : Yes, Sir.

Mr. Speaker : I think, that is a fair question and the information required has not been given.

मुख्य मन्त्री : जो लोग झोपड़ियों में रहते है वे तो पहले से ही सैटल है । अगर ने पक्के मकान बनाना चाहे तो खुद बना सकते है ।

श्री दया कृष्ण : जो लोग झोपडियों मे रहते है क्या उन को कहीं सैटल करने की कोशिश की जायेगी?

मुख्य मन्त्री : अगर वे कहीं सैटल होना चाहते हैं तो हो सकते है । गवर्नमैंट यह तो नहीं कर सकती है कि उन को मकान बना कर दे या जमीन खरीद कर दें ।

श्री फतेह चन्द विज : अगेर वे खुद सैटल नही होना चाहते, तो क्या गवरमैंट ने कभी यह कोशिश की है कि उन को कहीं सैटल किया जाये?

मुख्य मन्त्री : ऐसा कोई क्वैश्चन गवर्नमैंट के पास नहीं आया । वे तो आपनी रोजी चलते–फिरते कमाते हूँ' ।

चौधरी चांद राम : जो लोग झोपड़ियों में रहते है, क्या उन कौ झोपडियों में ही रहने दिया जायेगा या सरकार उन को पक्के मकान बनाने के लिये कोई सुविधा देंगी?

मुख्य मन्त्री : गवर्नमैटं तो यह चाहती हूँ कि अच्छे मकान हो, हां मकान बनाने के साधन तो उन्हें खुद ही जुटाने होंगे ।

चौधरी चांद राम : जब गवर्नमैटं यह चाहती है उन के पक्के मकान हो तो क्या गवर्नमैटं ने उन के पक्के मकान बनाने के लिये कोई विशेष रकम रखी है?

मुख्य मन्त्री : जिन लोगों ने पक्के मकान बनाने हो उन के लिये गवर्नमेंट ने लोन देने की सुविधा रखी हुई है अगर वे लोन लेने चाहें तो मिल सकता है ।

श्री मंगल सैन : यह एक पुर्नवास अथवा जन–कल्याण विभाग का ढोंग रचा हुआ है । क्या वैलफेयर डिपार्टमैंट ने इस बात को असैस किया है कि जो बेचारे सर्दियो मै बाहर पड़े रहते है' उनको भी अच्छी जगह एक अच्छे शहरी की जिन्दगी बसर करने का मोका मिलेगा या वैलफेयर डिपार्रमैंट इन के लिये कोई प्रबन्ध करेगा?

मुख्य मन्त्री : मैं समझता है कि जो आदमी वैलफेयर डिपार्टमैटं के कायदे कानून में आते है उन को पूरी सहायता दी जाती है । अगर कोई आदमी अपनी डिफिकल्टी बतायेगा तो उसको तक्लीफात को दूर करने की कोशिश की जायेगा ।

चौधरी अब्दूल रजाक खां : हरियाणा स्टेट में बहुत से लोग खानाबदोश जिन्दगी बसर कर रहे हैं, उनमे में काफी भाई पंजाबी है' और काफी भाई मुसलमान है । क्या सरकार उन को बसाने की तरफ ध्यान देगी?

मुख्य मन्त्री : इस सवाल के लिये अगर आप सैपरेट नोटिस दें तो जवाब दिये । जा सकेगा ।

चौधरी अब्द्वल रजाक खां : क्या मुख्य मन्त्री जी बतायगे कि वे सरकार की गफलत की वजह से और पूरी इमदाद न मिलने की वजह से अपने हकूक से महरूग रहते आये हैं? उन के लिये सरकार कोई इन्तजाम .करेगी?

मुख्य मन्त्री : यह क्वैश्चन नौमेड़ ट्राइब्ज के बारे मे है मुसलमानो के बारे गे नहीं ।

चौधरी चांद राम : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब यह बताएंगे कि खानाबदोशा जातियों में कौन कौन सी जातियां आती हैं?

मुख्य मन्त्री : जहां तक गाड़िया लुहारों का सम्बन्ध है वह तो किसी में भी नही आते है लेकिन कुछेक जातियां हैं जिन के नाम मैं आपको पढ कर सुना देता हूं । इन जातियों में से कुछ जातियों को शिड्यूल्ड कास्ट बना दिया गया है और कुछ को बैकवर्ड बना दिया है । जो जातियां शिड्यूल्ड कास्ट में आती 'हैं वे. हैं :––

1. देहिया

2. सासी

3. भेदकुट

4. शिकलीगर

5. शिरकीबन्द

6. सहाल

7. सहियां

8. बाजीगर

9. बांवरिये

10. सपेले

11. बखाल

12. कोली

13. पासी औंर जो बैकवर्ड में आते हैं : कुचबन्द, सिगीकट, बंजारे ।

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहिब, गाड़िया लुहार तो राजस्थान के बाशिन्दे हैं । मैं जानना चाहता हूं कि हमारी स्टेट में रहने. वाले कौन कौन सी खानाबदोश जातियां हैं जिन के मकान हैं, रहने के लिये झोपड़ियां हैं और जिन्हें यहां वोट देने का हुक हासिल है ।

मुख्य मन्त्री : हरेक जाति के हो सकते है किसी जाति पर कोई पाबन्दी तो नहीं कि इस जाति के नहीं हो सकते ।

चौधरी रणधीर सिंह : क्या खानाबदोश जातियों को किसी प्रकार की इमदाद दी गई हे?

मुख्य मन्त्री : इस सवाल के लिये आप सैपरेट नोटिस देंगे तो जवाब दे दिया जायेगा ।

Allocation of Government servants to the States of Punjab and Haryana

***120. Shri Daya Krishan :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there has been final allocation of all Government servants in the State after the reorganisation of the Punjab State ;

(b) **if** not, the number of Government servants whose final allocation is pending ;

(c) why there has been so much delay in the final allocation of these Government servants ;

(d) within what period all these cases are likely to be decided ;

(e) the number of Haryana domicile Government servants allocated to other States ;

(f) the number of Government servants of Punjab domicile allocated to Haryana State and how many of them are Gazetted ;

(g) will the Government allow Government servants of Haryana domicile to come to Haryana from Punjab State ;

(h) will the Government also allow Government

servants in Haryana of Punjab domicile to go to Punjab ?

Shri Bansi Lal : (a) Out of 56 departments, notifications for final allocation have been issued in respect of 52 departments. In the case of 3 of these 52 departments, however, one or two isolated categories have still to be covered while the others have been notified. All the pending cases are under consideration with the Union Government.

(b) & (c) The remaining 4 departments involve 5,248 employees and are (i) P.W.D., B.&R. ; (ii) P.G.I. ; (iii) Printing and Stationery ; and (iv) Architecture. The employees of P.G.I., Printing and Stationery and Architecture Departments were previously to be allocated only to the Union Territory of Chandigarh, but later it was decided to allocate them to all the successor States. That work is in progress. The final notification in respect of P.W.D., B.&R. is pending with the Government of India.

(d) Efforts are being made to have these cases decided very shortly but a precise estimate of the time that will be taken is not possible.

(e) This information can be collected only from the Governments of the other successor States, i.e., Punjab, Union Territory Chandigarh and Himachal Pradesh who will in turn have to address all their departments for that purpose. The reason is that the records of the employees have been transferred to the successor States concerned. The time and work involved in collecting this information will not be commensurate with any possible benefit to be obtained.

(f) The number of Government employees of

Punjab domicile allocated to Haryana as on 1st March, 1967 was 7,768 including 435 gazetted officers.

(g) & (h) As final allocations under the Punjab Reorganisation Act, 1966, have already been made, transfers of Government employees from Haryana to Punjab and vice versa cannot be made with reference to the said Act. Such changes can be effected only on the basis of agreement between Haryana and Punjab Governments on terms and conditions that are mutually acceptable.

श्री दया कृष्ण : मुख्य मन्त्री साहिब ने सवाल के भाग (एक) के जवाब में बताया है कि इस वक्त 7798 ऐसे अफसरान हरियाणा में हैं जो कि पंजाब के डौमिसाईल के है' जिन में से 435 गजेटिड आफिसर हैं । क्या चीफ मिनिस्टर साहिब के नोटिस में यह बात है कि इन में से बहुत से अफसर पंजाब में वापिस जाना चाहते हैं. और पंजाव में जो हरियाणा डौमिसाईल के है वे इधर आना चाहते हैं? अगर यह बात ठीक है तो क्या हरियाणा सरकार पंजाब सरकार के साथ इस सम्बन्ध में कोई ऐग्रीमैंट करने के लिये विचार कर रही है?

मुख्य मन्त्री : स्पीकर साहिब, जो लोग इधर से उधर जाना चाहते थे या पंजाब से हरियाणा में आना चाहते थे उन 52 डिपार्टमैट्स का फैसला हो चुका है । बाकी कुछ डिपार्टमैंट्स बचते हैं जिन के केसिज गवर्नमैटं आफ इंडिया को भेज दिए गए हैं और कुछ केसिज पर गौर हो रहा है । जब चीफ सैकेटरीज की मीटिंग होगी उस में फंसला हो जाएगा । लेकिन यह बात मुमकिन नहीं हो

सकती कि हरियाणा वाले जो पंजाब में रह गए हैं वे सारे इधर आ जाएं और जो पंजाब डौमिसाईल वाले हरियाणा में एलोकेट हुए हैं वे उधर चले जाएं । जिन की रिप्रैजंन्टेशनज आई थीं उन के ऊपर गौर हो रहा है ।

Mr. Speaker : In other words the initial allocation was done as per wishes of the Government servants.

मुख्य मन्त्री : मेरा ख्याल है कि किसी को औपशन नहीं दी गई थी वैसे ही फैसला करके उन को ए लोकेशन हो गई थी ।

श्री दया कृष्ण : मुख्य मन्त्री साहिद ने बताया कि उन की औप्शन लिये बगैर ही उन की ऐलोकेशन कर दी गई थी । लेकिन हकीकत यह है कि बहुत से पंजाब के रहने वाले मुलाजिम अब भी वापिस पंजाब में जाना चाहते हैं । मैं जानना चाहता हूं कि इस के लिये हरियाणा सरकार पंजाब के साथ कोई ऐग्रीमैटं करने के लिये तैयार है?

मुख्य मन्त्री : मैं अर्ज करना चाहता हूं कि हर केस मैरिट्स पर डिसाईड हुआ है और जो केसिज अब डिसाईड हो रहे हैं वे म्यूचली हो रहे हैं । बाकी सभी आदमी जो इधर पंजाब डौमिसाईल के हैं, न वे उधर जा सकते हैं और न उधर वाले इधर आ सकते हैं ।

श्री दया कृष्ण : क्या मुख्य मन्त्री साहिब बताएंगे कि जो कंसैटं से पंजाब में जाना चाहते हैं सरकार उन के लिये कोई प्रबन्ध कर रही है?

मुख्य मन्त्री : स्पीकर साहिब मैंने पहले ही अर्ज कर दिया है कि आन मैरिट्स पर फैसला होता है । कोई जनरल ऐग्रीमैट नहीं है कि जो इधर वाले हैं वे सारे वापिस पंजाब में चले जाएं और जो उधर रह गए हैं वे इधर आ जाएं ।

श्री एस ० पी ० जयसवाल : क्या गवर्नमैटं के नोटिस में ऐसे केसिज भी आए है' कि हसबैडं की एलोकेशन हरियाणा में है और वाईफ की पंजाव में है? उनको इकट्ठा करने के लिये सरकार कुछ कर रही हैं?

मुख्य मन्त्री : बहुत से केसिज में तो इकट्ठा कर दिया गया है लेकिन अगर कोई केस पेंडिंग है तो उस के लिये भी यह पालिसी है कि उन को इकट्ठा कर दिया जाए ।

चौधरी रणबीर सिंह : क्या मुख्य मन्त्री साहिब बताएंगे कि व्यास प्रोजैक्ट में काम करने वाले जो मुलाजिम हरियाणा में आना चाहते है उन के लियें क्या किया जा रहा है ।

मुख्य मन्त्री : उन के ऊपर भी वही प्रिसीपल्ज अप्लाई होते हैं जो बाकी इम्पलाईज के लिये होते हैं ।

Shri Ram Saran Chand Mital : 171, Sir.

Mr. Speaker : May I know from Mr.. Mital for which question does he have authority from Shrimati Chandra ati ?

Shri Ram Saran Chand Mital : For Starred Question No. 171, Sir.

Murders committed in District Mahendragarh

***171. Shrimati Chandravati** (Shri Rain Saran Chand Mital on her behalf) : Will the Chief Minister be pleased to state the number of murders committed in district Mahendragarh Police Stationwise, during this year together with the number of the murder cases wherein the culprits have been awarded punishments and also the number of such cases pending decision in the courts, separately ?

श्री बंसी लाल : वर्ष 1968 के दौरान महेन्द्रगढ जिले के निम्न पुलिस स्टेशनों में 12 कत्ल के केस रिपोर्ट किये गये:–

(1) दादरी	6
(2) सतनाली	2
(3) कनिना	2
(4) अटेली	1
(5) नारनौल	1

चार केसों में (सतनाली/2, अटेली/1, कनिना/1) अपराधियों को दण्ड दिया गया है । पुलिस स्टेशन दादरी के चार केसों पर अभी न्यायालय में विचार होना है ।.

Additional Police Force in Haryana

***179. Major Muir Singh Chaudhry :** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether strength of Police Force in composite Punjab was raised to successfully meet with the emergency caused by Chinese aggression ;

(b) if so, whether the part of that additional emergency Police

Force falling to our share after the reorganisation of Punjab is still being maintained or was released after lifting of the `Emergency' in the country;

(c) in case the additional emergency Police Force is being maintained the justification therefore when there is no emergency ;

(d) rankwise strength of emergency Police Force that is being maintained by Haryana State and total annual expenditure incurred thereon ; and

(e) future Government plan to release the additional strength ?

Shri Bansi Lal : (a) Yes.

(b) Of the emergency Police Force that fell to our share on reorganisation of composite Punjab, certain posts were brought under reduction on the lifting of 'Emergency' and the remaining staff adjusted against various other schemes for additional staff required by the Police Department which were

being held in abeyance because of Emergency.

(c) No emergency force is being maintained now.

(d) Nil.

(e) Nil.

मेजर अमीर सिंह चौधरी : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि कितने आदमी थे जिनको रिलीज कर दिया गया?

Chief Minister :

D. S. P.	1	
Inspectors	4	
S. Is.	8	
A. S. Is.	21	
Head Constables		97
Constables		203
Assistants	2	
Clerks	2	

मेजर अमीर सिंह चौधरी : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बताने की कृपा करेंगे कि उनकी रीहैबलीटेशन के लिए क्या इन्तजाम किया जा रहा है ।

मुख्य मन्त्री : उनके लिए जहां मुनासिब नौकरियां होंगी, वे अगर ऐप्लाई करेंगे तो उनको लगाने के लिए ध्यान रखा जाएगा ।

मेजर अमीर सिंह चौधरी : क्या सरकार का यह फर्ज नहीं बन जाता कि जो आदमी ऐमरजैसी के वक्त देश की खिदमत करने के लिए आगे आए उन के लिए भी उसी लाईन पर रीहैबलीटेट करने के लिए इंतजाम नहीं किया जा सकता जैसा कि ऐक्स सर्विसमैन के लिए किया गया है ।

मुख्य मन्त्री : सरकार ने कोशिश की है बहुत से आदमिओं को एबजार्ब करने की, और जहां जहां मुनासिब वेकैसीज होगी वहां वहां एबजार्ब किया जाएगा ।

Mr. Speaker : The number of such persons is not very large. The Chief Minister may, therefore, assure that he will do his best in this connection.

मुख्य मन्त्री : पूरी कोशिश तो की जाती है लेकिन मैं अश्योरैसं नहीं दे सकता कि जरूर रखा जाएगा ।

Mr. Speaker : After all, as Major Amir Singh has stated, these people got themselves enlisted in the wake of Emergency. Their number is not very large. So, they might as well be absorbed like other such categories. That is all I wish.

Death of Shri Munshi Ram Vachaspati

***194. Shri Mangal Sein :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Shri Munshi Ram Vachaspati of Bhiwani, Director, Co-operative Bank, died in the year 1968; if so, the circumstances under which the said

death took place ;

(b) whether the police has any information about the mysterious death of the said person ;

(c) if reply to part (b) above be in the affirmative, whether the Government held any enquiry in this connection; if so, the result thereof ?

Shri Bansi Lal : (a) Yes. Shri Munshi Ram died on 3rd September, 1968 by laying himself before a train near Railway Station Bhiwani.

(b) According to the inquest conducted by Railway Police, Hissar, the death was not mysterious and was found to be suicidal.

(c) No.

श्री मंगल सैन : यह जो श्री मुन्शी राम की हत्या हुई है क्या मृतक का पोस्ट मार्टम कराया गया था?

मुख्य मन्त्री : जी नहीं, क्योंकि यह केस कलीयरकट सुइसाइड का समक्षा गया था इस लिये पोस्टमार्टम नहीं कराया गया था ।

चौधरी जय सिंह राठी : क्या कोई ऐसा कलीयरकट सा है जिस के अनुसार सुइसाइड केस का पोस्ट मार्टम नहीं कराया जाता?

मुख्य मन्त्री : मौका पर जो मैजिस्ट्रेट था उस ने ही यह देखना था और उसने सब देख सुन कर पोस्ट मार्टम न कराने की इजादत दे दी और लाश रिश्तेदारों को दे दी ।

श्री मंगल सैन :क्या मुख्य मन्त्री जी बताएंगे कि क्या उसकी पत्नी ने उन को इस बारे में कोई ऐप्लीकेशन दी थी कि उसके पति को कुछ सोगों ने साजिश कर के मार दिया है?

मुख्य मन्त्री : मुझे कोई ऐसी ऐप्लीकेशन दी हो, ऐसा मुझे याद नहीं, क्योंकि फाइल में ऐसा कोई कागज नहीं है ।'

Malik Mukhtiar Singh : May I ask the Chief Minister, as is evident from his reply, whether it was not the business of the Magistrate at the spot to see that the post-mortem of the body was necessary. He may also state whether any magisterial enquiry was held into this matter ?

Chief Minister : No.

Shri Mangal Sein : In the reply, it has been stated :

"According to the inquest conducted by railway Police. Hissar the death was not mysterious and was found to be suicidal".

तो क्या वह रिपोर्ट आपके पास है?

मुख्य मन्त्री : रिपोर्ट मेरे पास नही और वह होना जरुर भी नहीं ।

चौधरी चांद राम : यह जो खुदकशी फा फैसला दे दिया गया है उसकी बूनियाव क्या है?

Chief Minister : I may state that the name of the deceased is mentioned in case F. I. R. No. 209, dated 27th November, 1968, under section 409 I. P. C., P. S. City Bhiwani, regarding embezzlement of Rs 25,000 which is under investigation. The

facts of the case are that the Bhiwani T. I. T. employees Thrift and Credit Society obtained a loan of Rs 25,000 from the Central Co-operative Bank, Bhiwani. This amount was received from the bank by Shri Munshi Ram, deceased, its payment having been attested by Shri Anguri Lal, the Managing Director. The amount was alleged to have been embezzled by Anguri Lal, Ram Kishan and others, though in the records of the Society, the amount was shown to have been disbursed to 14 persons (non-members of the Society) against fictitious bonds. Shri Munshi Ram had a fear that he would have to face some legal action regarding this embezzlement and that drove him to commit suicide.

श्री मंगल सैन : लो, अब तो बिल्ली थैले से बाहर आ गई है । आप के कहने के मुताबिक उसने आत्महत्या की है लेकिन हमारी जानकारी यह है कि उसका मर्डर किया गया हं । क्या इसका कारण यह है कि वह आपका दुश्मन था, विरोधी था इस लिये यह साजिश की गई थी?

मुख्य मन्त्री : मैंने तो कसे कभी अपना दुश्मन नहीं समझा ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, बात यह है कि मुझे अच्छी तरह पता है कि उसकी श्रीमती इन के पास भिवानी में आई थी और उसने कहा.....

Mr. Speaker : The point is that a question was asked. Whatever information was available, has been supplied by Government. The Member can now only put supplementaries pertaining to the reply given.

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब इन्होंने फरमाया कि पोस्ट–मार्टम कराना मंजिस्टैट का काम था जो कि मौका पर था और उसने उसे कलियर कट सुइसादड का केस करार दे दिया । मैने पूछा कि क्या उसकी मैजिस्टीरियल इक्यायरी हुई थी? तो इन्होने कहा कि नहीं। मेरी समझ मे नहीं आया कि जब उसकी कोई मैजिस्टीरियल इन्क्वायरी ही नहीं हुई तो कैसे पता चल गया कि कलियर कट सुइसाइड का केस था । आया वह केस सुइसाइड का था या मर्डर का था, उसका पता तो पोस्ट– मार्टम से ही लग सकता था लेकिन कराया ही नहीं गया । तो मैं पूछना चाहता हूं कि आखिर पोस्ट–मार्टम क्यों नहीं कराया. गया और पोस्ट–मार्टम न कराने की कोई माकूल वजह तो होनी चाहिये?

मुख्य मन्त्री : मैं पहले ही बता चुका हूं कि पोस्ट–मार्टम इसलिये नहीं कराया गया कि वह कलियर कट सुइसाइड का केस था ।

श्री फतेह चन्द दिख : यह जो ऐस. डी. ऐम. साहिब ने हुकम दे दिया कि, पोस्ट–मार्टम न किया जाए तो क्या किसी ने इस बारे में दरख्वास्त दी थी कि पोस्ट–मार्टम न किया जाए?

मुख्य मन्त्री : किसी रिश्तेदार की तरफ से दरख्वास्त होगी ही ।

मलिक मुख्तियार सिंह : क्या यह फैक्ट नहीं कि यह प्योर ऐंड सिम्पल पुलीटीकल मर्डर था और उसे छिपाने के लिये पोस्टमार्टम नहीं किया गया ?'

मुख्य मन्त्री : कलियर कट सुइसाइड था मर्डर नहीं, अगर. अब अपोजीशन वाले इसका पुलीटीकल इस्तेमाल करना चाहें तो इन की मर्जी है ।

चौधरी जय सिंह राठी : इन्होंने फरमाया है कि पोस्टमार्टम कराने की कोई जरूरत नहीं समझी गई । मैं जानना चाहता हूं कि क्या उसके रिश्तेदारों को बुला कर पूछा गया था कि वह पोस्ट–मार्टम कराना चाहते हैं या नहीं?

मुख्य मन्त्री : उसके रिश्तेदारों ने लिख कर दिया था कि वह पोस्ट–मार्टम नहीं कराना चाहते ।

चौधरी जय सिंह राठी : क्या कोई उन की ऐसी ऐप्लीकेशन आप दिखा सकते है'?

मुख्य मन्त्री : यहां हाउस में दिखाने की जरूरत नहीं है हां अगर स्पीकर साहिब चाहें तो उन को पूरी फाइल दिखा सकते हैं । (शोर)

POINT OF ORDER REG. WITHHOLDING OF INFORMATION ON SOME MATTERS FROM THE HOUSE,

श्री मंगल सैन : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । मैं स्पीकर साहिब, आपका इस बारे में रूलिंग चाहता हूं जो आदमी अपने इलाके का माना हुआ सोशल वर्कर रहा हो, जिसने चुनाव लड़ा हो और जो रिपब्लिकन पार्टी का लीडर हो उसकी अगर रेल की पट्री पर मार कर लिटा दिया और फिर बगैर पोस्ट–मार्टम कराए कह

दिया कि सुइसाइड का केस था और रिश्तेदारों ने लिख कर कह दिया कि पोस्ट–. मार्टम नहीं कराना है । जव हम पूछते हैं वह लिखा हुआ बताओ तो कहते हैं कि हाउस में नहीं बता सकते । अगर यह इस हाउस में जो आगस्ट बाडी है और यहां हर बात सही तौर पर बताई जानी चाहिये, जब यह बताने से इन्कार करते हैं तो फिर हम कहांसे ये फैकट्स हासिल करें? मैं आपका रूलिंग चाहता हूं कि क्या वह ऐसा कह सकते हैंकि हाउस को नहीं दिखा सकते? स्पीकर साहिब, यह हमारा प्रिविलेज है और सचाई हाउस के सामने आनी चाहिये ।

Mr. Speaker : Anyway, I will go into this matter again and will my ruling on this point later.

STARRED QUESTION AND ANSWERS

चौधरी जय सिंह राठी : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बताएगे कि जब डैड बाडी रेलवे लाईन से मिला है तो क्या रेलवे पुलिस से इम बारे में रिपोर्ट ली गई थीं ?

मुख्य मन्त्री : मैंने पहले कह दिया है कि इन्क्वैस्ट ही रेलवे पुलिस ने की उन्होंने शायद सुना नहीं है ।

Shri S. P. Jaiswal : May I know from the Chief Minister the grounds on the basis of which it was established that it was a case of suicide and not political murder ?

मुख्य मन्त्री : मैंने अपने सवाल के जवाब में बनाया हूँ कि पुलिस ने इन्क्वायरी की और इंक्वायरी के बाद पता चला कि यह केस सुइसाइड का है, मर्डर का नहीं ।

Shri S. P. Jaiswal : Is it not necessary that the post-mortem must be conducted before it can he definitely established whether it is a case of suicide or that of a murder ?

मुख्य मन्त्री : मैंने कहा पहले पुलिस इन्क्वायरी करती है और उसके बाद फाइडिग्ज होती है ।

श्री दया कृष्ण : क्या मुख्य मन्त्री महोदय बनाएगे कि जब श्री मुन्शीराम को मृतयू हूई थी, उस वक्त उन की जेब से एक खत लिखा हुख पाया गया था?

मुख्य मन्त्री : जी हां, मिला था ।

चौधरी चांद राम सिंह : क्या यह जरूरी है कि यह सुइसाइड का ही केस है? यह मर्डर का केस नहीं हो सकता क्या?

मुख्य मन्त्री : यह जानने के लिये कि यह केस किस किस्म का है, इस के लिये तो' मैजिस्ट्रेट की तसल्ली होनी काफी होती हूँ क्योंकि वही मौके पर होता है ।

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहिब, आप देख रहे हैं और कायदे कानून को भी आप जानते हैं । कोई भी केस हो, उसका ठीक ठीक पता लगाना कि क्या वह केस मर्डर का है या वालैटरी डैथ का केस है, इसकी रिपोर्ट तो डाक्टर ही दे सकता है

श्री अध्यक्ष : आप सप्लीमैटंरी पूछ रहे है' या स्पीच कर रहे हैं?

चौधरी चांद राम : मैं मुख्य मन्त्री महोदय से. यह जानना चाहता है कि कायदे कानून के मुताबिक उन का पोस्ट–मार्टम किया जाना जरूरी था, वह क्यों नहीं किया गया? इस के इलावा जो खत उन के मरने के बाद उन की जेब से निकला था क्या मुख्य मन्त्री महोदय उस खत को सदन में दिखायेंगे या नहीं ?

मुख्य मन्त्री : उस खत को हाउस में दिखाने की कोई आश्वयकता नहीं है अगर स्पीकर साहिब खुद देखना चाहे तो दिखा सकते है ।

श्री अध्यक्ष : मै उस खत को देख लूंगा और अपनी रूलिंग दे दूंगा ।

मलिक मुख्तियार सिंह : क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बताएंगे कि इस पोलिटिकल लीडर का और पोलिटिकल वर्कर का जो मर्डर हुआ है यह वैल–प्लैडं था? जिस आदमी ने मर्डर किया है उसके ऊपर ही यह खत प्लैन करके मृतक की जेब में डाला गया था? क्या इस बात की तहकीकात की गई थी कि जो चिट्ठी मुन्शी राम की जेब से निकली थी, वह मुन्शी गम के अपने हाथ की लिखी गई थी?

मुख्य मन्त्री : पुलिस ने पूरी पूरी इक्वायरी करके छानबीन करके ही सारा काम किया है ।

चौधरी चाव राम : स्पीकर साहिब,. इस केस के बारे में अखबारों में छपा था कि श्री मुन्शी राम का कत्ल किया गया हूँ । अखबारों में यह चार्जिज लगाये गये कि मुन्शी राम का कत्ल किया गया है । 12 दिसम्बर, को जबकि संयुक्त वि दायक दल की मीटिंग हो रही थी तो श्री मुन्शी राम की धर्मपत्नि ने लिए कर दिया कि मेरे खाविन्द का कत्ल तो गया है, फलां आदमी ने किया है और इस की इन्क्वायरी करा कर इस केस का पता लगाया जाए । स्पीकर साहिब, उन की धर्मपत्नी की दरख्वास्त मेरे पास है । इन बातों के पेशेनजर चीफ मिनिस्टर द्वारा यह कहा जाना कि वह खत हम सदन में नहीं दिखायेंगे और उसका पोस्टमार्टम भी नहीं हुआ है, मैं समझता हूं ठीक नहीं । इम केस में कौन सी ऐसी चीज है जिम में यह साबित हुआ हो कि यह मडेर नही सुइसाडड का केस है?

मुख्य मन्त्री : मैंने पहले कहा है कि इनकी इन्क्वायरी होकर हो पता चला है कि यह केस सुइसाइड का है ।

चौधरी बनवारी राम : स्पीकर साहिब, श्री मुन्न राम रिपब्लिकन पार्टी ने नेता थे । जब उनका मर्डर हुआ उस वक्त हम भी वहां पर देखने के लिये पहुंचे थे । मुझे मालुम हूँ कि इस में एक एम. एल. ए. का हाय है और उसी को बचाने के लिये इस केस को दबाने की कोशिश की गई हे.....

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछ रहे हैं या भाषण दे रहे है'?

चौधरी बनवारी राम : मैं चीफ मिनिस्टर साहिब से पूछना चाहता हूं कि वे साफ साफ जवाब क्यों नहीं देते कि यह मर्डर हुआ है और जो चिट्ठी उन की जेब से निकली है वहू मुन्शी राम के हाथ की लिखी हुई नही थी । (व्यवधान)

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब, जैसे कि चौधरी चांद राम ने अभी कहा है कि उन की धर्मपत्नी की तरफ से एक चिट्ठी मिली है । मैं मुख्य मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या उन्हें मुन्शी राम की धर्मपत्नी की चिट्ठी मिली है? क्या सी. आई. डी. की मार्फत इस की इक्वायरी करवाई गई है या नहीं?

मुख्य मन्त्री : मुझे कोई याद नहीं कि मुझे कोई दरख्वास्त मिली है या नहीं । रोटीन में अगर कोई दरख्वास्त आई हो तो शायद उसका जवाब भेज दिया गया होगा । जहां तक मर्डर का सवाल है, उसकी तसली कर ली गई थी और यह साबित हो गया था कि यह कलीयर कट केस सुइसाइड का है ।

मलिक मुख्तियार सिंह : क्या उस लैटर की इन्क्वायरी सी. आई. डी. द्वारा कराई. गई थी या नहीं, इन को इस बात का पता होना चाहिये?

श्री अध्यक्ष : जब लैटर का ही पता नहीं कि आया है या नहीं, तो इन्क्वायरी क्या होगी?

मुख्य मन्त्री : इसमे सी. आई. डी. की इनक्वायरी की आवश्यकता ही नहीं थी ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री से जानना चाहता हूं कि उन्होने बार बार कहा है. कि सी.आई.डी. की इन्क्वायरी की आवश्यकता नहीं थी जबकि सारा हाउस इस मामले से कन्सर्ण्ड है और साफ पता चलता है कि यह मर्डर हुआ है । और उसकी धर्मपत्नी ने यह लिख कर दिया है कि उनके पति का कत्ल किया गया है । क्या चीफ मिनिस्टर साहिब हाउस मे खड़े होकर इस बात का आश्वासन देंगे कि इस केस की नये सिरे से इक्वायरी कराई जाएगी? क्या वे इस केस की दोबारा इक्वायरी कराने के लिये तैयार हैं? मुख्य मंवी रू नये सिरे से इन्क्वायरी कराने की कोई आवश्यकता नहीं है ।

चौधरी चान्द राम : स्पीकर साहिब, स्वर्गीय मुन्शी राम भरने से एक दिन पहले मुझे रोहतक में मिले थे । उन्होंने मुझे कहा था कि मेरी लड़की बी.ए. में पढती है, कोई अच्छा सा लड़का उसके लिये तलाश किया जाए । उनसे मेरी बातचीत हुई, मुझे तो उनकी बातों से कोई ऐसी चीज मालूम नहीं हुई थी जिसके लिये वे सुइसाईड करते । उनके दिमाग में ऐसी कोई चीज नहीं थी । उस पोलिटिकल वर्कर को मैं लाहौर से जानता हूं । उन्होंने कोई ट्रेस नहीं किया जिसके पेशेनजर वे खुदकशी करते । अगर खुदकशी हुई है तो वहू भी रेलवे की बाउंडरी में हुई है लेकिन रेलवे पुलिस की रिपोर्ट हाउस में नहीं रखी गई और न ही उन का खत ही हाउस में रखा गया है । मैं मुख्य मन्त्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जबकि यह केस रेलवे की बाउंडरी में हुआ है और

रेलवे पुलिस के अण्डर था, यह सिविल अथारिटी के पास कैसे आ गया था?

मुख्य मन्त्री : अभी अभी आनरेबल मैम्बर ने कहा है कि वे मुझे मिले थे और उन से मुइ–साईड करने की ऐसी कोई चीज मालूम नहीं होती थी । अगर ऐसा हूँ तो मैम्बर साहिब को पुलिस केसामने यह व्यान देना चाहिए था कि उन्होंने सुइसाईड नहीं किया है बल्कि उनका मर्डर हुआ है । हर शहरी का यह फर्ज बनता हूँ कि वे कानुन की सहायता करे ।

चौधरी चांद राम : जब यह कुछ हो रहा था तफतीश का..... विध्न)....

Mr. Speaker : That was the occasion when you could have gone and thrown some light.

चौधरी चान्द राम : किस बात के लिए यह तो गवनमेंट मशीनरी का काम था । स्पीकर साहिब, सारे फैक्ट्स आपके और हाउस के सामने आए हैं और भिवानी से जो अखबार निकलते हैं उनकी भी यह एलीगेशन है कि यह पोलिटिकल मर्डर है । उसकी पत्नी भी ओपनली कहती है कि मेरे हसवैड का कत्ल किया गया है उन्होंने खुदकशी नहीं की है और इसकी इनक्वायरी होनी चाहिए । एक तरफ तो स्पीकर साहिब उसका जो नजदीकी रिश्तेदार है' वह यह कहता है दूसरी तरफ सरकार कहती है कि उसकी पत्नी ने कहा कि पोस्ट– मार्टम नहीं होना चाहिए । स्पीकर साहिब, बड़े अफसोस की बात है कि फैक्ट्स को हाउस के सामने नहीं रखा

जा रहा है । इसलिए मेरी आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना है कि वे कोई इन्क्वारी करवाएं ताकि फैक्ट्स सामने आ सकें कि आया यह सुइसाइड का केस है या मर्डर हू । इससे गवर्नमेंट भी अपना मुंह उज्जवल करवा लेगी और हमें भी तसल्ली हो जायेगी ।

मुख्य मंत्री : स्पीकर साहिब. हमारा मुंह साफ है । इस केस में बिल्कुल इम्पार्शल इंक्वायरी हुई थी। इसलिए अब दोबारा इन्क्वायरी करवाने की कोई आवश्यकता नहीं है ।

Chaudhry Chand Ram : As you see, Sir, there was absolutely no investigation, no magisterial enquiry or investigation by a senior officer 0' the Police, as far as I know.

आप बताएं कि केस के कौन से तथय है जो यह बताते हो कि यह सुइसाइट का केस है?

मुख्य मंत्री : ऐसे बहुत से केस होते क्ले जिनमें बगैर पोस्ट–मार्टम के लाख रिश्तेदारों को दे दी जाती है और कोई इक्वारी की जरुरत नहीं होती ।

चौधरी जय सिंह राठी : शायद चीफ मिनिम्टर साहिब कानून से कुछ वाकिफ होंगे क्योंकि इन्हेंने बी.ए. एल.एल.बी. कर रखी है । में इनसे जानना चाहता हूं कि सुइसाइड और मर्डर में क्या फर्क है?

श्री अध्यक्ष : यह इम्तिहान थोडे ही है ।

Chaudhri Jai Singh Rathi : On what basis they have arriv d at this conclusion? There must he some definition of it. They must have classified why it is a suicide and not a murder. Can they differentiate between a murder and a suicide now ?

मुख्य मंत्री : आनरेबल मैम्बर को चाहिए कि वे पहले आइ.पी.सी. आदि पढ़कर आएं फिर सवाल पूछे।

Chaudhri Jai Singh Rathi : I know better than him.

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर गाहिब, एक लेमन कै लिढ यह कि वह यह बतां सके। आया के केस सुइसाइड का है या मर्डर का । परन्तु इस केस में पुलिस अफसर मौके पर जाता है और लिखकर देता है कि यह केस सुइसाडड का है । मैं नही समझता कि उसने कैसे यह लिख कर दे दिया जबकि इस बात का फैसला या इस किस्म की रिपोर्ट प्रापर पोस्ट मार्टम और मैडिकल चौक–अप करने के बाद कोई मैडिकल अथारिटी ही दे सकती थी कि आया यह सुइसाइड है या मर्डर । बडी हैरानी की बात है, स्पीकर साहिब । परन्तु, खैर, क्या चीफ मिनिस्टर साहिब बता सकेंगे कि पोस्ट–मार्टम न करने के लिए जो दरख्वारत आई थी वह डिसीज्ड की औरत की ओर से थी या किसी और की ओर से?

मुख्य मंत्री : उसकी औरत या किसी नजदीकी रिश्तेदार की ही होगी । मैजिस्ट्रेट ने पूरी तसल्ली करके ही फैसला किया होगा ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, लगभग 20/25 मिनट से यह प्रश्न चल रहा है । सारे प्रश्नों के उत्तर सुनकर हम बिल्कुल

ईमानदारी से समझते हैंकि यह मर्डर का केस है । वैसे तो चीफ मिनिस्टर साहिब कहते हैं कि उनका मुंह साफ है, सफेद है, वह तो जैसा रंग है सो है, मगर फिर भी यदि वे अपने दामन को साफ रखना चाहते हैं तो इस प्रश्न को आप सोमवार को पोस्टपोन कर दीजिए ताकि चीफ मिनिस्टर साहिब हमारे प्रश्नों का उत्तर ठीक ढंग से दे सकें क्योंकि आज तो वे सही उत्तर हमें नहीं दे सके हैं । हम पूछते हैं कि पोस्ट–मार्टम करने के लिए प्रार्थना.पत्र उनकी पत्नी की ओर से था या किसी और की ओर से, तो वे कहते हैं कि किसी नजदीकी रिश्तेदार का ही होगा । मेरे ख्याल में तो पुरुष का सबसे नजदीकी रिश्तेदार पत्नी ही होती है.....

Mr. Speaker : With regard to this we will get you definite information whether the application was from his wife, or some one else.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब सिर्फ यही नहीं परन्तु ये हमे यह भी बताएं कि वह एप्लीकेशन क्या थी? उसकी जेब में से क्या लैटर निकला है? वहां के प्रैस ने क्या बात कही हे?.....

Mr. Speaker : So, we will get you definite information on this.

मलिक मुख्तियार सिंह : उस दरख्वास्त को भी ये हाउस के सामने रखें जिसमें उसकी औरत ने लिखा है कि यह मर्डर था ।

श्री बनारसी दास गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, ,सप्लिमेंट्री तो मैं नहीं पुछूंगा परन्तु मेरी एक सबमिशन है यदि इजाजत हो तो दो–चार शब्द कहकर मैं प्रकाश डाल दू । .... (शोर).....

खान अब्दुल गफ्फार खां : जनाब, मेरा सप्लिमैण्ट्री तो नहीं है लेकिन मै एक बात अर्ज करना चाहता हूं । बात वह है कि चौधरी साहिब ने अभी फरमाया... (शोर)..

मलिक मुख्तियार सिंह : क्या आप माँके के ऊपर थे? लोगों द्वारा ऐलिगेशन्ज लगाए जा रहे हैं कि किसी एम० एल० ए० का हाथ था और यह पोलिटिकल मर्डर था । उसको छुपाया जा रहा है । यही तो सारा रोना है.....(शोर)

श्री अध्यक्ष : चौधरी मुख्तियार सिंह, खान साहिब सप्लिमैट्री पूछ रहें हैं

श्री बनारसी दास गुप्ता : अध्यक्ष महोदय मैं परसनल एक्सप्लेनेशन देने के लिए खड़ा हूं क्योंकि मेरी ओर इशारा किया गया है।

Mr. Speaker : I think, it will be setting a wrong precedent to allow you (the hon. member) to rise on a point of personal explanation when no one has named you. (Interruptions)

मलिक मुख्तियार सिंह : क्या आप उसमें शामिल हैं? अगर वह चार्ज आपके ऊपर हैं तब तो बेशक आप उसकी ऐक्सप्लेनेशन दीजिए ।

Mr. Speaker : Please take your seat. I will give my ruling in this regard.

I think, if not by name but by implication a reference has been made in respect of an M. L. A. during the debate, it is only fair that he must be allowed a few minutes to explain his position.

Malik Mukhtiar Singh : Unless and until he confesses that he is the M. L. A. who has been mentioned, he cannot make any personal explanation Let him confess this.

(interruptions)

Chaudhry Chand Ram : There are 81 M. L. As. in the House and no one has named him. Moreover, in the Question Hour no personal explanation is allowed. The hon. Member can put a supplementary question.

Mr. Speaker: There is Rule 63 of the Rules of Procedure to which I draw the attention of the hon. Members. It reads—

"Any member may, with the permission of the speaker, make a personal explanation although there is no question before the Assembly".

Now, I do feel, that in the interest of justice, that when some reference has been made about him he may be given a few minutes to explain his position. There have been explanations from various hon. Members. For instance, Chaudhri Banwari Ram gave an explanation. I feel that some sort of reflection has been cast.

(Interruption by Malik Mukhtiar Singh)

The hon. Member may say for a few minutes.

Malik Mukhtiar Singh: Just as I have already submitted, that provision relates only to personal explanation and no Member, except on personal explanation, can speak in this regard.

Mr. Speaker: You had your say...

Malik Mukhtiar Singh: It will be a bad precedent if any member is allowed to make a speech taking shelter behind a point of personal explanation.

Mr. Speaker : I am trying to ascertain as to how did the question arise? When Shri Mangal Sein and Chaudhry Chand Ram gave explanations, there were no supplementaries.

Chaudhry Chand Ram: I asked a supplementary question after giving **the background ...**(Interruptions)

Mr. Speaker: I think and I really feel that the hon. Member.

Malik Mukhtiar Singh: Excuse me, Sir.

If that is so, one wrong cannot justify the other wrong.

ऐसा करना, जनाब, गलत होगा ।

When I have drawn the attention of the Chair to the fact that that is a provision relating to personal explanation. (Interruptions)

Mr. Speaker: I do not like that the hon. Members should go on talking and interrupting while sitting. Are they correctly observing proper decorum and behaviour?

In fact, when Malik Mukhtiar Singh got up, I was saying something. Still, I got back and allowed him to say what he liked. Surely, the hon. Members should also sit back and listen to my ruling. There should be no interruptions.

10.30 A.M.

चौधरी रणबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां तक किसी सदस्य का इधर से या उधर से अर्थात अपोजीशन के बैंचिज या ट्रेजरी बैंचिज की ओर से सीधे तौर पर या टेढे तौर पर नाम लिया जाता है तो मैं समझता हूं कि हमारे सदन के कार्य के मुताबिक उसको यह हक हासिल है कि वह अपनी पोजीशन, जो कुछ उसके विषय में कहा गया है, साफ कर सकता है वरना यह सदन तो एक प्रकार से अदालत बन जायेगी । यह ठीक है अगर कोई केस अदालत में हो और उसके बारे में कोई रैफर्ेंस आता है तो सदन को यह अधिकार है कि उसका जवाब देने की बजाए कार्यवाही से हटा देना चाहिए । लेकिन अगर वह केस अदालत में नहीं है, तो सदस्य को, जिसके बारे में किसी भी रूप में कहा गया है अपनी पोजीशन कलियर करने का हक हासिल है ।

(कुछ सदस्यों को ओर से शोर) अध्यक्ष महोदय, मैं नहीं समझता कि डाक्टर मंगल सैन को तो सब अधिकार हैं लेकिन जब और मैम्बर बोलते हैं तो उनको बोलने से रोकते हैं । स्पीकर साहिब, बोलने का अधिकार तो उस व्यक्ति को भी दिया गया था जिसने राष्ट्रपिता महात्मा गान्धी जी का मर्डर किया था । अध्यक्ष महोदय, यह बात गल्त है कि अपोजीशन के सदस्य यह कहे कि वे बोल ही नहीं सकते ।

चौधरी चान्द राम : स्पीकर साहिब, चौधरी रणबीर सिंह जी का तो कोई प्यांयट आफ आर्डर नहीं ह । जब किसी सदस्य का नाम ही

नहीं लिया गया तो ये खामखाह ही प्यायंट आफ आर्डर उठाये जा रहे हैं ।.....

Mr. Speaker: Now there are two points. One is about that letter and the second is whether the deceased's wife had sent....

चौधरी चान्द राम : स्पीकर साहिब इस मामले का हर तो हमारे साथी एम.एल.ए. ने किया और एक दूसरे एम.एल.ए. ने, जो हमारे घर के नजदीक ही रहता है, टैलीफोन किया ।

Mr. Speaker: I cannot understand why do you go on talking, while sitting. It is not fair. I keep on listening when you speak. Why do you interrupt when I speak ? Is it right?

Chaudhry Chand Ram: Sir, when there is some important question, it will be fair on our part to put supplementaries.

स्पीकर साहिब, इस सवाल पर आप सप्लीमैण्ट्री अलाऊ कीजिए । हर सदस्य सप्लीमैंटरी कर सकता है ।

Mr. Speaker: I am asking, then why do you speak? You should listen properly and not interrupt.

So now there are two points. One is about that letter. The second is whether the deceased' wife had sent an application to the Leader of the House (Chief Minister). On this we seek clarification.

Chaudhry Chand Ram: Sir, if you allow, may I speak ?

Mr. Speaker: Let me complete.

I have given my ruling. My ruling stands. But I want to bring one thing to the notice of the hon. Members. What did it matter if one hon. Member wanted to say a few words and I allowed him. After all we should be accommodative to the hon. Member. So we should not mind if he takes a few minutes. (Interruptions)

चौधरी जय सिंह राठी : स्पीकर साहिब जैसा कि यहां पर..... (इन्ट्रप्शन)

Mr. Speaker: I also want to bring one thing to the notice of the hon. Members that will elucidate the ruling. When Shri Banarsi Dass Gupta got up for a supplementary, some member threw a hint that an M.L.A. was also present there. Therefore, he has offerred to say a few words in his explanation.

The question hour is over. Chaudhry Jai Singh Rathi wants to say something.

चौधरी जय सिंह राठी: स्पीकर साहिब, जैसा कि यहां कहा गया है कि इन्क्वायरी के लिये एक लैटर और उसकी वाइफ की एप्लीकेशन है उसमें एक और चीज एड हो जाये कि बेसिज क्या थे जिस की बिना पर यह फैसला किया गया ।

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, यहां पर जो बात कही गई हे एक तो लैटर के बारे में, जो उनकी जेब से निकला है और एक एप्लीकेशन के बारे में है । तीसरी बात पोस्टमार्टम की कही है, कि किस रिश्तेदार ने यह कहा कि पोस्टमार्टम न किया जाए ।

Mr. Speaker : Now We come to the next business.

खान अब्दुल गफ्फार खां : स्पीकर साहिब, मेरी बात तो रह ही गई क्योंकि इन्होंने रौला मचा दिया ।

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहिब, आपने मुझे भी थोड़ा सा टाइम देने के लिये कहा था ।

Mr. Speaker : We will give you an opportunity.

खान अब्दूल गफ्फार खां : हमारे एक नौजवान दोस्त श्री राठी जी ने यह धात सलाई कि चीफ मिनिस्टर साहिब कानून नहीं जानते । मैं अर्ज करना चाहता हूं...

चौधरी जय सिंह राठी : स्पीकर साहिब, मेरा प्यायट आफ आर्डर है । स्पीकर साहिब, क्या यह ठीक है कि जो बात कही ही न गई हो वह उसके मुंह में डाल दी जाये?

श्री अध्यक्ष : यह प्वायंट आफ आर्डर नहीं है ।

खान अब्बुल गफ्फार खां : स्पीकर साहिब, मैं आपकी विसातत से आनरेबल मैम्बर से यह पूछना चाहता हूं कि क्या उन्होंने यह नहीं फरमाया था कि कानून मैं अच्छा जानता हूं । लेकिन चीफ मिनिस्टर साहिब नहीं जानते ।

(Interruptions by Chaudhri Jai Singh Rathi)

(Pointing to Chaudhri Jai Singh Rathi) It seems perhaps for the first time you have come to this House. (Laughter)

चौधरी जोगिन्द्र सिंह : प्वायंट आफ आर्डर, सर । हमारे भाई जय सिंह राठी जी ने यह कहा था कि चीफ मिनिस्टर साहिब कानून जानते हैं, उन्होंने कानून पढ़ा है । यह तो चीफ मिनिस्टर साहिब ने कहा है कि मैं श्री जय सिंह से ज्यादा कानून जानता हूं ।

Mr. Speaker: Now we should not go into it. I have heard the whole conversation. I think both sides had a dig at each other.

Chaudhry Jai Singh Rathi: Sir, but I did not say that. Mr. Speaker: You said, 'I know law better than him'.

Chaudhry Jai Singh Rathi: No, Sir. I only said 'I know better than him'.

Mr. Speaker: It is no use going into it because I know, both the sides had a dig at each other.

I think you will agree, let us give a minute or so to Shri Banarsi Dass Gupta.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS LAID ON THE TABLE OF THE HOUSE UNDER RULE 45

Murder and Theft cases Registered in 1968

***128. Shri Hari Singh Yadav:** Will the Chief Minister he pleased to state—

(a) the number of cases registered by the police under section 107/151 together with the number of murders, dacoity, rape and theft cases, separately, registered in the State district-wise during the current year;

(b) the number of the theft cases out of those referred to in part (b) above which have been traced out so far?

श्री बंसी लाल : (अ) व (ब) तालिका मेज पर रखी जाती है ।

तालिका

सख्यां उन केसों की जो कि साल 1968 में दर्ज हुए

जिला	संस्था जो धारा 107 / 151 में दर्ज हुए	कत्ल	डाका	बलात्कार	चोरी
हिसार	4328	52		15	522
रोहतक	3365	39		6	423
गुड़गांव	2543	18	1	6	400
करनाल	1890	44		12	625
अम्बाला	1792	19		8	349
महेन्द्रगढ	1165	14		1	91
जीन्द	1167	17		4	106
जोड़.	16250	203		52	2516

जिला	केस जो मिल गए
हिसार	219
रोहतक	145
गुड़गांव	182
करनाल	214
अम्बाला	217
महेन्द्रगढ़	41
जीन्द	28
जोड़.	1046

Vespa Scooters

***193. Shri Mangal Sein:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the names of the Legislators of Haryana who applied for grant of Vespa Scooters after the mid-term elections in the State together with the names of those who have since been given the same from the Government and Minister's quota;

(b) the number of applications received in the month of August for the purchase of the said scooters;

(c) the method of distributing the scooters;

Shri Bansi Lal: (a)&(c) A statement is laid on the Table of the House (b) Two.

STATEMENT

Statement showing the names of Legislators who applied for the allotment of Vespa scooters out of Transport Minister's quota after Mid-term elections in the State and of those who were allotted the same and the method of distribution of the scooters.

1. Name of the Legislators who had applied for the allotment of Vespa scooters out of Transport Minister's quota after Mid-term elections—

(1) Shri Mangal Sein.

(2) Shri F.C. Vij.

(3) Shri Chanda Singh.

(4) Shri Banwari

(5) Shri Piara Singh.

(6) Shri Ram Parkash.

(7) Shri Malik Chand Ghambir.

(8) Shri Prabhoo Ram.

(9) Shri Daya Krishan.

(10) Shri Prem Sukh Dass.

(11) Shri Sat Ram Dass.

(12) Shri Om Parkash Garg.

(13) Shri Ishwar Singh.

(14) Shri Hari Singh Saini.

(15) Shri Rajinder Singh.

(16) Shri Harkishan Lal.

2, Names of the Legislators who have been allotted Vespa Scooters by Transport Minister out of his discretionary quota after Mid-term Elections-

(1) Shri F.C. Vij.

(2) Shri Mara Singh.

(3) Shri Ram Parkash.

(4) Shri Malik Chand Ghambir.

(5) Shri Prabhoo Ram.

(6) Shri Prem Sukh Dass.

(7) Shri Hari Singh Saini.

(8) Shri Rajinder Singh.

(9) Shri Harikishan Lal.

Note.—No Vespa Scooter was allotted to any Legislator out of the rest of the State Government quota meant for officials.

3. According to the Government policy 50 per cent scooters out of State priority quota are allotted by Transport Minister

in his discretion and the remaining 50 per cent by the Scooters Allotment Board consisting of officers.

Complaints against District Education Officer, Karnal

***215. Shri Randhir Singh**: Will the Chief Minister be pleased to state the number of written complaints received by him against the D.E.O., Karnal, during the year 1968 together with the action taken by him on each such complaint.

Shri Bansi Lal : (i) Two against the incumbent who remained District Education Officer from January to May, 1968. Both of these complaints were from a father and daughter. The daughter was a ubordinate of the D.E.O. T le inquiry showed strained relations between the two and, as such, the sub ordinate was transferred out of the District.

(ii) One against the present incumbent who is holding the post of D.E.O. since June, 1968. It is being looked into.

Transfer of Teachers Masters. etc., in the State

***233. Chaudhry Narain Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) the extent of expenditure incurred on the transfers of teachers/ masters and other officials of the Education Department during the current financial year ;

(b) the number of villages with more than 2 000 population in the State where no high school exists within the radius of ten iles

Shri Bansi Lal : (a) Actual expenditure in this respect cannot

be given at this stage. However an expenditure to the extent of Rs 10.20 Lacs is likely to be incurred during the current financial year.

(b) The information is being collected and will be supplied in due course.

Setting up of a Secondary Education Board in the State

***239. Shri Narain Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state-

a) the number of gazetted and non-gazetted employees belonging to Haryana State working at present in Kurukshetra University and in Punjab University;

(b) whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a Secondary Education Board in the state, if

so, when the same is expected to materialize?

Shri Bansi Lal:

KURUKSHETRA UNIVERSITY AS ON 20TH JANUARY,1969

(a) Category	Originally from Haryana	Now settled in Haryana	Total
Gazetted	39	5	44

Non-Gazetted	243	178	421

PANJAB UNIVERSITY AS IN JUNE, 1967

(a) University Office—

Members of Admin strative (`A' Class) staff		1
Members of Ministerial (`B' Class) staff		97
Members of class IV (`C' class) staff		9

(b) University Teaching Departments/Colleges/Regional Cetres

Members of Teaching (`A' class) staff		41
Members of Ministerial (`B' class) staff		15
Members of class IV (`C' class) staff		4
Total	167	

(b) The Haryana Board of School Education Act, 1969, has already been passed and it came into force with effect from 1st April, 1969.

State Lottery

***199. Shri Mangal Sein:** Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) the amount collected by selling State Lottery tickets during the year 1968 together with the names of the persons who received the rewards and the amount of rewards received by each of them;

(b) the total amount of profit derived by the Government from

the said lottery?

Shri Bansi Lal: (a) First Part—

First lottery tickets sold	14,08,687
Commission granted at the source at the rate ranging between 25 to 30 per cent of the face value of the tickets	3,66,647
Total	10,42,040

2nd Part—

Payment of 267 prizes for the amount of Rs. 2,00,650 out of total 370 prizes of the value of Rs 2,21,000 has been made till 27th January, 1969, as per list enclosed. 17 claims for prizes of the amount of Rs. 2,100 are under examination. Claims for the balance 86 prizes of the value of Rs. 18,250 have not yet been received.

(b) A sum of Rs. 7,00,000 (approximately) accrued as profit to the State.

List of prize winners of Haryana State Lotteries of the first draw held on 30th November, 1968

Serial No.	No. of Prize winning ticket	Name of the Prize winner	Amount of the prize
1	2	3	4

1	B 056030	Shri Rameshwar Dayal,	Rs
		son of Shri Hukam Chand, Village and Post office Sanghi (Rohtak)	1,00,000
2	D 029829	Shri K.S. Sehgal,	20,000
		House No. 561, W. No. 6,Khail Bazar, post office Panipat, District Karnal	
3	R 005923 1	Sint. Jai Devi,	20,000
		wife of Kapil Dev Sehra, Clerk, Post office, Hissar	
4	A 087757 1	F/Sgt, D.N. Sen,	5,000
		Qtr N). 2418 A, Block No. 10, Sector 28C Chandigarh	
5	K 065766	Bhagirath Mal, District Hisssar	1,000
6	D 048242	Miss. Sheela Devi, District Ambala	1,000
7	L 79453	Shri Rakesh Kumar, Shahbad, District Karnal	1,000
8	C 093801	Baba Rain Sharma, District Rohtak	1,000
9	C 005601	Shri K.K. Loomba,	1,000
		Loomba College of Commerce,	

		Sonepat, District Rohtak	
10	K 042796	Shri Kishan Sarup, Meerut (U.P.)	1,000
11	F 020075	Ramesh Chand Bhatia, Chandigarh	1,000
12	B 008351	Shri Jai Ram Dass, Chandigarh	1,000
13	M 97139	Krishan Kumar Manohar lal, Bombay	1,000
14	D 022392	Shri vim	1,000
		Bata la Y Kumar Sekhri,	
15	D 079208	Shri Kartar Singh,	1,000
		Batala, District Gurdaspur	
16	H 053133	Shri Mool Chand,	1,000
		Student VI B Government High School Dnatir (Gurgaon)	
17	H 076048	Shri Gurdial, Kaithal	1,000
18	H 008881	Shri Jagdish Raj, Delhi-55	1,000
19	P 23098	Shri Kanshi Ram, District Hissar	1,000
20	F 029434	Shri Madan Mohan Lal, Chandigarh	1,000

21	E026426	Shri A.R. Jabamani Gudur, Post office, Nellorc (A.P.)	1,000
22	H 033486	Shri Mool Chand, District Rohtak	1,000
23	E 055611	Shri Devi Dayal," Delhi-6	500
24	B 091624	Shri Jiwan Dass, Rohtak	500
25	K 008624	Shri Motu Rani. District Rohtak	500
26	M 07737	Smt. Shakuntla Sharma, District Ro'ntak.	500
27	Q 63294	Snit. Satnam Kaur, New Delhi	500
28	P 07916	Shri Dhani Ram, Meerut City (U.P.)	500
29	N 58793	Shri Jai Bhagwan, District Karnal	500
30	P 10451	Shri B.G. Pralham, Poona City	500
31	C 079870	Shri Murari Lal, son of Mool Chand, Vic) Nodal, District Gurgaon	500
32	A 099563	Shri Keshar Singh, New Delhi-15	500

33	F 060727	Shri Amin. Singh Kanungo, Ujjina, Tehsil Nuh, District Gurgaon (Haryana)	500
34	A 009418	Shri S.N. Kaikur, Delhi	500
35	3 009390	Shri Mulk Raj Dhingra, Chandigarh	500
36	N 76133	Shri Lachman Dass Sharma, Balkalyan, Shri Bhanga, Book Binding House, Upper Road, Hardwar	500
37	E 066815	Saroj Taneja, Ropar	500
38	Q 68819	Shri RR. Sharma, Delhi	500
39	H 08726	Sbri Lakmi Narayan, District Mohindergarh (Haryana)	500
40	Q 77241	Shanti lal Chuni lal Shah, Ahmadabad	500
41	P 32324	Shri Jagat Singh District Jind Haryana	
42	E 081325	Shri Jawahar Lal, Sonepat	500
43	B 097270	Smt. Kamla Devi, Kanpur (U.P.)	500
44	A 58582	Shri V.S. Moorthi, New Delhi	500

45	H 0833711	Shri Des Raj Garg, Yamunanagar, Ambala	500
46	M 85882	Shri Kanwar Bhan, VII, student District Karnal	500
47	H 033840	Shri Vinod Kumar, District Rohtak	500
48	E 078919	Prein Sukh, New Delhi-14	500
49	0 013942	Shri Prem Paul, Delhi Cantt	500
50	H 001230	Shri Ram Saran Dass, Panipat	500
51	F 013404	Shri Bal Krishan Bhagi, Ludhiana	500
52	H 041208	K.P. Govindan Nair, Delhi-34	500
53	D 023164	Shri Faqir Chand, New Delhi	500
54	Q 56941	Shri Surinder Mohan Bhasin, Karnal	500
55	A 028582	Shri R.K. Verma, Bahadurgarh (Rohtak)	500
56	L 58226	Shri Ram Sharma, District Ludhiana	500
57	E 041267	Shri Girdhari Lal Gupta, Delhi	500
58	N 82828	Shri Santokh Singh, Barara,	100

		District Ambala	
59	A 018434	Shri Jai Parkas'', Jagadhri	100
60	J 016561	Shri Yoga Nandjha, Kanpur	100
61	E 063086	Shri Hukami, District Mohindergarh	100
62	H 001823	Shri Bhagwan Dass, District Bhatinda	100
63	C 041555	Shri Hukam Chand, Faridabad, District Gurgaon	100
64	P 39383	Shri Om Pal Singh, District Hissar	100
65	J 004078	Shri Kalash Chand, District Karnal	100
66	A 089237	Shri Ashok Kumar, Yamunanagar	100
67	A 087396	Shri Jagat Singh, Tailor Master, District Karnal	100
68	R 00444	Shri MIS. John, Kolaba District	100
69	P 04995	Shri Dev Naryana, Ishwar Parshad, Poona (Gujrat)	100

70	K 019312	Shri Hari Kishen, Rohtak	100
71	M 61133	Shri BisYna, District Karnal	100
72	J 022482	Shri R.W. Shah, Bombay-2	100
73	A 033064	Shri Mohinder Singh, New Delhi	100
74	A 012289	Smt. Vimla Hans, New Delhi	100
75	Q 02415	Shri Kashov Lal, Ahmedabad	100
76	P 45843	Dr. K.S. Grewal, Romkela-2, Orissa	100
77	E 0199575	Shri R.S. Kohli, AS.O. Home Branch, Haryana Civil Secretariat, Chandigarh	100
78	D 003 083	Shri M.L. Dhir, New Delhi-18	100
79	Q 32024	Shri Ishwar Chand , New Delhi-18	100
80	D 019139	Shri Mohinder Singh, Advocate, Buland Shahar (U.P.)	100
81	M 82867	Shri Partap Singh, District Karnal	100
82	K 01545,	Shri Madan Lal Rajan, Sonept, District Rohtak	100
83	11 084075	Shri Raj Singh, Rohtak	100

84	Q 85463	Shri Subhash °bander, Ismailabad (Kornai)	100
85	P 69911	Shri D.G. Bokare, Kalyan (Maharashtra)	100
86	D 034109	N. Krishnan Nair, Thiruvalla (Kerala)	100
87	D 015005	Shri Kanhaya IA 1 Ahlwat, Jhajjar (Rohtak)	100
88	E 093820	Ujala Singh Rathee, Tehsil Jhajjar, District Rohtak	100
89	Q 45003	Shri G.L. Dass, Lucknow	100
90	Q 03936	Shri O.V. Gaziani," Bombay-3	100
91	N 1434 7	Rama Devi, Delhi Cantt.	100
92	K 068557	Shri V.P. Goyal, Calcutta-14	100
93	K 017569	Shri Dal Chand, Delhi-35	100
94	L 99831	Shri Rain Karan, District Rohtak	100
95	F 018716	Shri Krishan Chander, Delhi-35	100
96	A 053638	Shri Bhagwat Parshad, Disrict Ambala	100
97	A 090949	Shri R.L. Maini, Delhi-6	100

98	N 99817	Shri Chander Lal, New Delhi	100
99	P 88973	Shri M. Singara velu, Madras-7 (Tamilnadu)	100
100	E 096773	Shri Krishan Lal, Chandigarh	100
101	F 053134	Shri Paul Gresent John, Kasauli	100
102	B 052468	Shri Rishi Parkash Sharma, Gohana (Rohtak)	100
103	N 40375	Shri D.R. Johri Ahmedabad-1 (Gujrat)	100
104	A 062026	Shri Dhanpat Singh, District Rohtak	100
105	E 078951	Shri Jamuna Dass, District Meerut (U.P.)	100
106	M 70907	Shri Dilbagh Singh, IV Class Student, District Kama]	100
107	L 42337	Shri Baba lal Vedi lal Shah, Ahmedabad-2	100
108	L 27634	Shri Satya Narayan Jaiswal, Kanaur	100

109	M 95415	Shri Ramesh Chanel Katani, Gurgaon Cant t	100
110	D 049725	Shri V.S. Arora, Chandigarh	100
111	F 090115	Shri Ram Murti Singh, Jammu	100
112	N 33712	Smt. Bhagwan Devi, Fazilka, Ferozepur	100
113	J 091141	Miss. Janti Devi Jagadhri	100
114	Q 72547	Shri Vinod Chandra Gupta, Agra-2	100
115	F 007756	Shri Ram Singh Rawat, New Delhi	100
116	J 059521	Shri Randhir Singh Pathania, Chandigarh	100
117	M 25478	Shri Giani, District Hissar	100
118	E 083516	Smekha Abrol, Sriganga Nagar (Rajasthan)	100
119	B 045913	Shri Ved Parkash Gupta, Karnal	100
120	H 024961	Shri Dewan Ashok Vidhan, Post Office Poonch (J & K)	100
121	13 020740	Moda Singh, District Hissar	100
122	C 031929	Ujal Singh Granthi, District	100

		Sangrur	
123	M 02602	Shri Raj Kumar Inawar, Teasil Goliana	100
124	P 15463	Shri Mehesh Chandra, New Dalai -5	50
125	A 058049	Sari Ktiersaan Singh SuIcadev Parsad, Deilii-7	50
126	A 061094	Sari Amar Singh, Moltindergarh	50
127	N 43204	Shri Inder Singh, Deltradun	50
128	P 27204	Shri Ved Parkash, District Hardoi (U.P.)	50
129	B 037679	Shri K.L. Chopra, Robtak	50
130	Q 20636	Shri M.K. Jedeva, Ahmedabad	50
131	Q 67970	Sari Karam Singh, *ja185,* Sector 15-C, Chandigarh	50
132	K 061068	Shri Amir Singh, District RoMak	50
133	D 077730	Sari Kishan,	50
		son of Seri Umrao Singh, District Meerut	
134	E 070583	Bimla Devi, ICiarIchoda,	50

		District Rohtak	
135	E 044567	Kai Tilak Chand, Sonepat	50
136	L 12447	Kiri Anil Kumar, VII-BStudent, Government High School Asandli, Karnal	50
137	D 053274	Shri Inderjit Singh, Kurukshetra (Karnal)	50
138	A 035798	Shri J.M. Paul, Fable Relation Department, Haryana New Secretariat, Crndigarit	50
139	N 41771	Shri Anil Kumar, K. Purcell a Bombay-58	50
140	F 023336	Pram Lata, District Rohtak	50
141 R	0733)	Shri Man Elul, Hissar	..., 50
142	087939	M/s. V. Kumar, New D. ii-1	50
E			
143	E 032851	S7tri Mulkh Raj, District Bijaor	50

144	E 060356	Ski Bishamber Dayal	50
145	B 034386	S:iri Hari Ciand, District Hissar	50
146	E 006293	S'ari Ran-les:twat Dass, M .i.n..li Dab Nall, Hissar	50
147	A 077937	S:tri Sirendra K. Jain, Ajmer (RajasCian)	50
148	Q 39006	S:iri Arvind O'lai C. Patel, Baroda (Gujrat)	50
149 P	76393	S:iri Kellar Nath Sarin, New Delhi-1	50
150 J	017653	S'tri Jnincier Singh, New Daiiii	50
151	J 089307	Sari Narinder Sing:1, Shri Yamunanagar	50
152	A 027399	Chancier Mohan, Delhi-6	50
153	N 68721	J.N. Sharma Flt. Sgt. C/o 56 A.P.O.	50
154	0 74365	Shri Krishan Kumar Kheri, New Delhi-5	50
155	D 011912	Shri Tilak Raj, Delhi-6	50
156	F 074908	Shri Kasturi Lal, Gurgaon	50
157	B 006090	Shri Dharam Paul, New Delhi-	50

158	C 003690	Shri Jagat Singh,	50
	a ,.	Faridabad, District Gurgaon	
159	J 022874	Mrs. Hem Lata	50
		(Shahpur Thana)	
160	B 094601	Shri Sidhu Ram, Karnal	50
161	H 067894	Shri B.M. Phadtare, Bombay-1	50
162	D 014801	Shri Tej Krishan, Chandigarh	50
163	M 12866	Shri S.N. Mehrata, Lucknow-4 (U.P.)	50
164	L 83003	Shri Bishamber Nath, District Karnal	50
165	K 007980	Shri Dhara Singh, District Rohtak	50
166	F 026062	Shri Hira Lal Saini, Rewari	50
167	N 59181	Shri Bharatu Ram, District Karnal	50
168	Q 64361	Shri N. Bhalla, R.K. Puram, New Delhi	50
169	J 046227	Shri Ram Kisha9	50
		Hodel, Tehsil Palwal (Gurgaon)	

170	L 66012	Shri Lachman (Sweeper) Karnal	50
17]	M 07647	Shri R.P. Yadava, District Rohtak	50
172	J 016969	Shri Bhagwan Dass Sadhu District Monghya (Bihar)	50
173	Q 82366	Nanakram Tekchandani, of Kota (Rajasthan)	50
174	D 026155	Shri Bhupinder Singh	50
175	C 096065	Shri C.P. Bhatia, Ambala City	50
176	A 022587	Shri Birda Ram, Tehsil Narnaul	50
177	F 013311	Shri Jawahar Lal. Batala	50
178	Q 12719	Shri H.M. Kodwanay, Bombay	50
179	P 45626	Shri Popat Lal, Pana lal, Nasik Road	50
180	Q 41542	Shri Mohan Chander Jani, Ludhiana	50
181	H 045402	Pt. Lila Dhar, Pleader, Karnal	50
182	D 032652	Shri Sohan Lal, Shahabad Markanda, Karnal	50
183	H 005228	Shri Ramesh Kumar, Palwal,	50

		District Gurgaon	
184	H 072429	Shri H.N. Motwani, New Delhi-3	50
185	D 082946	Shri Dalip Singh, District Mohindergarh	50
186	R 09017	Shri Dalip Singh, village and post office Dhanas, Chandigarh	50
187	H 040700	Rita, care of Baij Nath, New Delhi-27	50
188	K 018514	Pt. Badri Parshad, District Hissar	50
189	Q 74611	Shri Babu Ram, son of Shri Kesar Mul, District Rampur (UP.)	50
190	L 74098	Shri Naresh Kumar, student District Karnal	50
191	A 096626	Shri Prem Nath Sexena, New Delhi	50
192	D 083710	Rekha Avasthi Delhi	50
193	J 005530	Shri Narinder Kumar. Naraingarh	50

194	Q 65057	Iqbal Chand, Delhi-6	50
195	N 88628	Shri Nain Chander Popat Lal Shah Bombay-4	50
196	L 66224	Shri Anil Kumar Koh 1i Karnal	50
197	K 065693	Shri Manphool, District Hissar	50
198	C 009559	Shri Shashi Kumar, Delhi-6	50
199	H 095769 ,	Shri Jagdish, New Delhi-45	50
200	M 82873	Shri Ved Parkash, District Karnal	50
201	A 030103	Shri Choor Singh, District Jullundur	50
202	L 43166	Shri Thakarshi Premji Bombay-77	50
203	K 088645	Shri Kanshi Ram, Hansi, District Hissar	50
204	L 15494	Shri Ram Kishan, New Delhi-15	50
205	N 11433	Mata Parshad Panwala, Simla-1	50
206	E 009898	Shri Pal Singh,	SO .

		care of Veternity Hospital Palwal, (Gurgaon)	
207	Q 33734	Shri Kishor lvlorariji Bhojraj, Bombay-26	50
208	E 082600	Shri Bard Singh, District Rohtak	50
209	H 001522	Shri Ram Devi Panipat (Karnal)	50
210	L 29148	Shri IVIishri Ram, District Ajmer (Rajasthan)	50
211	N 45006	Sri M.K. Chitre, poona	50
212	E 076373	Shri Mohan Parkash Sharma, Gurgaon, village (Haryana)	50
213	F 045582	Shri Parma Lai, Delhi-34	50
214	B 089446	Shri Shankar Das, District Karnal	50
215	N 32068	Shri Manvir Singh, Rashav, Izatnagar, Bareilly (U.P.)	50
216	F 016780	Shri Gulshan Kumar, Saharanpur	50
217	C 094527	Shri Ratan Singh, Yamunanagar	50
218	K 084447	Shri Karnal B. Lal New Delhi	50

219	L 33355	Shri Kishan Kumar M/s Tek Chand Raj Kumar, Bhatiuda	50
220	F 048020	Shri Ravi Dutt, Sirsa (Hissar)	50
221	D 046513	Shri Vishan Dass, Panipat (Karnal)	50
222	J 034513	Ambika Prasad Sharma, New Delhi-1	50
223	Q 15532	Shri Joginder Lal Nayar New Delhi-11	50
224	B 058849	Shri Parkash Singh, G.H.G., Kh. High School. Mandi District Ludhiana	50
225	P 49393	Kamalesh II Santosh II, Dulani, Kanta, IV Lahti District Rohtak	50
226	A 080972	Shri Mohan Singh, Ambala Cantt.	50
227	H 089786	Shri Mohan Lal, District Gurgaon	50
228	L 40537	Parbhulal Atmaram, Ravaji Jamnagar	50
229	D 090451	Rekha Bhutani, Saharanpur	50
230	N 31877	Shri C.L. Chikersal, New Delhi	50

231	J 079117	Miss Dhana Devi, IX A, G.G.H.S. Sohna (Gurgaon)	50
232	F 064754	Shri Prithipal Singh Sirsa	50
233	*C* 045893	Shri Ramesh Kumar, Kaithal (Karnal)	50
234	K 023229	Shri Harbhajan Singh, District Sangur	',;()
235	N 91180	Shri H.K. Sethi, Dehradun	50
236	L 54764	Shri Kahan Chand Chawkidar Gen. Department Municipal Committee, Simla-1	50
237	J 081674	Shri M.L. Dua Kanpur-12	50
238	B 089314	Shri Roshan Lal, Panipat (Karnal)	50
239	B 084071	Pramila Dargan, Sanwara, District Simla	50
240	C 079269	Shri Amrit Sagar Mutreja, Delhi 7	50
241	A 035962	Shri Birkha Ram, District Jind	50
242	D 062808	Shri Niranjan Singh, District Hissar, c/o .T.O. Hissar	50
243	D 007821	Lt Charanjit Singh 4 House, C/o 56 A.P.O.	50

244	F 087548	Sher Singh Tewatia, Teh. Palwal, District Gurgaon	50
245	Q 56467	Shri Jaisa Ram Clerk, Treasury Office, Karnal	50
246	E 000534	Shri Roop Chand Bhatia Jaipur	50
247	B 044101	Shri Budh Ram, Bhiwani (Hissar)	50
248	P 86398	Shri Dayaljibhai Ranchhodbhai, District Surat	50
249	B 06551 6	Shri Subhash Chander Ahluwalia, district Karnal (Haryana)	50
250	J 095122	Shri Ram Pyari, Modhuban, Karnal	50
251	H 088437	Shri Kishan Sangwan, Advocate, Gohana	50
252	M 11217	Smt. Renu Basak Calcutta-40	50
253	B 096011	Shri Mohd Arfin Delhi	50
254	J 057953	Shri P.B. Viyas, Bombay-19	50
255	C 058764	Shri Nanda Ballah, Tripatty, care of Shri B.L. Verma, Sub-Post master, Bareilly Road, Haldwani	5.000

256	N 16445	Vasant Hans Raj Shah, care of Kamal Agency, 3'5 4th Marinest Dhopitaleo, Bombay-2	)03
257	Q 03477	Shri Amrii Lal, son of Sari hmna Dass, care of Surti Farsan Mart, Tnangeali, House No. 6. Bhiwadi District Tnana	103
258	F 0719)1	S nt. Simi wife of Shri Devi Saran, village Bakhrai, Post office Sanjauli, Simla-6	50
259	C 32487	Shri Ram Kishan Mir, t son of Chaudhri Mattu Ram, village and post office Baroda, tehsil Gohana (Rohtak)	50
260	P 87630	Shri Mastura Kamal Nanwala, Zapa Bazar, Baathiarwad, Kamal Bakery 4 485,3, Sarat (Gujrat)	50
261	Q 6322 *2*	Shri hi Singh, ofIew Kashmir and Oriental Tpt (P). Ltd., U.P. 13 ord .1r, Post	50

		office Cnikamberpar, G.T. Road, Delhi-32	
262	C 019635	Shri Shyam Sunder, class B.Sc.,	5Uu
		Part I Roll No. 614, Vaish College, Bhiwani	
263	N 80728	Shri Amarjeet of Patiala	50
264	N 09041	Shri Som Parkash,	53
		care of Shri Sewa Ram, Tailor master. Purani Mandi, Jammu Tawi (J 84. K)	

AGENTS PRIZES

		Rs
First	Shri V. Kumar, Agent No. 102/V-I-C	500
Second	Shri Iqbal Chand Kburana, Agent No. 37011-3/G	350
Third	Shri Bikram Sood, Agent No. 101/B-I/C	150
	Total	1,000

Prohibition in Mahendergarh District

***177. Major Amir Singh Chandhry**: Will the Minister for

Finance be pleased to state:

(a) whether Government have considered to introduce total prohibition in Mahendergarh rh district;

(b) if so, the factors, which weighed with the Government in taking this decision;

(c) time, when this decision is likely to be implemented:

(d) whether, Government has also decided not to open any liquor shops within ten miles-belt of Mahendergarh District Border, in the territories of neighboring wet area districts;

(e) if not, whether Government is considering this issue with a view to make the scheme a real success;

(f) whether Rajasthan Government; which has more than hundred miles of common Border with Mahendergarh district has also been approached for cooperating in taking a decision on the same lines as is mentioned in part (d) above with regard to the neighboring wet areas around Mahendergarh district;

(g) if not, whether the State Government is proposing to take up the matter with the Rajasthan Government?

Shrimati Om Prabha Jain : (a) The matter of introduction of prohibition is under the careful consideration of Government. The form in which prohibition will be introduced in the State is yet to be considered by Government. No decision has yet

been taken regarding the introduction of prohibition in Mahendergarh district.

(b), (c), (d),.(e), (1) and (g) Does not arise.

Settlement Operations in District Hissar

***216. Shri Randhir Singh:** Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) the reasons for stopping the settlement operations in District Hissar;

(b) the expenditure likely to be incurred on carrying out this settlement operation again together with the estimated amount of income likely to be accrued therefore;

(c) the reasons for making district Karnal a Centre of this activity, when most of the water canal in the State has been given to district Hissar.

Shrimati Om Prabha Jain: (a) It was administratively more convenient to carry out settlement operations in one district, instead of two simultaneously. Besides, the requirements of staff for two districts would have been on too high a side, for which the State would have to incur a lot of expenditure. Non-availability of trained field staff to meet the requirements of both the districts was another difficulty. Moreover the increase in cultivated area after the last settlement was more in District Karnal as compared to District Hissar.

(b) Approximate expenditure on the settlement operations in Hissar would have been Rs 1.32 crores for three years and the approximate increase in income to the tune of

Rs 41 lakhs per annum according to the provisions of the present Act.

(c) As in (a) above.

Construction of Government Offices at Jind

*237. Shri Narain Singh: Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) the time likely to be taken in constructing buildings at Jind for various Government offices during the current financial year;

(b) whether any amount has been earmarked in the current financial Year's Budget for this purpose; if so, to what extent?

Shri K. L Poswal : (a) Only office buildings for the Deputy Commissioner's Office and Tehsil Office are likely to be taken in hand for construction in the current financial year against available budget provision depending on the completion of land acquisition proceedings and coverage of detailed planning. These buildings would be completed during the next financial year. No budget provision for any other Government office building exists in the current financial year.

(b) The current financial year's budget included a sum of Rs 5,31,000 for Deputy Commissioner's office residence and Tehsil Office at Jind which has been reduced to Rs 50,000 as final grant on account of time involved in finalization of site, land acquisition proceedings and detailed planning. There was also budget provision originally for construction of office and store under high yielding variety programme of Agriculture

Department for Gurgaon, Rohtak and Jind to the extent of Rs 1,00 lac, against which scheme, however, the proposal for Jind was subsequently dropped by the Agriculture Department.

Construction of Roads in District Mohindergarh

***129. Shri Hari Singh Yadav** : Will the Minister for Public Works be pleased to state:—

(a) the number and names of new roads which were proposed to be constructed in district Mahendergarh during the current financial year;

(b) Whether the construction work of the roads referred to in part (a) is likely to be completed by the end of this year, if not, the reasons therefore ?

Shri K. L. Poswal: (a) A statement containing the requisite information is laid on the table of the House.

(b) No. It will not be possible to complete these roads due to paucity of funds, in this financial year. The work of construction of these roads will be taken up only to the extent of funds available for the same during 1968-69.

STATEMENT

Number of Roads on which construction work is to be undertaken during 1968-69 Name of Roads.

(1) Faizabad-Seema-Kanina Khas Road.

(2) Satnali-Loharu Road.

(3) Bhadra-Barla Road.

(4) Nasibpur-Dharson Road.

(5) Nimriwala-Rupgarh Road.

(6) Mohindergarh-Kanina Khas Road to Nangal.

(7) Village Khodana to Mohindergarh-Dadri Road.

(8) Approach from Rasiwas to Chappar.

(9) Approach from Mandi Ateli Abadi to Rewari-Narnaul Road.

(10) Jhoju Satnali Road from miles 0 to 6.0

(11) Narnaul Bahror Road up to State Boundary (Inter-State Road).

(12) Shamaspur on Dadri-Chuchakwas Road to village Kaliawas.

(13) Nizampur-Bamanwas Mokta.

(14) Link Road to village Baroli Ahir Road from Km 13/6, Narnaul-Mohindergarh Road in Mohindergarh.

(15) Jhojju-Satnali Road.

(16) Chirya-Kanina Road via Bhagot Chatraula.

(17) Badhra Sanghani Road.

(18) Sanjarwas-Sanga Road.

(19) Rupgarh-Chappar Road.

(20) Nawan Dal inwas Road.

(21) Seema-Dubiana Road.

(22) Approach Road from Nayagaon to Bail.

(23) Approach road from Nangal Durgu to Mushnota. Rest Houses in Haryana

***130. Shri Hari Singh Yadav**: Will the Minister for Public Works be pleased to state the number of rest houses at present under the Public Works Department in the State together with the amount of annual income accrued therefrom in the form of rent and the amount of annual expenditure incurred thereon since the formation of Haryana State?

Shri K. L. Poswal: A statement containing the requisite information is laid on the Table of the House.

STATEMENT

There are two types of Rest Houses under the Public Works Department i.e. Rest houses maintained by the Buildings and Roads Branch, and the Rest Houses maintained by the Irrigation Branch. The requisite information in respect of both these wings of the Public Works Department is given below.

Buildings and Roads Branch

No. of rest houses maintained in the state 63

Income accrued from 1st November, 1966 to 30th

November, 1968 Rs. 39,799

Expenditure from 1st November, 1966 to 30th

November, 1968 Rs. 4,08,652

Irrigation Branch

No. of Rest Houses 153

Income accrued from 1st November, 1966 to 30th

November, 1968 Rs. 42,775

Expenditure from 1st November, 1966 to 30th

November 1968 Rs. 6,78,805

Amount distributed to family Planning Officers in District Karnal

***214. Shri Randhir Singh**: Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the number of vasectomy operations done in district Karnal so far;

(b) the total amount distributed by the District Health Officer to the Family Officer and officials in the said district together with the names of the recipients of the said amount ?

Chaudhry Khurshed Ahmed: (a) During the year 1968-69 (from 1st April to 31st December, 1968). 2,797 Vasectomy operations have been performed in Karnal District.

(b) The statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT

(b) The total amount distributed by the Chief Medical Officer, Karnal, to the officers, other officials and certain private individuals on account of compensation/incentive is Rs 38,576. The detail of which is as under:—

		Rs
(I) Doctor incentive		13,795
(2)	Para-Medical incentive	8,391
(3)	Convassor charges	16,390
Total		38,576

The names of the Officers/officials who have received the amount under this programme are given in the list given below—

No Officer/Official paid out of the Family Planning Budget has been paid compensation/incentive on account of Vase ctomy operation during the yea r 1968-69.

Statement showing the names of Medical Officers and Para Medical and Convassors who claimed compensation/incentive on account of Vasectomy Operation

Serial	Name of the Doctor No.
1	Dr. Kuldip Seth, C.M.O.
2	Dr. P.L. Soni, D.C.M.O (M)

3	Dr. Gyan Bhushan, S.M.O.
4	Dr. Jagdip Singh M.O.
5	Dr. K.L. Passi
6	Dr. H.S. Kanwar, Medical Supdt.
7	Dr. Preen Kumar
8	Dr. Kehar Singh
9	Dr. M.G. Gupta'
10	Dr. B.R. Sood
11	Dr. S.M. Gupta
12	Dr. O.P. Kapoor
13	Dr. M.L. Sharma.
14	Dr. D.R. Wadhawan
15	Dr. R.P. Singh
16	Dr. M.M. Sharma
17	Dr. O.P. Bandlas
18	Dr. O.P. Mohindru
19	Dr. S.S. Shrivastva
20	Dr. K.C. Sachdev
21	Dr. S.S. Kalra
22	Dr. Nanak Singh ,

23	Dr. R.D. Choudhri
24	Dr. R.K. Kaushal
25	Dr. Jagan Nath
26	Dr, Tara Singh
27	Dr. Raj Paul Arya
28	Dr. Chandan Lal Narang
29	Dr. H. Rai, S.M.O.
30	Dr. Amrit Lal
31	Dr. L.R. Sardana
32	Dr. V.K. Gupta.

(2) Para-Medical staff includes Staff Nurse, L.H.Vs. Driver, A.N.M. S.I., 13.H, W. Trained Dais, etc., and it is not possible to name them as there names run to thousands.

(3) Convassor.—Any person who brings the case for an operation.

UNST ARRED QUESTION AND ANSWER

Medical College Hospital; Rohtak

93. Shri Daya Krishan : Will the Minister for Health be pleased to state—

(a) the number of indoor and outdoor mental cases treated in the Medical College Hospital, Rohtak, during the period from 1st January, 1968 to 31st December, 1968, separately ;

(b) whether there is sufficient arrangement for the indoor patients in the said hospital ;

(c) the number of beds provided in this hospital for treating mental patients ;

(d) whether it is a fact that the beds for indoor patients are insufficient in the hospital ;

(e) the details of further facilities likely to be provided in the said hospital to such patients ;

(f) the date the Government is expected to open a Psychiative wing in this hospital ;

(g) the manner in which the Government proposes to treat and protect the mental patients who loiter in the Town and Villages uncared for ?

Chaudhri Khurshed Ahmed : (a)

(i) Indoor patients .. 803

(ii) Outdoor patients .. 5,336

(b) No. Only moderately disturbed patients are kept for a fortnight or so under the personal supervision of their relatives, Cases of serious nature are go treated at the Mental Hospital, Amritsar, which is a common service Institution and the Haryana Government is annually paying its

share to the said Institution.

(c) 25.

(d) Yes.

(e) 192 additional beds are proposed to be provided at the Medical College Hospital, Rohtak, during the Fourth Five Year Plan period and out of these I5 to 25 beds will be reserved for mental cases.

(f) A Psychiatric Wing is already functioning at the Medical College Hospital, Rohtak. It is proposed to be expanded to the extent indicated at item (e) above.

(g) The mental patients of serious nature in the area are got treated at the Mental Hospital, Amritsar, as already stated at item (b) above.

PERSONAL EXPLANATION BY-
SHRI BANARSI DASS GUPTA

श्री बनारसी दास गुप्ता : अध्यक्ष महोदय, अभी चर्चा चल रही थी (विघ्न) ।

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब यह गलत बात है ।

How does the hon. Member come into the picture ? If he is allowed to speak at this stage, the House will be setting up a bad precedent. It is against the very provisions of the Rules.

Mr. Speaker : I have already allowed him to give his personal explanation for a minute or two.

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहिब मैं बडा हैरान हूं कि मेरे दोस्त क्यों मेरे बोलने से इतना डरते हैं? वे जब दस दस सप्लीमेंटरी सवाल पूछ सकते हैं तो फिर उन को सुनना भी चाहिए ।

मलिक मुख्तियार सिंह : हम कातल तो नहीं हैं ।

Mr. Speaker : Order, Order. Please.

श्री बनारसी दास गुप्ता : स्पीकर साहिब, मेरा निवेदन तो केवल इतना ही हे कि जिस रोज यह बड़ी भारी दुर्घटना हुई, भिवानी में, इत्तफाक से मैं भी वहां मौजूद था । क्योंकि श्री मुन्शी राम जी मेरे दोस्त थे उन के निकट सम्बन्धी जो कि उन के सुसर थे, वह मेरे पास आए और उन्होंने आ कर बताया कि ऐसे ऐसे दुर्घटना हो गई है, इस लिये कोशिश की जाए कि उन का पोस्टमार्टम न हो । उन्होंने कहा कि जो होना था वह तो हो गया अब लाश हम को मिल जाए । मैं भाग कर उस स्थान पर गया, लोग वहां काफी तादाद में इक्ट्ठे थे । मुन्शी राम जी की जेब से एक चिट्ठी निकली जो मैने खुद पढ़ी । आप जानते हैं कि मुन्शी राम जी बहुत अच्छे लेखक थे । उन की वह चिट्ठी जरूर फाईल पर होगी, चूंकि हजारों किताबें श्री मुन्शी राम जी ने अपने हाथ से लिखीं, इस लिये मैं समझता हूं कि आप उस चिट्ठी को पढ़ कर अन्दाजा लगा लेंगे कि वह चिट्ठी उन की है या नहीं । उस में उन्होंने बताया था

कि किस वजह से मैं दुखी हो कर आत्म–हत्या कर रहा हूं । यह स्पष्ट उस में लिखा हुआ हे । आप भी देख कर पहचान जाएंगे कि वह उनके हाथ की है या नहीं । तो वह बिलकुल आत्म–हत्या का केस था । उनके ससुर ने मुझ को कहा और वहां की रेलवे पुलिस ने मौके पर इन्वैस्टीगेशन की । उन के ससुर ने एसडीएम को दरखास्त दी कि लाश बगैर पोस्ट मार्टम के दी जाए । तो यह सारी चीज होने के बाद बगैर पोस्ट मार्टम के उन को लाश दी गई । इन हालात के पेशेनजर पुलिटीकल प्रचार के लिये किसी पुलिटीकल पार्टी पर लांछन न लगाया जाए । मेरे दोस्तों ने जो यह कहा कि वह मेरे राईवल थे यह बिल्कुल गलत बात है । मुन्शी राम जी मेरे बहुत गहरे दोस्त थे । कुछ दिन वह जरूर रिपब्लिकन पार्टी में रहे लेकिन 1968 में उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी छोड़ दी थी और इलैक्शन में वह मेरे पोलिंग ऐजेंट भी थे । आत्म– हत्या करने से पहले वह कांग्रस पार्टी में थेऔर इ स दुर्घटना से दस पन्द्रह दिन पहले उन्होंने मेरी मदद मांगी । उन्होंने मुझे बताया कि जहां पर वह काम करते हैंवहां पर वैलफैयर अफसर की पोस्ट है जिस के लिए ग्रेजुएट को कंडीशन रखी गई हे वह अगर रिलैक्स करवा दी जाए तो मेरा जीवन सफल हो सकता है और मैं वहां पर लग सकता हूं ।

चौधरी बनवारी राम : मैं रिपब्लिकन पार्टी का चेयरमैन हूं, गुप्ता साहिब गलत कह रहे हैं कि उन्होंने रिपब्लिकन पार्टी छोड़ दी थी । मैं उन से ज्यादा जानता हूं ।

चौधरी चान्द राम : स्पीकर साहिब, आपने इतने बहस मुबहासे के बाद उनको जो इस तरीके की स्पीच करने की इजाजत दे दी है उस से तो सारे हाऊस में यह जाहिर होगा कि यह बड़ी मासूमाना खुदकशी की बात है और कोई बात नहीं थी । मैं आप से गुजारिश करूंगा कि अगर आपने उनको तकरीर करने की इजाजत दी है तो आप हमें भी दें ताकि हम भी फैक्ट्स बता सकें । फैक्ट्स यह हैं कि सूबेदार प्रभु सिंह का मकान नजदीक है, उन्होंने मुझ को टैलीफोन किया (विध्न)।

श्री अध्यक्ष : चौधरी चान्द राम जी, पांच मिनिट के बाद गवर्नर ऐडैरस पर वहस होगी उस वक्त आप ने जो कहना होगा कह लेना ।

चौधरी चान्द राम : आप ने उन को अलाऊ किया लेकिन उस के बाद वह कुछ ऐसे हालात में चले गए कि न तो उनका यह परसनल एक्सपलेनेशन था न ही हमने उनका नाम लिया था और न ही उन्होंने यह कहा कि मैं इनवाल्वड हूं।

Mr. Speaker : So many Members got up. Some of them were allowed to speak. Chaudhry Banwari Ram too has given something. So, I am trying to accommodate as many Members as possible.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब, गुप्ता साहिब ने बात एक्सपलेन की, अपना दामन पाक दिखाने के लिये । हमारी मजबूरी है कि हम यह आत्म हत्या नहीं मानते, कल मानते हैं । इन का दामन

इस लिये साफ नहीं है कि 12 तारीख को उस की धर्म पलि आती है और कहती है कि मेरे पति को कत्ल किया गया है । (विघ्न) ।

श्री बनारसी दास गुप्ता : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । अध्यक्ष महोदय, मैं उस वक्त माँके पर हाजिर था इस लिये दो चार लफज कहने की इजाजत मांगी थी । श्री मंगल सैन मेरे दामन का नाम ले कर अपना दामन साफ कराना चाहते हैं ।

Mr. Speaker : That is the whole trouble. This is no Point of Order.

श्री मंगल सैन : मैने बहुत मासूम बात कही थी जो कि मेरा दोस्त ऐक्सप्लेन नहीं कर सका और उन्होंने अपनी मौजूदगी दिखा कर एक्स्प्लेनेशन दिया है, अच्छी बात है ले किन जब उस की वाईफ यह कहे कि मेरे पति का मर्डर हुआ है तो हम कैसे न विश्वास करें?

खान अब्दुल गक्कार खां । इतनी न बढ़ा पाकिए दामन की हकायत,

दामन को जरा देख जरा बन्द कबा देख ।

चौधरी जय सिह राठी : तरदामनी पे शेख हमारी न जाओ

दामन निछोड दें तो फरिश्ते बुजू करें । ।

Mr. Speaker : We had enough of it. No more please.

QUESTIONS OF PRIVILEGE

Mr. Speaker : On 29th January, 1969, I had reserved my Ruling on the question of privilege given notice of by Shri Mangal Sein, M.L.A., regarding shadowing of the opposition legislators in the M.L.As.' Hostel till the comments from the Government in that regard were received.

Now I have received a reply from the Government according to which the Union Territory officials had posted armed police outside the new M.L.As Hostel of their own in order to maintain law and order because the said Hostel falls within the limits of Chandigarh. It has been further stated that no C.I.D. official was deputed on duty within the said Hostel. Even the C.I.D. personnel were directed not to enter the Hostel at all.

Besides the hon. Member had not given any concrete and specific instance as also the names of the C.I.D. personnel.

So, I refuse to give my consent to the raising of this question of privilege and disallow the same.

श्री मंगल सैन : स्पीकर साहिब अगर आप नाम की बात करते हैं तो मै नाम भी बता देता हूं । श्री नानक चन्द चोपड़ा, जिला हिसार के सीआईडी. इक्स्पैस्टर हैं और श्री जिले सिंह है रोहतक के सी.आई.डी. इन्स्पैक्टर और भी दो चार आदमी है । आपने कहा कि सारी बात की इस्क्वायरी कर ली गई है । आप किसी वक्त मेरे साथ चले और देख लें कि यह हमें कहीं बैठने उठने और बात करने नहीं देते । हमारे कमरों के बाहर खड़े रहते है जब बात

करते हैंतो पास खडे होते है' और जहां टैलीफोन है वहां हम जब टैलीफोन करने जाते हैं तो वहां पास आकर खड़े हो जाते हैं और

श्री अध्यक्ष : यह तो मोशन बनती नहीं । आप एक और मोशन दे सकते है जिसमे कोई मौसिफिक बात हो और नाम हों।

श्री मंगल सैन : मै नाम भी दे दूंगा और फोटो भी दे बू गा (हंसी)।

श्री फतेह चन्द विज : अगर सीं.आई.डी. वाले आयेंगे तो हम उनको कमरे में बिठा कर आपको बुला लेंगे.... (शोर) ।

श्री अध्यक्ष : मंगल सेन जी को पूछें' कि क्या हुआ था उस दिन? मैं वहां गया था मगर वहां कोई नहीं था ।

श्री मंगल सैन : लेकिम दूसरे दिन क्या हुआ.... मैं ने सैक्रेटरी साहिब को आदमी दिखा। थे उन में रोहतक जिला के सीआईडी इक्पैक्टर....

श्री अध्यक्ष : वह बात दूसरी है । हाउस का और हमारा प्रिविलिज दूसरी बात हूँ ।

श्री मंगल सैन : यह ठीक है कि हम इनको हटाने में लगे हुए है' लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि यह हमारे पीछे पुलिस लगा दे । यह तो हो सकता है कि अपने वर्कर हमारे साथ लगा दं मगर पुलिस का मैम्बर के पीछे पीछे भेजना तो ठीक नहीं ।

Shri S.P. Jaiswal : Mr. Speaker, Sir, with your permission f want to submit that, with a view to verify the statement made by the Members from the Opposition side about the presence of the C.I.D. personnel in the Legislators Hostel, as to whether it is correct or not you are only accepting the reply given by the Chief Minister. How should we satisfy you that the reply given by the Chief Minister is incorrect ? This is a fact that the C.I.D. personnel are shadowing the Members in the Hostel, and we need your protection in this matter.

Mr. Speaker : As I have already said in the first instance let Shri Mangal Sein give another notice mentioning some names of the C.LD. officials shadowing or some instances of this kind, and I shall again get it investigated.

Shri S.P. Jaiswal: Sir, my submission is that the answer will again
be coming from the Chief Minister denying the allegations. So in that case how can we satisfy you ?

Mr. Speaker : Let us not anticipate the answer.

Privilege Motion No. 3. On 30th January, 1969. T had reserved my Ruling on question of privilege given notice of by Malik Mukhtiar Singh, M.L.A., till the receipt of the comments from the Government in this regard.

Now I have received the reply from the Government according to which it is incorrect that the D.S.P. used any abusive language towards Shri Piara Singh, M.L.A. The meeting between Shri Piara Singh, M.L.A. and the took place in the presence of Superintendent of Police, Karnal, while he was going around village Siwan alongwith Shri Piara Singh, M.L.A.

Moreover Shri Piara Singh, M.L.A., also denied the allegation in the House yesterday. Hence, I refuse to give my consent to this question of privilege and disallow the same.

मलिक मुख्तियार सिंह : सरदार यारा सिंह ने खु मेरे सामने होसटल के इन्कवायरी आफिस में यह बताया था और इसी वजह से मैंने यह मोशन दी थी हंसी इनको तो इज्जत नहीं रही लेकिन मैं समझता हूं कि हाउस का प्रिविलेज है ...शोर..... कल क्या कहा और क्या नहीं कहा यह मैं नहीं जाता, एक दफा यारा सिंह जी खड़े हो कर अपना चेहरा दिखा कर कह दें कि इनको गालियां नहीं दीं और गोली मारने की धमकी नहीं दी गई (हंसी) ।

CALL ATTENTION NOTICES

Mr. Speaker : Call Attention Motion No. 3, given notice of by Shri Mangal Sein, M.L.A., concerning the Governments failure to honour the assurances held out to subordinate services of Haryana is admitted. The hon. Member may please read his motion and the Minister concerned may make a statement.

श्री मंगल सैन : हरियाणा राज्य के अधीनस्थ कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेक र 10 जनवरी, 1968, और 8 और 9 फरवरी, 1968 को हडताल की थी । उस समय यह आश्वासन दिया गया था कि कोई प्रतिशोधात्मक कार्यवाही नहीं होगी । परन्तु 101 केसिज उन पर चलाये गये, 125 लोगों को सस्पैडं किया गया, 12 लोगों को नौकरी. से बरखास्त किया गया । यही नहीं अभी 43 अध्यापकों को आईटीआई. से. नौ करी से अलग कर दिया गया । साथ ही

वेतन समिति की ' सिफारिशों को पहली फरवरी, 1968, से लगाने के बजाए पहली फरव री, 1969 से लागू किया गया है जिसके कारण सारे राज्य कर्म चारियों में रोष है ।

इसके साथ ही रोड़वेज के कर्मचारियों के साथ सरकार का समझौता करने के बाद भी अपने वायदे पर आचरण नहीं करती इस कारण सारे रोडवेज के कर्मचारियों में रोष एवं निराशा व्याप्त है ।

मै इस प्रस्ताव के द्वारा सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं ।

Chief Minister : I will make a statement about this Call Attention Notice on the 3rd February, 1969.

Mr. Speaker : Call Attention Motion No. 9 given notice of by Shri Mangal Sein, M.L.A., regarding alleged disturbance of the public meeting held at Kaithal on 24th January, 1969 and the arrest of certain ex-legislators by Shri Raj Singh, D.S.P., is admitted. The hon. Member may please read his motion. The Minister-in-charge may kindly make a statement.

श्री मंगल सैन : ग्राम सीवन, तहसील कैथल, जिला करनाल में 30 दिसम्बर, 1968 को परिवार नियोजन करने बालों ने पुलिस वालों की सहायता से जबर्दस्ती गरीब हरिजनों की नसबन्दी करने पर विवाद हो गया । लौगों ने जबर्दस्ती नसबन्दी का विरोध किया जिस के परिणाम स्वरूप पुलिस ने लाठी एवं गोली चलाई जिस के कारण एक उजागर सिंह नाम का व्यक्ति गोली से मारा गया ।

पुलिस ने नमक पर तेल छिड़को हुए उजागर सिंह की लाश वारिसों को देने के बजाय करनाल में लाश ले जाकर जला दी ।

हरियाणा संयुक्त विधायक दल के नेताओं ने दिनाक 24 जनवरी, 1969 को कैथल में एक सार्वजनिक सभा की जिस में यह म औग की कि सारे काण्ड की न्यायिक जांच होनी चाहिए साथ ही यह भी मांग की कि डी.एस. पी. .....को बदला जाए और दण्ड दिया जाए ।

सभा मे एक शरारती व्यक्ति को भेज कर सभा भंग करनी चाही, परन्तु जनता ने रोक दिया । यह शरारती आदमी डी.एस.पी. का भेजा हुआ था । डीएसपी. ने उस शरारती आदमी से एक मामला दर्ज कराकर श्री चमन लाल, श्री जगजीत सिंह पोहलू तथा अन्य तीन आदमी जो सभा के आयोजक थे उन्हें बन्दी बना लिया । इस कारण सरकार के इस कदम के कारण सारे प्रदेश में और खास तौर पर उस इलाके में रोष व्याप्त है ।

मुख्य मन्त्री : इस पर में 4 तारीख को स्टेटमेंट दूंगा ।

Mr. Speaker: Now, we take up the text item. Some Papers are to he laid on the Table.

चौधरी चांद राम : स्पीकर साहिब, मैंने एक काल अटैन्शन का नोटिस दो दिन पहले दिया था उसका पता नहीं लगा कि ऐडमिट हुआ है या नहीं ।

श्री अध्यक्ष रू आप को जवाब मिल जाएगा ।

चौधरी रणबीर सिंह : आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । स्पीकर साहिब, हमारी इस सदन की और सारे प्रदेश के सदनों की यह प्रथा रही है कि जो भाई सदन में किसी सवाल का जबाब नही दे सकते उन का नाम हाउस में नहीं लिया जाता जब तक कि किसी खास व्यक्ति को वह सजा न मिली हो जिसको "Naming of the Officers." कहते है अगर यह सजा उस व्यक्ति को न मिली हो तौ कायदे के मुताबिक उस व्यक्ति के नाम लेने के बजाये उस के निवास मगन का नाम लिया जा सकता देर, महकग्ग का नाग लिया जा सकता है, ले किन किसी आफिसर के नाम को लेने की प्रथा हमारे प्रदेश में नहीं है । इसलिये किसी भाई को सदन में किसी दूसरे व्यक्ति का नाम नहीं लेना चाहिए ।

श्री अध्यक्ष : इस सिलसिले में मैने पहले भी जिक्र किया था कि किसी का नाम न लिया जाए ।

मुख्य मन्त्री : लेकिन मैम्बर साहिब ने जो अभी अभी काल अटेन्शन दिया हूँ उस में नाम लिखा हुआ है ।

श्री अध्यक्ष : उसकी काट दिया जाए ।

Chief Minister (Shri Bansi Lal) : Sir, I beg to lay on the Table a copy each of the following reports under section 619-A of the Companies Act, I956 :-

(i) Second Annual Report and Accounts of the Punjab Export Corporation Ltd. for the year 196445;

(ii) Third Annual Report and Accounts of the

Punjab Export Corporation Ltd. for the year 1965-66;

(iii) 1st Annual Report of the .Punjab State industrial Development Corporation Ltd. for the year 1966-61.

(iv) Annual Report of the Punjab State Small Industries Corporation Ltd. for the year 1966-67.

Sir, I also lay on the Table :--

(1) A copy of the Second Annual Report and Accounts of the Land Development and Seed Corporation Ltd. for the year 1966-67, as required under section 619-A of the Companies Act, 1956,

(2) A copy of the 1st Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Ltd. for the year 1967-68, as required under section 619-A of the Companies Act, 1956.

PRESENTATION OF SUPPLEMENTARY ESTIMATES FOR THE

YEAR 1968-69

Finance Minister (Shrimati Om Prahha Jain) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates for the year 1968-69.

PRESENTATION OF REPORT of THE ESTIMATES COMMITTEE ON THE SUPPLEMENTARY ESTIMATES FOR THE YEAR, 1968-69

श्रीमती चंन्दावती (सभापति, अनुमान समिति) : अध्यक्ष महोदय, में वर्ष 1968–69 के अनुपूरक अनुमानों पर अनुमान समिति का प्रतिवेदन पेश करती हूं ।

RESUMPTION OF DISCUSSION ON GOVERNORS ADDRESS

Mr. Speaker : The House will now resume discussion on the Governor's Address.

Shri Roop Lal Mehta who was in possession of the House when it adjourned the other day, may please resume his speech. But, before he does so, I would request him to finish his speech within ten minutes.

Shri Roop Lal Mehta : Sir, it would not be possible for me to finish my speech within ten minutes. I would request you to kindly give me at least half-an-hour.

Mr. Speaker : You had spoken for 38 minutes on the 29th and I am afraid, it may not be possible for me to give you more time. Still, there are many hon. Members who wish to participate in the discussion.

Shri Roop Lal Mehta : All right, Sir, I shall try to finish as ear Y as possible.

Mr. Speaker : Please try to finish within ten minutes.

श्री रूप लाल महता (पलवल) : स्पीकर साहिब, परसों मैं बोल रहा था लेकिन उस वक्त सदन उठने को था, इसलिए बहुत सी बातें मैं सदन के सामने नहीं रख सका,उन सब बातों की बैकग्राउंड बताने के लिए ही मैं अब बोलने के लिए खडा हुआ हूं ।

जहां तक गवर्नर ऐड्रेस का ताल्लुक है, उसमें लिखा हुआ है कि प्रदेश में ला–एंड–आर्डर की सिचुएशन कंट्रोल में रही है लेकिन मैं

कहना चाहता हूं कि ला–एंड–आर्डर निहायत खराब रहा । जहां तक मैरे हलके पलवल का ताल्लुक है, वहां पर ला–एंड–आर्डर सब से ज्यादा खराब है । मैं आपके सामने 18 तारीख का वाक्या ब्यान करना चाहता हूं । सनातन धर्म कालेज, पलवल के लडको ने कालेज मे सट्राइक की और रेलवे स्टेश्न पर धावा बोल दिया । स्टूडैट्स ने तोडू फोड़ की कार्यवाहियों करनी शुरू की । जब उनकी गैर–कानूनी कार्यवाहियों को रोकने के लिए पुलिस आई तो चार सौ आदमी लठ लेकर पुलिस का मुकाबला करने के लिए आ पहुंचे । बड़ी कौशिश के बावजूद भी पुलिस स्टूडैट्स को कंट्रोल नहीं कर सकी । फिर यह सरकार कहती है ला–एंड–आर्डर की हालत नार्मल रही, यह बिलकुल गलत है । गवर्नमेंट जानबूझ कर स्टूडंट्स को मेरे विरुद्व भडका रही है क्योंकि मैंने गवर्नमेंट से अपनी सपोर्ट विदड्रा कर ली है । उन्होंने मेरी बेइज्जती की और मुरदाबाद के नारे लगाये । पलवल में जों कुछ हुआ यह सारे का सारा पोलिटिकल स्टंट के बेसिज पर ही हुआ है । (इस समय सभापतियों की सूची के एक चौधरी माडू सिंह पदासीन हुए)

इसके इलावा पलवल में इतनी गुडागर्दी फैला हुई है कि लड़कियों को राह चलना बड़ा मुश्किल है गुण्डे उन का पीछा करते है लेकिन पुलिस की तरफ से इन गुण्डो को रोकने का कोई इन्तजाम नहीं है । 22 जनवरी, 1969 के अखबार ''भारत दर्शन साप्ताहिक'' में पलवल के बारे में पहली खबर निकली है, उसका हैडिंग है––''लोफर और बदचलन लडके राह चलतीं लडकियों से

छेड़छाड़ करते हैं, स्थानीय पुलिस इन पर हाथ डाले '' । मैं इस अखबार की कापी आपके सामने सदन की मेज पर रखता हूं । जब लड़कियों को स्कूल से छुट्टी होती है तो कुछ मनचले और बदमाश लड़के उन पर बोलियां कसते है, और भ्रष्टाचार फैलाने है। इस तरह साफ जाहिर होता है कि पलवल में ला–एंड–आर्डर की सिचुएशन बहुत खराब है । पलवल की सिचुएशन खराब होने के बारे में मैंने आनरेबल प्राइम मिनिस्टर तथा होम मिनिस्टर को टैलिग्राम दी है कि पलवल में स्टूडैन्ट्स स्ट्राइक के कारण तथा लोकल ऐडमिनिस्ट्रैशन इनइफैनिटव होने के कारण सिचुएशन बड़ी खराब है । टैलिग्राम में लिखा था––

"Student strike SD. College Palwal. Directly instigated by China Communists, Railway property damaged. Railway employee injured. Further trouble expected. The Iocal administration ineffective. Great panic in public. Immediate intervention prayed."

ROOF LAL MEHTA,

M.L.A.

Administrator.

19-1-1969. Palwal".

This is a copy of the telegram which I sent to the Prime Minister and the Home inister of India.

टैलिग्राम देने के बावजूद भी कोई इमिजिएन्ट ऐक्शन नहीं लिया गया । परसों 29 तारीख को मुझे पलवल से टैलिफोन आया कि

सैक्टेरियन टाईप कम–कम्युनिस्टस, सनातन धर्म कालेज के सामने जलसा करना चाहते है' और गवर्नमैटं ने वह्टां पर दफा 1 44 लागू नहीं की है । इस लिए पलवल शहर में जबर्दस्त पैनिक फैल गया है और सिचुएशन बहुत खराब हो गई । मैने फौरन डी० सी० गुडगांव, एस० पी०, गुड़गांव तथा दूसरे अफसरान को टैलिग्राम भेजी जिसमें मैने लिखा था–

"Situation tense at Palwal. Secretarian type-cum-communists holding public meeting opposite College Palm°. Terror prevails in the city. Adequate arrangements and imnposition of Section 141 prayad to avoid any intoward incident.

ROOP LAL MEHTA,

M. L.A."

This is a copy of the telegram which I sent to the Deputy Commissioner, Gurgaon, Superintendent of Police Gurgaon, S. D. O. (C) Palwal and D. S. P., Palwal.

आप देख रहे है' कि इस छोटे से कसबे में कितनी बेचौनी फैली हुई है लेकिन सरकार की तरफ से कोई कसट्रक्टिव कदम नहीं उठाया जा रहा है मै तो यहां तक कहता हूं कि मौजुदा सरकार ही इनऐफिशिएंट है, इसलिए इस किस्म की वारदातें पैदा होती है । मेरे खिलाफ जो कुछ पलवल में हो रहा है उससे मुझे बहुत खतरा पैदा हो गया है और अपने बचाव के लिए मेरे मकान के सामने सिपाही खड़े हुए हैं । मैं रकार कौ चेतवानी देना चाहता हूं कि अगर मेरे मकान को, मेरी जायदाद. को या मेरी जान को

किसी किसम का नुक्सान हुआ नो उसकी जिम्मेदारी हरियाणा की मौजूदा सरकार पर होगी क्योंकि सरकार ने खुद स्टूडेट्स से जानबूझ कर मेरे बरखिलाफ गड़बड़ी करवा रखी है । इस गड़बड़ी की वजह यह है कि मैंने सरकार से अपनी सपोर्ट विदड्रा कर ली है ।

इसके साथ ही मैं अर्ज करना चाहता हूं कि यह जो सिवन में फायरिंग हुई क्या यह स्टेट के लिए गर्म की बात नहीं है? आज हरिजनों को गोली से मारा जाता है । नस–बन्दी करने के लिए मजबूर किया जाए, क्या यह असूल की बात हूँ (जिन हरिजनों को हम रीढ़ की हड्डी मानते ये आज उन पर गोली मारते. है'? ठीक है फैमिली प्लानिंग होनी चाहिए, हम इन्कार नहीं करते लेकिन यह चीज होती है लोगों के विचार बदलने से, आदमी को समझाने से, न कि डाक्टरों को तरक्की देने से और लोगों को पैसे देने से । आप लोगों के विचार बदलें उनकी भावनाओं को बदलें । समाज सुधार का यह कोई तरीका थोड़े ही है कि 70 साल का बूढा पकड़ कर उसे खस्सी कर दिया या 20 साल के जवान को पकड़ कर खस्सी कर दिया । इससे तो सरकार के विरुद्ध लोगों के मन में घृणा हो जाती है । अगर आप फैमली प्लानिंग करना चाहते हैं तो आपको चाहिए कि जगह जगह सेमिनार करें, लोगों के सामने गोष्ठियां करें, उन्हें बड़ी फैमिली होने के नुक्सान बताएं कम फैमली होने के फायदे बताएं, तब तो कोई बात बन सकती है वरना यह सब फजूल है ।

(इस समय उपाध्यक्षा पदासीन हुई)

खान अब्खुल गुफ्फार खां रू डिप्टी स्पीकर साहिबा, महता जी ने अभी खस्सी का लफ्ज इस्तेमाल किया । क्या यह शब्द पार्लियामैन्टरी है? (शोर)

श्री रूप लाल महता : हमारे बुजुर्ग खान साहिब ने प्वायंट आफ आर्डर उठा कर मेरा एक मिनट खराब कर दिया क्योंकि बात तो एक ही है चाहे हम नस–बन्दी कहें, स्टरलाइजेशन कहे या खस्सी कहे, क्योंकि हमारी अपनी वोली में खस्सी चलता है इसलिए मैने खम्मी शब्द का इस्तेमाल कर दिया था (शोर)

चौधरी नेकी राम : डिप्टी स्पीकर साहिबा, महता साहिब जिस तेजी से बोल रहे हैं उससे तो हमारी समझ में कुछ नहीं आता । अगर यह आहिस्ता आहिस्ता बोलें तो ज्यादा अच्छा रहेगा ।

श्री रूप लाल महता : टाइम थोड़ा है, इसलिए मैं जल्दी से बोल रहा हूं ।

चौथरी नेकी राम : जरा साफ बोलने की भी कोशिश करें ।

उपाध्यक्षा : आप जरा आहिस्ता आहिस्ता बोलें, आपको दो मिनट और ज्यादा मिल जाएगे ।

श्री रूप लाल महता : मैं चौधरी नेकी राम जी का बड़ा मश्कूर हूं परन्तु चौधरी साहिब क्या करूं, मेरी भी मजबूरी है । दांत न होने की वजह से ये सब बातें है' । वैसे तो दांत में हफ्ते के अन्दर

अन्दर लगवा लूंगा । परन्तु अभी आहिस्ता आहिस्ता बोलने की कोशिश करता हूं' । डिप्टी स्पीकर साहिबा, में' अर्ज कर रहा शा कि सिवन की फायरिंग सरकार के माथे पर कलंक का धब्वा है । जिन हरिजनों के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी मरण व्रत रखा करते थे और जिन्हें आज तक कांग्रेस पार्टी की रीढ़ को हड्डी समझा जाता रहा है उन हरिजनों पर यदि आज हम फैमली प्लानिंग के लिए गोली चलाए तो वह बुरी बात है । इस तरह से सरकार फैमिली प्लानिंग की स्कीम को सफल नहीं कर सकेगी । फैमिली प्लानिंग तो लोगों के मन बदलने, उनको इसकी अच्छाई बुराई बताने और लगातार प्रचार करने से सफल होगी । हमें इसके लिए लोगों पर जुल्म नहीं करना चाहिए और यह जो जुल्म हुआ है इसके लिए जुडिशियल इनक्वायरी लेनी चाहिए । कोई हाई कोर्ट का रिटायर्ड जज इसकी इनक्यायरी करने के लिए बिठाया जाना चाहिए ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, आज हालात बड़े नाजुक हो चुके है' । एक डी० एस० पी० पुलिस, एम० एल० ए० की बेइज्जती करता है । जब मैने इस बात के बारे में अखबार में पढ़ा तो मुझे बडा अफसोस हुआ । अगर इस तरीके से पुलिस अफसर एम० एल० एज० की बेइज्जती करेंगे तो मैं समझता हूं कि हमारी जिन्दगी फिर सुरक्षित नहीं । इतना ही नहीं, डिप्टी स्पीकर साहिबा, अभी 28 तारीख को प्लान बनाया भी गया था कि रूप लाल मेहता को मार दिया जाए । परन्तु भगवान को दया से मैं बच गया । गमला

तो फिर भी मेरे ऊपर को फैंका गया लेकिन वह भी ईश्वर की कृपा से मुझे न लगकर डी० एस० पी० को लगा । डिप्टी स्पीकर साहिबा, यह सब कुछ इसलिए किया जा रहा है कि मेहता ने कांग्रेस छोड़ दी है । परन्तु में आपके द्वारा सरकार को बता दू कि मेहता इन बातों से डरने वाला नहीं । उसने इस तरह के दिन बडे देखें हैं । आजादी की लडाई के दौरान बहुत कुछ देखा और सुना है । माल रोड पर गोलियां खाई है' । तो इन धमकियों से महता कहा डरने वाला? (विरोधी दल की तरफ से तालियां)। डिप्टी स्पीकर साहिबां, 1950 में जब मे शराब बन्दी. के लिए एक जाया लिए जा रहा था तो मात्र रोड, शिमला पर पुलिस ने कहा कि झंडा नीचे ले जाओ । मैने कहा झंडा नीचे नहीं हो सकता । इस पर बात बढ़ गई । पुलिस और आ गई, मिल्टरी आ गई और हमें कहा जाने लगा कि अब भी मान जाऔ परन्तु मैंने कथा कि मैं गी हटूंगा । मेरी छाती आपके सामने है और यदि आप गोली मारनी चाहे तौ इस पर गोली मार सकते है । सो, डिप्टी स्पकिर साहिबा, प्यार और मोहब्बत से तो हम दब सकते है' लेकिन दबाव से हमे नहीं दबाया जा सकता । (विरोधी दल की तरफ से प्रशंसा)

डिप्टी स्पीकर साहिबा, 14 मई को यह वजारत कैसे बनी? यह सदन बैठा है । जो झूठ बोते बह महापापी । यह सरकार जय दिल्ली में बनने लगी तो मैंने कहा कि यह गलत बात है, यह चीफ मिनिस्टर बंसी लाल नहीं बनना चाहिए

चौधरी राजेन्द्र सिंह : डिप्टी स्पीकर साहिबा, परसों से ये इन बातो को दोहरा रहे है' । इस तरह से ये हाउस का समय खराब कर रहे है' । इन्हें चाहिए कि जो बाते पहले कर चुके है' उन्हें न दोहराएं ।

उपाध्यक्षा : इस बात को आप चेयर पर छोड दें । यह देखना मेंरा फर्ज. है ।

श्री रूप लाल महता : जब देहली में सरकार बनने लगी तो हमने इसका विरोध किया । मैंने कहा कि चौधरी बंसी लाल को मुख्य मन्त्री न बनाया जाए । परन्तु हमारे ऊपर जोर डाला गया कि जाटों के खातिर इसका विरोध न करो और हमें मानना पड़ा । हमने इसका सम्मान किया । परन्तु अफसोस की बात ट्रे' कि इन्होंने मुख्य मन्त्री बनते ही उस व्यक्ति को, जो हमारी पार्टी का लीडर था, जौ इन्हें इस गद्दी पर बैठाने वाला है, अपमान करना शुरू कर दिया । जबकि होना यह चाहिये था कि ये उसकी इज्जन करते, उसके अहसान को न भूलते । मगर इन्होंने उल्टा काम किया । डिप्टी स्पीकर साहिबा, जव रामचन्द्र' जी बनवास को चले गार थे तो भरत ने. चौदह साल तक उनकी खडावों को गद्दी पर रख कर राज्य किया था । इसी तरीके सें टन मुख्य मन्त्री. जी का चाहिए था कि वे पंडित भगवत दयाल जी के नाम को ऊंचा करते, उनकी पुजा करते..... श्रीमती चन्द्रावती रू डिप्टी स्पीकर साहिबा, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि रूपलाल मेहता जी राज्यपाल के अभिभाषण पर बोल रहे है' या भगवतदयाल जी की तारीफ में वोल

रहे है'? उनकी तारीफ तो ये बाहर भी कर सकते है। ऐसी बातें करके इन को हाउस का समय बरबाद नहीं करना चाहिए ।

चौधरी जय सिंह राठी : डिप्टी स्पीकर साहिवा, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि जिस ऐडैरस पर बहस करने के लिए हाउस आज के लिए एडजर्न हुआ था, उसी ऐड्रैस पर ये बोल रहे हैं ।

उपाध्यक्षा : मै दोनों ही प्वायंट आफ आर्डर्ज को नहीं मानती ।

श्री रूप लाल महता : डिप्टी स्पीकर साहिबा, में अर्ज कर रहा था कि जब राम बनवास को जाने लगे और उसके छोटे भाई भरत को पता चल कि राम खुद तो वन को जा रहे है' तो भरत ने हाथ जोड़ कर राम से कहा कि भाउ राम मुझे गद्दी नहीं चाहिए, क्योंकि आप मेरे बडे हैं, इसलिए वह गद्दी पर आपका हक बनता है । राम के काफी कहने के बावजूद भी भरत ने गद्दी लेने से इन्कार कर दिया और राम की खड़ाऊं ला कर गद्दी पर रखदी । यह था बड़े भाई का सम्मान । लेकिन यहां हरियाणा के अन्दर राम राज्य नहीं है, यहां तो पुलिस राज्य है । हरियाणा में कोई आदमी खुश नहीं है ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैं आपके जरिए इस हाउस को बताना चाहता हूं कि श्री बन्सी लाल जी की मिनिस्ट्री को बने तीन महीने ही हुए थे लेकिन तीन मिनिस्ट्रों ने इस्तीफा दे दिया । उसमें चौथे मिनिस्टर श्री खुरशीद अहमद भी शामिल थे परन्तु पहले तो इस्तीफा दे दिया बाद में मुकर गये । श्री खुरशीद अहमद की जो

कुछ बातें हुई हैं वे टेपरिकार्ड की हुई हैं । इस सारे हाउस को सुनायी जा सकती हैं । उन्होंने उस समय कहा था कि हम भगवत दयाल के साथ हैं लेकिन चीफ मिनिस्टर साहब ने उनको लालच में दे कर काबू करलिया । अब मैं इन मन्त्रियो के विषय में क्या कहूं ये शराब पीते हैं एसो–इशरत करते. हैं' दुनियां भर के गलत काम करते हैं यहां पर हाउस में कहते हैं कि शराब बन्द करो । मैं भी इसके हक में हूं कि शराब–बन्दी होनी चाहिए । पहले आप इन मिनिस्टरों की शराब–बन्दी करो फिर बाद में जनता के लिए कहो ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैं कांग्रेस की मिनिस्ट्री की स्टेबिलिटी के विषय में बताना चाहता हूं । जब इसमिनिष्ट्री से तीन महीने में तीन मिनिस्टर इस्तीफा दे दें तो यह स्टेबिलिटी की क्या आशा करते हैं । अगर कांग्रेस मिनिस्ट्री को स्टेबल रखना था तो सब साथियों को साथ रखना चाहिए था । अगर आपस में कोई मन–मुटाव वगैरह भी था उसको आपस में बैठ कर सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए थी । मैने तो काफी कोशिश की परन्तु बन्सी लाल जी अपनी जिद पर कायम रहे । मैने अखबारात में बयानात भी दिये कि हम झगड़े कों खत्म कर के कांग्रेस पार्टी में स्टेबिलिटी लाना चाहते हैं । आज जो यह फूट कांग्रेस में पड़ी है यह श्री बन्सी लाल जी के कारण ही आयी है । कुछ दिनों पहले जब कांग्रेस के 15 मेम्बरों ने इस्तीफा दिया और गवर्नर साहब के यहां पेश हुए कि हम बंसी लाल जी के साथ नहीं हैंतो उस समय

कुछ मेम्बरों को समझाया लेकिन बन्सी लाल जी अपने निश्चय से टस से मस नहीं हुए । उन्होंने उस समय यही कहा था कि यह इन–ऐफिशिएट गवर्नमैटं है हम इसके साथ नहीं हैं लेकिन अब उनमें से बन्सी लाल जीने लालच दे कर कुछ मेम्बरो को अपने साथ कर लिया और कुछ मेम्बर आज अपोजिशन बैन्चिज परबैठे हुए हैं । मैंयह उम्मीद करता हूं कि उनमें कुछ मेम्बर कांग्रेस को छोड़ कर हमारे साथ आ जायेंगे ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, अब मैं विक्टेमाइजेशन के विषय में आप के जरिए इस हाउस को बताना चाहता हूं । ये कहते हैंकि स्टेट में किसी के साथ कोई ज्यादती नहीं हो रही है परन्तु यहां पर पुलिस राज बना हुआ है । हमारे एक एम० एल० ए० साथी केपीछे पुलिस लगा रखी है । हमारे एक दूसरे साथी सुरेश चन्द्र जी, जो कि जीन्द कांग्रेस के डिस्ट्रिक्ट प्रैजीडेन्ट हैं, उनको इन्होंने परेशान किया । इस तरह से कभी राज चलता है? लोगों को परेशान करते हैं औरउनके साथ विक्टेमाइजेशन होती है । डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैने इन्हें कहा कि प्रेम से रहो इस प्रकार से तुम्हारी गद्दी कायम नहीं रह सकती दूसरों की इज्जत का भी ध्यान करो ।

मैं मानता हूं कि हमने डिफैक्शन की है लेकिन जो हमारे साथी उस दिन हमारे साथ थे जिन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया था, आज वे कांग्रेस बैंचिज पर दोबारा डिफैक्ट करके बैठे है, क्या उन लोगों ने डिफैक्शन नहीं की? इस डिफैक्शनज की जिम्मेदारी

कांग्रेस पार्टी पर है । जब एक बार उन्होंने इस्तीफा दे दिया तो उनको क्यों शामिल किया गया?

आज श्री बन्सी लाल जी चीफ मिनिस्टर बने बैठे है' । क्या उनको यह शोभा देता है कि जो बिल्कुल जूनियर मेम्बर थे उनको तो मिनिस्टर बना दिया और जो सीनियर मेम्बर थे और लायक मेम्बर थे श्री राम सरन चन्द मित्तल, खां अब्दूल गफ्फार खां जैसे, उनकी छोड दिया । क्या वह उन मेम्बरों के साथ अन्याय नहीं हुआ है?

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मै यहां हाउस में उस मिनिस्टर साहिब का नाम नहीं लेना चाहता परन्तु 'फिर भी यह बता देना चाहता हूं कि उस मिनिस्टर के ससुर मेरे घर पर पहुंचे और उन्होंने मुझे कहा कि आप पचास हजार रुपये ले लो या किसी और आदमी के पास रखवा लो । अगर आपको मिनिस्ट्री चाहिए तो हम आपको मिनिस्टर बना देंगे लेकिन मैने उनसे कहा कि मुझे इस मिनिस्ट्री की जरूरत नहीं और न मुझे आपका यह पैसा चाहिए । मैने उनसे कहा कि महता इस पैसे के लिए कांग्रेस में नहीं था । मैने आजतक न कोई कोटा लिया, नकोई परमिट ही लिया । मैने ईमानदारी के साथ जनता का सेवक वन कर काम किया है । मैं इस पैसे के लालच में आने वाला नहीं हूं । मेरा झगड़ा तो इस पुलिस राज्य के खिलाफ है जो बन्सी लाल जी ने कायम किया हुआ वै ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा, मैने उनसे कहा कि मै' स्पीकर साहिब को तार दे चुका हूं कि मैने कांग्रेस छोड़ दी है । उन्होंने कहा कि तुमने अभी तो तार ही दी है कन्फर्म तो नहीं किया । लेकिन मैने कहा मेरे पास स्पीकर साहिब की चिट्ठी आयी है कि कन्फर्म करो कि तुम कांग्रेस छोड़ चुके हो । मैं यहां आया और स्पीकर साहिब को लिख कर दिया कि मैं कांग्रेस छोड़ चुका हूं । डिप्टी स्पीकर साहिबा, अव मैं सूरजपुर सीमेंट फैक्टरी के विषय में आपको बताना चाहता हूं । हरियाणा सरकार ने उस सीमेंट फैक्टरी को लीज पर दिया हुआ है । अगर सरकार उस फैक्टरी को अपने कब्जे में ले कर खुद सीमेंट तैयार करके दे तो हरियाणा स्टेट को बहुत कुछ फायदा हो सकता है परन्तु उसके बारे में कोई सोचता ही नहीं है और यह नुक्सान उठाया जा रहा है । इसलिए मैं सरकार से यह निवेदन करूंगा कि वह इसे अपने कब्जे में ले और इसका राष्ट्रीयकरण करे ।

अब मैं गन्ने के बारे में कहता हूं । किसानों को गन्ने की पूरी कीमत नहीं मिल रही है । अब तीस लाख रुपया शुगर मिल वाले कमा लेंगे और उन बेचारे गरीबों को कुछ नहीं दिया जा रहा । इसलिए डिप्टी स्पीकर साहिबा आपके जरिए निवेदन करूंगा कि गरीब किसानों को गन्ने को पूरी कीमत दी जाये ।

डिप्टी स्पीकर साहिबा अब मै उन बूढे गरीबों के बारे में कहना चाहता हूं कि उन गरीबों को बुढापे में पैंशन सरकार की ओर से मिलती थी परन्तु इस सरकार ने वह बन्द कर दी है । इसलिए मैं

सरकार से निवेदन करुंगा कि वह पेन्शन जो 15– 20 रुपये महीना उन गरीब और बूढ़े लोगों को मिलती थी वह फिर से लागु की जाये । कयोंकि बुढापे के अन्दर उन गरीबों का कोई भी सहारा नहीं होता हूँ, वे इसी पर अपना गुजारा करते है ।

11.30 A.M.

डिप्टी स्पीकर साहिबा अब मैं अपने पलवल शहर के विषय में थोड़ा सा जिक्र करना चाहूंगा । बहां करीब 25 हजार रिफ्यूजीज रहते है' जो बेचारे चने और मूंगफली बेच कर अपना गुजारा करते है और उनको वहां पर सुविधा नहीं मिल रहीहै । मैं सरकार रो कहूंगा कि उसको फैकट्री एरिया दिया जाए और वहां कोई छोटी–बड़ी फैकि्टज लगायी जायें ताकि वे गरीब रिफ्यूजिज अपना गुजारा कर सकै । वहां पर सडकें बनायी जायें, सफाई का प्रबन्ध किया जाये । वहां पर उन गरीबों के लिए हस्पताल का इन्तजाम किया जाये । डिप्टी स्पीकर साहिबा स्टेट के अन्दर बहुत बुरी हालत है जिस की तरफ ध्यान देना चाहिए । मेरे इलाके की डिवैल्पमैट करने के लिए खास ध्यान देना चाहिए । यहां पी० डब्ल्यू ० डी० मिनिस्टर बैठे हैं । मुझे पता है कि वह मेरे इलाके में सड़क नहीं बनायेंगे क्योंकि मैं इनके लीडर के साथ लड़ाई कर बैठा हूं । डिप्टी स्पीकर साहिबा चाहे कोई कांग्रेस में रहे या कांग्रेस से बाहर रहे जहां तक हलके के लोगों को आवाज का ताल्लुक है वह पूरी की जानी चाहिए । लेकिन अगर पोलिटिकल ग्राउंड पर उस हलके को नजर–अंदाज करते हैं तो यह मुजरम

होंगे । अगर यह ऐसी बातें करेंगे तो वक्त आएगा हम इस सरकार को देखेंगे । पलवल से घोड़ी सड़क बननी बहुत जरूरी है । किसान लोग वर्षा के समय मण्डी सेब माल ला सकते हैं और न बाजार से दवाई दारू । पलवल नगर का हस्पताल बहुत छोटा है आबादी वहुत बढ़ गई है इस चिकित्सालय को प्रान्तीय सरकार अपने अधीन ले कर इस को बडा हस्पताल बनाये । पलवल में एक मिशन हस्पताल है पर गरीब लोग वह्टां का खर्चा नहीं दे सकते । बिजली के ट्रासफामर्ज बड़ी ताकत के लगाये जाऐ ताकि खेती के लिए पानी प्राप्त करने में किसानों को सुविधा हो । बिजली विभाग म इतनी रिश्वत चलती है कि लाइन सुपरिन्टेन्डैटं अपने दलालों के द्वारा बड़ा रुपया कमाते हैं । मै सरकार क1 ध्यान हल्का पलवल की ओर आपके द्वारा दिलाना चाहता हुं कि सरकार पलवल क्षेत्र में उद्योग बस्ती का जल्दी निर्माण करे ताकि हजारों दुखी पुरुषों को रोजगार मिले । यदि सरकार मेरे हल्के से सोतेली मां का सलुक करती है तो उसको कभी माफ नहीं किया जायगा ।

चौधरी जगदीश चन्द्र (शाहबाद) : डिप्टी स्पीकर साहिबा आज और इस से पहले भी गवर्नर के भाषण पर चर्चा होता रहा और इस वक्त जो महता साहिब ने अपना भाषण दिया, मैं उसका कुछ भी मतलब नहीं समझ सका क्योंकि वह इस तरह से बोल रहे थे कि वह समझ में ही नहीं आ सका । लेकिन मै एक वात समझा हूं कि वह बड़े जोश में बोले जिस से यह जाहिर हुआ कि वह दुखी ज्यादाहे' । दुखी होना कोई वड़ी बात नहीं है क्योंकि जब भी

इन्सान से कोई भूल होती है तो उस को दुख ही दु ख. होता है । तो अगर वह भूल कर चुके हैं तो कोई बात नहीं उनको शान्ति से बोलना चाहिए । वह मेरे हम उम्र बुजुर्ग हैंइस लिए मै ज्यादा कुछ उनको न हीं कहता सिर्फ हरियाणा की भाषा मे इतना ही कहता हूं––

गुस्सा घण जोर थोड़ा

मार खाने के काम

इसलिए उनको ज्यादा दुखी नहीं होना चाहिए ।

इसके इलावा उन्होंने जि क्र किया कि कांग्रेस के मिनिस्टर शराब पीते हैं, व्हिस्की पीते है' । ठीक है इस में सच्चाई जरूर है क्योंकि आज की दुनिया में यह एक आम चीज हो गई है । किसी को डाक्टर कह देता है तो वह दवाई के तौर पर पीता हूँ और कोई वैसे ही पीते है' । तेकिन मैं उनको नसीहत दूंगा कि––

''दास कबीरा तेरी झोपड़ी गलकटियन के पास

करनगे सो भरनगे तुम क्यों भए उदास ''

गवर्नर साहिब ने जो ऐड्रैस पेश किया इस हाउस में वह कमाल का है । हमारे हरियाणा में जो एक नई बात लागू हुई है वह हिन्दी भाषा है । इस के लिए मैं सरकार को मुबारिकबाद दिए बिना नहीं रह सकता । लेकिन इस में भी कुछ कमी है और वह कमी हम पैदा करते है वह यह है कि अभी तक इंगलिश का असर

हमारे ऊपर है मै समझता हूं कि यह गुलामी की जहनियत है जोकि बची हुई है । हमारे कुछ भाई बड़े तमतमाके से अंग्रेजी बोलते हैं और वे यह समझते हैं कि ऐसे हमारा ज्यादा प्रभाव पड़ेगा और लोग यह समझेंगे कि हम ज्यादा प्रभावित कर सकते हैं । लेकिन आज के जमाने में जब राष्ट्र भाषा हिन्दी है तो इंगलिश जो कि फारन कंटी की जबान है, यहां पर बोलना डिसकुआलीफिकेशन है ।

चौधरी जय सिंह राठी : यह भी तो आप इंगलिश के वर्डज ही बोल रहे हैं ।

चौधरी जगदीश चन्द्र : आप को अपनी भाषा का मान करना चाहिए । अगर मैं खालिस हिन्दी बोलूं तो आप की समझ में नहीं आ सकेगी । हिन्दी से मेरा मतलब है कि जो आप की मिली जुली भाषा है वह आप प्रयोग करें ।

ऐजुकेशन का वर्णन करते हुए गवर्नर साहिब ने बहुत तारीफ की और इसी तरह और महकमों की भी की है । मैइस के बारे में कुछ और नजरिया रखता हूं इस भाषण को पढते हुए देहाती इलाकों में जो महकमा तालीम या दूसरे महकमों ने काम किया है, उस नजरिए से मैं इस पर टीका टिप्पणी कर रहा हूं । जहां तक शहरों का ताल्लुक है वहां तो ऐजुकेशन बड़ी भारी हूँ । कोई भी कस्बा या शहर ऐसा नहीं जहां पर कालेज या हाई स्कूल का प्रबंध न हो, लेकिन देहातों में अगर आप जा कर देखें, जहां कि 80

फीसदी आबादी रहती है जहां से कि हम मैबंर इलैक्ट हो कर आए हैं, वहां पर तालीम का यह हाल है कि वहां प्राइमरी स्कूल तो जरूर होंगे, लेकिन हाई स्कूल तो बहुत कम है । मगर यहां पर दिखाया यह जाता है कि हमने इतने लाख स्टूडैट्स को तालीम दे दी है । यह दिखाने की बजाए इनकी दिखाना यह चाहिए कि हमने इतने हाई स्कूल देहातों में खोले हैंऔर इतने शहरों में खोले हैं । इसी तरह इतने कालेज देहातों में हैं और इतने शहरों में हैं ताकि देहाती जनता को भी ऐजुकेशन के मामले में ऊंचे लैवल पर लाया जा सके । इस में सब से बड़ी कमी यह है कि गर्ल्ज ऐजूकेशन देहातों में बिल्कुल निल है । अगर गवर्नमेंट फैकट्स एंड फिगर्ज इकट्ठे करे तो गर्ल्ज ऐजुकेशन के फिगर्ज निल मिलेगे क्योंकि लड़कों को तो गांव से बाहिर लोग भेज देते हैलेकिन लड़कियों को गांव से बाहर भेजना किसी हालत में भी मुमकिन नहीं है । इस लिए गवर्नर साहिब को विचार करना चाहिएकि जो देहात में लड़कियां हैं उनको कैसे ऐजुकेट किया जाए क्योंकि जब तक लड़कियों को शिक्षा नहीं मिलेगी शिक्षा का काम पूरा नहीं हो सकता । इसलिए मैं निवेदन करूंगा कि देहातों में गर्ल्ज ऐजुकेशन की कमी को पूरा किया जाए ।

टीचर्ज की तबदीली की बात आई थी । बहुत से मैंबरों ने इस के बारे में कहा और' आपोजीशन के लिए तो यहएक मिसाल ही बन गई है । जो लोग यह एतराज करते हैं कि टीचर्ज को यहां क्यों ट्रांसफर कर दिया वहां क्यों ट्रांसफर कर दिया, यह एतराज

बिल्कुल गलत है क्योंकि स्टेट गवर्नमैटं अपने इम्पलाइज से जहां चाहे डियूटी ले सकती है । यह गवर्नमैटं का अधिकार है । कोठारी कमिशन की जो रिपोर्ट थी जब उस के मुताबिक टीचर्ज को ग्रेड दे दिए गए हैं और उनकी मांगें पूरी करदी गई हैंतो कोई वजह नहीं बनती कि टीचर्ज अपने घरों के पास रहनेकी डिमांड करें और क्या वजह है कि अपोजीशन बैचिज के मैबंर यह बात कहें कि उन केसाथ जुल्म किया गया है जो उन को अपने जिलों से बाहिर भेज दिया गया है । मैं कहता ' हूं कि जब एक थानेदार जिस की तन्खाह टीचर्ज के मुकाबले में बहुत कम होती है उसे घर से दूर दूसरे जिले में भेजा जा सकता है तो टीचर को क्यों नहीं भेजा जा सकता! टीचर का नाम ले कर एक मसला बनाना आपोजीशन के लिए अच्छी बात नहीं है । परन्तु इस सम्बंध में एक और जरूरी बात है जिस की तरफ मैं गवर्नमैंट का ध्यान दिलाना चाहता हूं और जिस के बारें में गवर्नमैंट को संजीदगी से सोचना चाहिए । वह यह है कि ट्रांसफर्ज करते वक्त यह देखना चाहिए कि कितना स्टाफ किस स्कूल में जा रहा है और वह हाई स्कूल कितनी आबादी के लिए बना हुआ है । मिसाल के तौर पर अगर एक मिडल या हाई स्कूल 15 छोटे गांव में है और वहां पर अगर 10 या 15 टीचर्ज चले जाते हैं तो उन के लिए रहने केलिए अकामोडेशन नहीं होगी क्योंकि सरकार ने कोई अपना इंतजाम नहीं किया हुआ होता । तो इस का नतीजा यह होता है कि वह रात को या तो स्कूल में सोते है' या लोगों के घरों में जा जा के सोते है' । उनको यह दिक्कत हो रही है । सरकार का ध्यान

किसी मैबंर ने भी इस तरफ नहीं दिलाया जो कि सब से जरूरी चीज है । इस लिए सरकार को पहले उनके लिए रिहायशी अकोमोडेशन का प्रबंध करना चाहिए ।

फी–एजुकेशन का जिक्र आया और बताया गया कि मिडल तक तालीम मुफत कर दी है मैं इस में भी गलती देखता हूं और वह यह कि आप को पहले देखना चाहिए कि विद्यार्थियों की तादाद आप के पास कितनी है और उनके लिए स्कूल में कमरे हैं कि नहीं । लेकिन होता क्या है? एक स्कूल के कमरों में उतनी अकामोडेशन होती नहीं और नतीजा यह होता है कि वह सारे लड़के उन में समा नहीं सकते हैं । बच्चों की तादाद इतनी होती हूँ कि स्टाफ उनक्रूए लिये मुहैया नहीं होता । जब एक एक टीचर के पास 150 लड़के होते हैं । तो वह क्या पढ़ सकेंगे । और वह क्या पढ़ा सकेगा? इसके लिये जरूरी है कि ज्यादा सैक्शन बनाये जायें और तादाद के हिसाब से स्टाफ दिया जाए । सब से पहले अपना बजट देखना चाहिए और बजट देखकर ही कोई स्कीम अनाउंस होनी चाहिए लेकिन होता यह है कि हम जोश में आकर कह दे है कि हम ने यह कर दिया हूँ और वह कर दिया है और इतने तक तालीम मुफ्त कर दी है ' लेकिन इसका फायदा कोई होता नहीं है । मेरे कहने का मतलब है कि पहले अपना बजट देखकर ही ऐसा कहना और करना चाहिए । डस वारे में मैं एक बात और कहना चाहता हूं । मैने इसमें पढा है कि गवर्नर साहिब ने कहा है किं लड़कों और लड़कियों को इकट्ठे

रखने और पढ़ाने का भी प्रबन्ध किया गया है । मैं इस बात को भारतीय संस्कृति के अनु कुल नहीं समझता । हमें सारी चीजों में यूरोप की नकल ही नहीं करनी चाहिए और विलायती फोबिया नहीं होना चाहिए । जो हमारी अच्छी चीजें हैं उनको छोड़ना नहीं चाहिए । मैं समझता हूं कि नौजवान लड़के लड़कियों को एक जगह इकट्ठे रखना और पढाना अच्छी बात नहीं है । यह शायद इस लिये किया गया कि पब्लिक अकाउंट्स कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कह दिया कि खर्च घटाने के लिये क्यों न लड़के लडकियों के लिये इकट्ठे कालेज और स्कूल बना दिए जाए । लेकिन मैं कहना कहता हूं कि हमें खर्चा ही नहीं देखना चाहिए, हमें अपनी संस्कृति को देखते हुए बात करनी चाहिए और इसे छोड़ना नही चाहिए । मैं समझता हुं कि सरकार को ऐसा नहीं करना चाहिए ।

इसमें इंडस्ट्रीज का भी जिकर आया है और मैं स्माल–स्केल इंडस्ट्रीज का खास तौर पर जिकर करना चाहता द्रूं । इसमें शक नही कि इसमें काफी तरक्की हुई है और इस मद पर काफी रुपया खर्च होता है लेकिन इस में काफी खामियां हे जिन के बारे में कुछ कहना चाहता हूं । पहली बात तो यह है कि इस बारे में कोई सुपरविजन नहीं हूँ । ऐस्टीमेट्स कमेटी के समाने एक सवाल आया और हुमने. पूछा कि हौजरी इडंसट्री के लिये जौ आपने रकम दी है क्या उससे कोई इंडस्ट्री लगी भी है और अगर लगी हैतो बताओ कहा? उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं आया और आता भी क्या जब लगती ही नहीं लूँ । मैं एक दो केस अच्छी

तरह जानता हूं । हौजरी इन्डस्ट्री के लिये एक आदमीं को 5 हजार रुपया दिया गया था । उसने यह किया कि उससे एक छोटी मोटी मशीन खरीद कर रख ली और बाकी रुपए से कोई और काम कर लिया । हौजरी इंडस्ट्री नहीं लगाई । वह जगह सड़क के ऊपर है कहीं दूरदराज भी नहीं लेकिन किसी ने उसकी पड़ताल नहीं की । इसी तरह के कई और केस हूँ जहां लोगों ने पैसे ले लिये लेकिन हौजरी का काम नहीं चलाया । मैं कहना चाहता हुं इत्के स्माल–स्केल इंडस्ट्री के लिये जो ग्रांट बगैरह दी जाती है उसमे बड़ी भारी करप्शन हो रही है और बोगस कार्यवाही चल रही है इसकी कोई सुपरविजन नहीं है । कागजात पर तो इंडस्ट्रीज चल रही है लेकिन अमल में कुछ नहीं हो रहा । अगर सरकार इस काम के लिये पैसा देती हूँ तो इसकी सुपरविजन भी होनी चाहिए कि क्या देस पैंसे से वहू काम भी हो रहा है जिस के लिये पैंसा दिया गया' है । दूसरे इसमें देहाती नजरिया रखना चाहिए । बड़ी इंडस्ट्रीज जो हैं जैसे शुगर मिले हैं कपडे की मिलें हैं, वहू शहरों में चली जाती हैं क्योंकि लार्ज–सकेल इंडस्ट्रीज चत्राने वाले लोग वहां ही होते है । और वही लोग जो इतने बडे काम को चलाने का दिमाग रखते है' और अपने काम में माहिर है वहीं कामयाब हो सकते है । लेकिन जहां तक स्माल–स्केल इन्डस्ट्रीज का सम्बन्ध. है यह तो देहात में रहनी चाहिए क्योंकि जब तक हम स्माल सकेल इंडस्ट्रीज को देहात में नहीं ले जायेंगे बेकारी का मतला हल नहीं हो सकता । इस बारे में स्कीमें तो हम बहुत बनाते है लेकिन वह सही तरीके से नहीं बनाई जातीं । होता

यह है कि मान लो लैदर इंडस्ट्रीज लगानी है तो करते यह है कि लोन दे दो और लोन देकर समझ लिया जाता है कि लैदर इंडस्ट्री लग गई । एक हरिजन जो चमड़े का काम करता है अगर आप उसको दस हजार रुपया भी दे दें तो लैदर इंडस्ट्री नहीं चल सकती क्योंकि उनका दिमाग बिजनैस का नहीं है और हर कोई बिजनैस कर नहीं सकता । नतीजा यह होता है कि रुपया खुर्दबुर्द हो जाता .है और बादमें रिकबरिया होती है और केस चलते हैं । मेरे कहने का मतलब यह है कि जिस में जो गुण है उसे वही काम देना चाहिए । हम यह करते है' कि हर किसी को लोन दे देते है और समझ लेते है कि बस काम हो गया । जिसका बिजनैस का दिमाग ही नहीं है वह कैसे उस में कामयाब होगा? नतीजा यह होता है कि बाद में लोन की माफी की दरखास्ते आती है और कहा जाता है कि किश्तों में पैसे लिये जाए । होना यह चाहिए कि किसी सेंटर गांव में लैदर इडस्ट्री लगा दी जाए और उस के आसपास के गांव के जितने लैदर का काम करने वाले है वहू उसके साथ जोड़ दिए जायें । उस काम को चलाने के लिये किसी बिजनेसमैन या लाला क्लास के आदमी को जो वहां का रहने वाला हो लोन दिय जाए और कुछ पैसे वह अपने पास से लगाए । उसका कारखाना बन जाएगा और लैदर का काम करने वालों को काम मिल जायगा और उनकी रोजी चले गी । हम समझ ते है कि अगर चमारों को लोन देंगे तो वह खुश हो जायेंगे । वह खुश नहीं होते, जब रिकवरी का सवाल आता है तो तकलीफ होती है और कुर्कियां आ जाती लूँ । इससे न लोगो को

कोई फायदा होता है और न इंडस्ट्री ही चलती है । इसी तरह से खडसारी इंडस्ट्री समाल–सकेल पर चल सकती है लेकिन इसक्ए चलाने में बड़ी रुकावटें आती है और सिर्फ आती ही नहीं बल्कि डाली जाती है । इसका लाईसेस लेना पड़ता है और इस पर जो टैक्स लगे हुए हैं वह बहुत ज्यादा हैं । मेरा अन्दाजा है कि कोई पांच हजार रुपया टैक्स का बन जाता है जौ इस पर लगता है और देना पड़ता है । लेकिन कई सयाने लोग टैक्स से बचने के लिए को अन रास्ता निकाल लेते है' । वह क्या करते है कि हाथ की मशीन लगा लेते है लेकिन रात को इन्स्पैक्टर के साथ मिलकर बढ़ा चढा कर काम कर लेते हैं क्योंकि हाथ कई मशीन पर टैक्स बहुत कम है । लोग तो आम तौर पर यह कहते है कि यह सरकार शुगर मिलों के मालिकों से मिली हु ई है इसी लिये खडसारी वालों पर इतनी पाबंदियां है' ताकि शूगर मिलों वाले मनमानी कर सकें और दुसरे लोग खंडसारी न बना सके । खांड की इतनी किल्लत है कि गांव के लोग इसे खा ही नहीं सकते है । इम लिये मै कहना चाहता हुं कि देहात के ऐरिया में मिल एरिया नहीं है वहां खडसारी के लिबरल तौर पर लाइसेंस दें और टैक्स कम करे, उनको सहूलतें दें । रुसका नतीजा यह होगा कि खांड काफी बन जाए गी खंडसारी से लोगो की मांग को पूरा करे और शुगर मिलों से एक्सपोर्ट करने का काम लें ।

(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

खंडसारी की इंडस्ट्रीज, लैदर इंडस्ट्रीज या और दूसरी किस्म की जो स्माल–स्केल इंडस्ट्रीज हैं उनका विकास देहाती पंवायट आफ व्यू से किया जाना चाहिए । अब मैं खादी इंडस्ट्रीज के बारे थोड़ा सा कहना चाहत हूं । मैं गवर्नमैटं से पूछना चाहता हूं कि क होने खादी इंडस्ट्रीज के बारे. में देहातों में क्या क्या कदम उठाए है । बड़े बड़े मिनिस्टर मुगलका, जिन के पास बड़े बड़े पोटे – फोलियो हैं उन्होंने देहातों में खादी का काम करने वाले जुलाहों को एक पं सा भी ग्रांट का नही दिया । शहर के. जो बड़े लोग है उन्होंने हेराफेरी करके, हायर अथौरिटी को ऐप्रोच कर के. सारा रुपया अपने आप हड़प लिया । वे जाकर हायर अथौरिटी को कह देते हैं कि हम खादी इंडस्ट्री लगा रहे हैं इस लिए हम को रुपया दो । लेकिन जो खादी का काम करने. वाले असली लोग हैं, जुलाहे हैं उन को काम ही नहीं मिलता । गवर्नमैंट लाखों करोड़ों रुपया इस तरफ खर्च कर रही है । लेकिन उस रुपए का सही इस्तेमाल नहीं हो रहा है । गवर्नमैंट को चाहिए कि इस हेराफेरी को चन्द करके जुलाहों को काम दे, कपड़ा तैयार करें । जब गांवों की आवश्यकता पूरी हो जाये तो बकाया कपड़े को बेचा जा सकता है, कोई कंस्टक्टिव प्लेन बनायें, जुलाहों की कोआप्रेटिव सोसायटियां बनायें और एक बिजनैस– मैन उनके ऊपर रखें जो सामान बाहर बेचे और कारखाना चलायें तभी खादी का काम पनप सकता है । अगर इस तरह से हो जाये तो स्टेट के अन्दर की जो कपडे की मांग है, उसे खादी इंडस्ट्री देहातो से पूरी करेगी और शहरों में जो कपड़ा मिलों में बनता है, जिस को कि आजकल के

जैन्टलमैन पहनते हैं वह बाहर जाया करेगा और स्टेट को पैसे की आमदनी होगी । ऐसा करने से शहरों में फैशनपरस्ती भी कम हो जायेगी और लोग खादी का कपड़ा पहनने लगेंगे । जो कुछ मैं कह रहा हूं वह देहाती नजरिये से कह रहा हूं क्योंकि राज्यपाल के भाषण में देहाती नजरिये से कई कमियां रह गई हैं जिन की तरफ गवर्नमैंट को ध्यान देना चाहिए । थोड़ा सा मै मुलाजमों के बारे में फिनांस मिनिस्टर साहिबा से अर्ज करना चाहता हूं । इसके बारे में गवर्नर ऐडैरस में भी जिक्र किया है कि उन्होंने 50 हजार मुलाजमीन की तन्खाहे बढ़ा कर बड़ा बेहतरीन काम किया है । यह ठीक है कि इससे मुलाजमीन को राहत मिली है लेकिन फिर भी इसमें थोड़ी सी कमी रह गई है वह यह है कि जब टीचर्ज के लिए कोठारी कमीशन की सिफारिश लागु की थी तो उनकी तन्खाहे' बीस, तीस, चालीस, सौ, दो सौ और अढाई सौ तक बढ़ गई थीं । टीचरों की तन्खाहे' बढ़ने से स्टेट का जो इंटैलिजेसिया है उसका ध्यान टीचर बनने की तरफ लग गया और लोग दूसरे कामों को छोड़ कर टीचर बनना ज्यादा पसन्द करते थे । उसी तरह अब हो रहा है । पचास हजार मुलाजमीन को पैसे की मदद तो मिल गई लेकिन इसका दूसरी तरफ उलटा असर पड़ा । यानि एक कलर्क की तन्खाह रिवाईज्ड पे–स्केल के मुताबिक पांच सौ तक पहुंच जाती है इससेइंटैलिजेंसिया टीचरों की तरफ से हट कर कलैरिकल काम को ज्यादा पसन्द करने लगेंगे । वैसे मैंगवर्नमैट के इस सराहनीय कदम का विरोध तो नहीं कर रहा लेकिन मैं गवर्नमैटं को बतलाना चाहता हूं कि तन्खाह बढ़ाते वक्त हर क्लास

को ध्यान में रखना चाहिए । हमें इस नजरिये से सोचना चाहिए कि देश के हर तबके के आदमी को आगे बढ़ाना है और उसे काम देना है ।

अब मैं फ्लड के बारे में कुछ कहना चाहता हूं । फ्लड हमारे देश की बहुत बड़ी समस्या है । मैंतो यूं कहूंगा कि जब से हमारा राज आया हूँ, यानि हमें आजादी मिली है तब से फ्लड आने लगे हैं । मेरे कुछ भाई 1947 से सदन के मेम्बर चले आ रहे हैं, वे जानते होंगे कि उन दिनों कितनी बारिशें होती थीं । 1947 के बाद ही हमारे मुल्क में फ्लड की प्राब्लम पैदा हुई ।. इसका इलाज क्या हे? जब इलाज सोचते हइं तो हमारे सामने इंजीनियर्ज आ जाते है क्योंकि वे टैकनिकल हैड है और वे ही फलड कौ कंट्रोल करने में स्कीमे बनातेहै । अगर इंजीनियरों को कहा जाता हूँ कि फ्लड का इलाज करो तो वे एक एक करोड़ रुपये की स्कीमें बनाते हं' । सबसे पहले वे ड्रेनें बनाते है लेकिन इन ड्रेनों के बनने का असर यह होताहै कि आस पास के गांव पानी में डूबने लग जाते हैं । आपने देखा होगा रोहतक का इलाका हमेशा पानी में डूबता आया है । डूबे हुए इलाके के पानी को निकालने के लिए जब दूसरी ड़ेन बनाई जाती है तो दूसरे इलाकों में फलड आने लग जाता है । क्या गवर्नमैटं ने कभी सोचा है कि इसका क्या कारण है? कारण यह है कि हमारे इंजीनियर्ज इस तरफ कोई ध्यान नहीं देते । जबतक हम फ्लड आने के रूट काज को जानने की काशिश न ही करेंगे तब तक यह समस्या वैसी कीवैसी ही बनी रहेगी ।

कारण को जानते भी है लेकिन उसे दूर करने की कोशिश नहीं करते । मैने एक इंजीनियर साहिब से सवाल किया था कि फ्लड आने के कारण क्या हैं तो वह चुप हो गया । उनके साथ ही दूसरे आदमी ने बताया कि डिवैल्पमैटं ज्यादा हो गई है, नहरें ज्यादा हो गई हैं, ब्रिज ज्यादा बनने लग गये है, सड़कें बहुत बन गई हैं और बारिशें ज्यादा होने लग पड़ी हैं इसी लिए फ्लड आते हैं । मैने उन से पुछा कि क्या आपके पास बारिशों का हिसाब किताब है कि 1947 के बाद बारिशें कितनी घटी–बढ़ी हैं? अगर 1947 में बारिशों का पैमाना 35 इंच था तो अब 40 इंच हो गया होगा, लेकिन इससे तो इतने फ्लड नहीं आने चाहिए । असल में फ्लड इस लिए आये जो आजकल नहरें बनी हैं उनके बनने से पानी का बहाव रुक गया और उस रुके हुए पानी को निकालने के लिए राजबाहे बने, राजबाहे बनने से पानी का नैचुरल पलो और भी रुक गया । यही कारण है कि फ्लड ज्यादा आने लगे हैं । इसकी तरफ सरकार को ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि डेने बनाने पर करोड़ों रुपये हर साल खर्च हीरे हैं । अगर पानी के नैचुरल पलो को ध्यान में रखते हुए इंजीनियर निकास डिस्चार्ज बनाये तो यह सारी प्रौब्लम हल हो जाती है । ये चीज तो ले–मैन भी जानता है कि पानी का नैचुरल दलो किस तरफ है और किस तरफ निकास पानी बनाना चाहिए । पहले जो अंग्रेज इंजीनियर थे, उन में और हमारे इंजीनियरों मे आपको यही फर्क मिलेगा । अंगेज इंजीनियरों ने कई रेलवे लाइनें निकालीं, पुल बनाये लेकिन उस टाईम में फ्लड की कोई प्रोब्लम नहीं आई । जहां कहीं भी

उन्होंने देखा कि यहां पानी का निकास नहीं है, फौरन पाईप डालकर पानी डिस्चार्ज कर दिया । हमें आजादी मिले हुए बीस साल हो गये हैलेकिन इस तरफ कोई उन्नति नहीं की । हमने बड़े बड़े इंजीनियरों कोमोका भी दिखाया है और पूछा है कि बताइए, पानी तीन तीन मील तक रुक गया है, इसे कैसे निकाला जाए? तीन तीन मील तक कोई पुली तक भी नहीं है । इस तरह फ्लड प्रोब्लम को ड्रेन्ज बना कर आप कभी भी हल नहीं कर सकते । अगर प्रौब्लम को हल करना है तो नैचुरल पलो के स्तर को ध्यान में रखें ।

श्री अध्यक्ष : आप कितना टाइम और लेंगे?

चौधरी जगदीश चन्द्र : थोड़ा सा टाइम और लूंगा जी । श्री रूप लाल मेहता ने तो डबल टाईम लिया था । मैं थोड़ा सा होस्पिटलज के बारे में कहना चाहता हूं । हैल्थ मिनिस्टर साहिब यहां नहींहैं, मिनिस्टरों का हाउस से गैर हाजिर होना कोई अच्छी बात नहीं है क्योंकि हम यूं ही नहीं बोल रहे, हमें इन बातों का तजरुबा है और मिनिस्टर साहिब से उम्मीद रखते हैं किए जो सवाल हम हाउस में रखतेहैं, उसका जवाब हमें यहां मिले । (हैल्थ मिनिस्टर हाउस में आ गये) । अब मिनिस्टर साहिब आ गये हैं, मैं उन से अजं करना चाहता हूं कि जहां तक शहरों' में हस्पतालों का सवाल है, वे ठीक चल रहे हैं लेकिन यह हस्पताल शहर से दूर पड़ते हैं । इसलिए सभी आदमी दवा का लाभ नहीं उठा पाते । इसके लिए सरकार को बाकायदा एक स्कीम बनानी पडेगी

हौस्पिटल्ज कौ अपग्रेड करने की और नर्सिज को भेजने की । मगर हैरानी तो तब होती है कि जब हालत देखते है कि एक हैल्थ सब–सेंटर बनाया था उसको वैटरनरी बना दिया गया । फिर जव डी० सी० करनाल ने देखा तौ उसे उठा दिया और बन्दोबस्त का आफिस बना दिया । मैं मिनिस्टर फार हैल्थ के नोटिस में खास तौर से यह बात लाना चाहता हूं कि उनकी मैडिकल इदारे विजिट करने चाहिए । मैं विश्वास रखता हूं कि अगर आप मैडिकल, तालीम, और यातायात की उन्नति कर देते है' तो लोगों को लाभ पहुंच सकता है । मैं ज्यादा नहीं कहता क्योंकि स्पीकर साहिब चाहते. हैं कि मैं खत्म कर दू । इस बजट को देखने से पता चलेगा कि इसमें खामियां है मगर इसका यह मतलब नहीं कि गवर्नमैटं कुछ नहीं कर रही । सिर्फ बात यह है कि कहीं पर ज्यादा ध्यान होता है और कहीं पर कम या कहीं पर बिल्कुल नहीं । इस लिए सरकार मेरी कही हुई बातों पर गौर करे ताकि हरियाणा की है 80 फीसदी आबादी को सुख पहुंचे ।

मलिक मुख्तियार सिंह (सोनीपत) : स्पीकर साहिब राज्यपाल महोदय ने इस सदन के अन्दर जो अभिभाषण दिया उसके ऊपर हो रही बहस का आज दूसरा दिन है । मैं भी आपकी वसायत से अपने ख्यालात आपके सामने रखना चाहता हूं । स्मीकर साहिब, यह जौ प्रस्ताव हाउस में पेश किया गया है, शुक्रिया का, वहएक ऐसे व्यक्ति की और सै किया गया है और एक ऐसे व्यक्ति की ओर से सैकंड किया गया है जो बहुत ही शरीफ आदमी है' । चौधरी

माडू सिंह और श्री दया कृष्ण जी मेरे वकील भाई हैं, मैं उन दोनों का ही बहुत अहतराम करता हूं । उन्होंने जो कुछ कहा बहुत दबी सी जबान में कहा । चौधरी माडू सिंह तो चले गए लेकिन श्री दया कृष्ण जी यहां बैठे हैं । यह जो अभिभाषण है यह एक लम्बी चौड़ी अभिभाषण की किताब है । और इसके अन्दर काफी से ज्यादा लिखा गयाहै । मैं श्री दया कृपुण जी से पूछना चाहता हूं कि क्या यह 9 दिसम्बर से बाद की ही यह अचीवमेंट्स है? क्या इन्हें इससे पहले की सरकार पसन्द नहीं थी? (व्याघात) जनाब यह एक बडी मजहकाखेज वात है । जहां तक स्टेट में अमनोअमान कायम करने की वात है और जिसके लिए पुलिस रखी जाती है उसकी अचीवमेंट्स इसके पहले सैटेंस में ही कताई गई हैंजिस में लिखा है—

"Arrangements during the recent Solar Eclipse Fair at Kurukshetra and the Central Government employees strike in September, 196S had imposed great strain on tits administrative machinery especially the police but the situation was kept under effective control."

यह सूरज ग्रहण का मेला था जिसके लिए गवर्नमैंट ने काम किया. । आगे चलकर मैं सभी कुछ बतलाऊंगा लेकिन यह मैं अभी ही कहे देता हूं कि इस स्टेट की जो बर्निंग प्राबलम्ज थीं गरीब लोगों की जो भांग थी, वह यह सरकार गवर्नर महोदय को बतलाती तो अच्छा था । क्या यह पता नहींकि इतनी बेहद मंहगाई है कि लोगों की कमर टूटी जा रही है । राव सरकार को कहते थे कि

उस सरकार ने लोगों का अनाज लिफाफों में बिकवा दिया । लेकिन उस वक्त जनाब हमने उसी सरकार के जरिए ज्वार और मक्की कलकते के लोगों को खिलवाई थी और अपने यहां की जनता को सस्ते भावों पर गेहूं खाने के लिए दिया था । लेकिन आज अगर देखा जाए तो गेहूं से भी बढ़ चढ़ कर भाव ज्वार और मक्की के हैं । यहां पर चीफ मिनिस्टर साहिब तो बैठे नहीं मैं उनसे यह पूछना चाहता हूं कि बड़े लोगों को तो वे अंगूर खिलाते हैं लेकिन गरीब जनता को रोटी भी नसीब नहीं और रहने को झोपड़ी तक नसीब नहीं है ।

राव साहिब ने तो अपने अचीवमेण्ट्स बतलाए कि खेतो बाड़ी के क्षेत्र मै पैदावार 21 लाख टन से बढ़ाकर 42 लाख टन कर दी थी । आज भी हम चाहते है कि खेती की पैदावार बढे मगर बगैर साधनों के मुहैया किए तो पैदावार बढ नहीं सकती । सबसे पहली जरूरत पानी की है मगर राव साहिब ने बताया कि जव से यह अन्यायी सरकार आई है तब से पानी ही नहीं पड़ा । जनाब स्पीकर साहिब खेती के लिए वर्षा बहुत जरूरी है अगर वर्षा न हो तौ खेती नहीँ हो सकती बारिश का नाम तक नहीं । स्पीकर साहिब आज अपनें इलाके मैं नहरों के अन्दर पानी नहीं है और ये लोग यह कह कर, कि इन्होंने जमींदारों को गेहूं के बीज की इम्प्रूव्ड क्वग्लिटी दी है झूठा क्रैडिट लेना चाहते हैं । इस इम्प्रूव्ड क्वालिटी को तो कम सै कम 8– 9 पानी की जरूरत होती है । मैने अपने खेतों में इम्प्रूव्ड व्हीट बोया है । पिछले साल भी बोया

था परन्तु 8– 9 पानी देने के बावज्रूद भी खेतों में खुश्की ही खुश्की नजर आती है । जब तक बारिश न हो, उन इलाकों में पानी कैसे आए, समझ में बरत नहीं आती । हमारा इलाका तो बैसे भी टेल पर है, वहां तो पानी पहुंचता ही नही । फिर इन्होंने सजा क्या दी, रोहतक जिले के लोगों को खास तौर पर कि मोरियों के अन्दर ईन्टे ठुकवा दीं । पहले तौ थोड़ा बहुत पानी दे भी देते थे परन्तु आज किसान कहता है कि जो किल्ला एक घंटे के अन्दर भरता था आज

उसे भरने में आठ नौ घंटे लगते हैं । बारी भी दौ तीन घंटे में खत्म हौ जाती है । फिर बारी आती है एक महीने के बाद । इन्होंने यह बारा–बन्दी किसलिए कर दी, यह बात मेरी समझ में नहीं आती? फिर इतना ही नहीं, स्पीकर साहिब, ड़ाट को नाम लेकर 40 दिनों भे सै 28 दिन तो पानी हिसार में चलता है और केवल 12 दिन इधर चलता है । मैं नही समझता कि हमारे साथ यह सौकण जैसा सलूक किस लिए है, और क्यों इतना जबरदस्त अन्याय हमारे साथ किया जा रहा है । स्पीकर साहिब, कुछ दिन हुए, चौधरी रिजक राम जी ने, जो कांग्रेस के एम. पी. हैंऔर अब तो प्रदेश कांग्रेस के जनरल सैक्रेटरी भी वन गार हैं, एस. ई. साहिब से पूछा कि हमारी नहर में पानी क्यों नहीं चलता? एस. ई. साहिब ने इस पर नीचे से इन्कवायरी की । नीचे वाले अफसरों ने जवाब के साथ मुख्य मन्त्री के हुक्म की कापी औरटेलीग्राम जौ उनके पास गई थी, लगाकर भेज दी । परन्तु इसी बात पर,

जनाब, कुछ लोग तो. यहां सस्पैन्ड किए गए कुछ लोग वहां सस्पैन्ड किए गए । स्पीकर साहिब, यह बात हमारी समझ में नहीं आती किंए इस तरह से लोगों को विक्टेमाईज क्यों किया जाता है? वे पानी तो नहीं लेकर गए थे, पानी त1एं मुख्य मन्त्री जी ले गए हैं । उन अफसरान ने तो इतना ही बताया था कि नहर में पानी क्यों नहीं जाता? आज पता नहीं क्यों अफसरों की फूक निकल जाती है यदि कांग्रेस का एम. एल. ए. भी उनके पास चला जाता है? यह डेमोक्रेसी तो हमने हरियाणा के अन्दर ही देखी कि अफसरों को हिदायतें दी जाती हैं कि यदि अपोजिशन के एम. एल. ए. कुछ कहें तो उसे सुनने की जरूरत नहीं है । दो तीन दिन हुए, मैं राज्यपाल महोदय से मिला । उन्होंने कहा मेरे पास कैसे आए? मैं इस हैसियत में क्या करूं, क्या न करूं? आप पब्लिक के नुमांयदे है । आप मुख्य मन्त्री जी से बात करें और उन्हें थे बातें बताएं । स्पीकर साहिब, मुख्य मन्त्री जी से भी कैसे बात करें । उनके दिमाग में तो और ही बातें है' । 15 अगस्त की बात है । गवर्नर साहिब ने करनाल में एट–होम दिया । चौधरी चांद राम जी बताते हैंकि वे वहां गए और उन्होंने मुख्य मन्त्री जी को नमस्ते की परन्तु मुख्य मन्त्री जी ने उसका जवाब नहीं दिया । उन्होंने दुबारा नमस्ते की परन्तु फिर भी जवाब नहीं दिया । जब उनसे उन्होंने बात की तो मुख्य मन्त्री जी कहने लगे कि एक तरफ तो आप मेरी मुखालिफत करते हैंऔर दूसरी तरफ नमस्ते करके मुझे एक्सप्लायट करना चाहते हैं । स्पीकर साहिब, कितने अफसोस की बात है यह! मगर मैं आपके द्वारा उन्हें बता देना चाहता हूं कि

हम भी किसी के मोहताज नहीं । (विरोधी दल की तरफ से प्रशंसा) हमारे अन्दर यदि ताकत होगी तो काम करेंगे और वह भी पब्लिक का, अपना जाती नहीं । मोहताज बनकर हम किसी के आगे झुकना नहीं चाहते । इस बात को राज्यपाल महोदय,, जो हैंड आफ दी स्टेट हैं, भी सुन लें और मुख्य मन्त्री तथा उनके मली आदि भी सुन लें । खैर, स्पीकर साहिब, मै इन बातों में न पड़कर ऐड़ैस की तरफ आता हूं ।

इस सरकार की अचीवमेंन्ट्स का जिक्र करते हुए राव साहिब ने मच्छर मारने वाली अचीवमेंट पर बड़ी हैरानी प्रकट की । मैं नहीं समझता कि उनको क्यों यह हैरानी हुई? यह कांग्रेस सरकार तो राव साहिब मच्छर मारने के सिवाय और कर भी क्या सकती है 90 (विघ्न) राव साहिब तो, स्पीकर साहिब, बड़ी सोच समझ और सूझबूझ रखने वालें आदमी है' । उन्हें रेडमिनिस्ट्रेशन का बड़ा तजुरुबा है और मैं समझता हूं कि हरियाणा के अन्दर उनके मुकाबले का ऐड–मिनिस्ट्रेटर कोई नहीं है (विरोधी दल की ओर से प्रशंसा) । स्पीकर साहिब, कांग्रेस की सरकार तो मच्छर मार सकती हे या हरिजनों को मारेगी ।. 20 साल तक तो ये हरिजनों से कहते रहे कि हम जमीन लेकर देंगे, मकान लेकर देंगे लेकिन आज तक एक इंच जमीन भी उनसे हरिजनों को नही दी जा सकी । इन्होंने हरिजनों को जमींदार के साथ, किसान के साथ लड़ाया, गांव के समाज को खराब किया, उनके रोजगार को उजाड़ा और फिर कहते हैं कि फैमली प्लेंनिग करो क्योंकि बच्चे ज्यादा हो गए

। हरिजनों के रोजगार तो पहले ही उजाड़ दिए और अब उनकी नसबन्दी करना चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय. मैं खुद सिवन गांव में जाकर आयाहूं । जिस दिन मैं वहां गया, उस गांव को तमाम 36 बिरादरियों के लोग वहां मौजूद थे । जो बातें उन्होंने बताई, स्पीकर साहिब, मै' सच सच अर्ह करता हूं कि कोई पत्थर दिल इन्सान ही होगा जो उन बातों को सुनकर पिघल न जाए और जिसकी आंखों में आंसू न आ जाए । मैंतो आपसे भी अर्ज करूंगा कि आप वहां जाकर उनकी जबानी उनकी बीती कहानी को अपने कानों से सुनें । 14—14 साल की लड़कियां मेरे सामने पेश हुई और उन्होंने मुझे बताया कि उनके नाड़ो के ऊपर हाथ डाले गए । (विरोधी दल की तरफ से, शेम, शेम की आवाज) । स्पीकर साहिब, उजागर सिंहकी बुढिया मांने रोते हुए अपने जिस्म के जख्म मुझे दिखाए और बताया कि वह करनाल गई थी परन्तु उसे उसके बेटे का मुंह तक नहीं देखने दिया गया बल्कि पुलिस ने उसके ऊपर लाठियां मारीं । स्पीकर साहिब, मेरी समझ में नहीं आता कि उन लोगों ने कौन सा ऐसा गुनाह किया था जिसकी वजह से उनके ऊपर ऐसा अत्याचार किया गया । मैं नहीं जानता कि वहां पुलिस वालों का क्या काम था? किस लिए पुलिस वहां गई?

यदि फैमली प्लानिंग ही करनी थी तो फैमली प्लानिंग वाले वहां जाते । फिर अगर फैमली प्लानिंग भी करनी थी तो सही आदमियौं का करते । उन्होंने तो 70 साल का बुढा यदि आगे

आया तो उसकी नसबन्दी कर दी, कोई चौकीदार आगे आया तो उसकी कर दी., कोई लाला जी आगे आए तो उनको खस्सी कर दिया और यदि कोई 14– 15 साल का लड़का आगे आया तो उसकी नसबन्दी कर दी । जब उनसे लोगों ने पूछा कि इस तरह से क्यों कर रहें हो, तो जवाब दिया गया कि क्या करें कागजों को तो पूरा करना है । तो यह हालत रही वहां, स्पीकर साहिब । परन्तु इतना होते हुए भी स्पीकर साहिब किसी किसान या जमीदार को वहां नहीं बुलाया गया । उनमे ये लोग डरते हैं । खैर, पद के सरपंच, पंच और लोगों के बार बार कहने पा कि वे बूढों जवानों आदि को नसबन्दी न करके 4–4 बच्चों वाजे लोंगों की नसबन्दी करे जिन्हें कल वे उनके पास पेश कर देगें । फैमिली प्लानिंग वाले तो मान गए परन्तु पुलिस वालों ने गोली चला दी । गोली चलने का कारण स्पीकर साहिब यह रहा कि गांव के सरपंच, पंच और लोग आदि जब फैमिली प्लानिंग वालों' से यह वायदा करके कि वे 4–4 बच्चों वालों को कल पेश करेंगे लौट रहे,थे तो रास्ते में दूसरे गांव के लोगों से भरा पुलिस का ट्रक उन्हे मिला । जब उन लोगों की आपस में बात हुई तो ट्रक वाले लोगों ने उन्हें बताया कि उन्हे तो यह कार कर लाया गया है कि डी० सी० सहिब उन्हें वुला –रहे है' । हस परं इन लोगों ने बताया कि डी० सी० साहिब तो नहीं बुला रहे हैं मगर तुम्हारी नसबन्दी करेंगे । यह बात सुनकर लोगों ने पुलिस वालों से पूछा और पुलिस वालों ने जबाब देने की वजाय उन पर लाठी चार्ज कर दी । स्पीकर साहिब, यह था सारा मामला । (विघ्न)... लोगों ने भी रोड़ फैंके

होंगे मगर क्या जुल्म हो गया था यदि एक रोड़ा डी० एस० पी० कीं लग गया था?

अगर कोई रोड़ा वगैरह डी० एस० पी ० साहिब को लग गया था तो उनको इस तग्ह से दिमाग का तवाजन खराब नहीं करना चाहिए था । आप झगडे को शान्त करने के लिए वहां गये थे रोड़ा वगैरह भी कोई लग सकता है लेकिन बर्दाश्त करनी चाहिए । अगर यह सरकार उन गरीबों की मांग कौ पूरा नहीं कर सकती, उनको भूख से नहीं बचा सकती तो उन्हें इस तरह से तो न मारे ।

स्पीकर साहिब, शाम के वक्त एस० डी ० एम० साहिब उस गांव में गये और उन्होंने लोगों को इकट्ठा किया और कहा कि भाइयों जो नसबन्दी कराना चाहेगा उसकी तो नसबन्दी हो जायेगी किसी की जबरदस्ती नसबन्दी नहीं होगी । एस० डी० एम. साहिब तो वहां पर यह दिलासा दे कर चले आये लेकिन अगले रोज डी० एस० पी० साहिब 110 जवानों को ले कर मुंह अन्धेरे उस गांव में पहुचे और उन्होने वहां पर गोली चलवाई । जब वहां पर गोली चलनी शुरू हो गयी तौ बेचारे गरीब हरिजन घरों से निकल कर भागे, कोई बेचारा छत पर से कुद कर घर छोड़ कर भाग रहा है कोई किसी तरह से । औरतों मे दरवाजे बन्द कर दिये, अन्याय की हद हो गयी दरवाजों को तोड़ा गया और पुलिस वाले उनके घरों में मारने के लिए घुसे । उजागर सिंह नौजवान जो अपनी औरत की असमत को बचाने के लिए बाहर निकल कर आया तो उसको

गोली मारी गयी और उस इन्सान को गिद्ध की तरह घसीट कर उस प्राइमरी हैल्थ सैन्टर में लाये जिसकी मैं क्या कहू । वहां उस की लाश की बुरी तरह से दुगतिं की गई । जब इस खेत का दुसरों को पता लगा तो लोग भागे हुए गये । एक हमारे पुराने साथी श्री मुलचन्द जी, जो यहां फाइनेंस मिनिस्टर राव साहब की मिनिस्टरी में रहे हैं, कांग्रेस के एम.पी. भी रहे और एम.एल.ए. भी रहे उन्होने जब वहां जा कर सारे हालात जानने चाहे तो उनको डी० एस० पी० ने हरामजादा कहा' और कुरप्ट कहा । उनसे कहा गया कि तुम मेरे साग्ग्ने से चले जाओ । एक दूसरा वकील जाता है उसे भी मां की गालियां देता है' । तह गालियां मैं यहां हाउस के सामने नहीं बताना चाहता क्योंकि वे बहुत गन्दी गालियां है' ।

स्पीकर साहब, हम प्रोटैस्ट के तौर पर महात्मा गान्धी जी की समाधि पर हो फर आये हैं । (आवाजे रू ये आ गये महात्मा गान्धी दे चेजे,) आज के जमाने में तो उनके बराबर कोई आदमी नहीं हुंआ और हमारे दिल के अन्दर तो उनकी इज्जत है लेकिन जो इनकी जमात है, वह गद्दार है इनके दिल में उनकी इज्जत नहीं है । हुमने वद्दां समाधि पर जा कर उनके सामने सिर झुका कर कहा कि हे इन कांग्रेस वालों के बापू महात्मा गान्धी इन अपने चेलों को कुछ थोड़ी–बहुत अक्ल दो । हमने वहां सिवन के बारे में कान्फ्रेन्स की और जुडिशियल इंक्वायरी की मांग की । मेरी समझ में यह नहीं आता कि राज्यपाल महोदय ने किस तरह से यह कह दिया कि यह सबजुडीशियल मामला है । मुझे कोई इस जारे

में तसल्ली दिलाये कि इस केस की जुडीशियल इक्न्वायरी नहीं हो सकती । मैने राज्यपाल महोदय से कहा कि चीफ मिनिस्टर साहिब भी वकील रहे है' और मै भी 34–35 साल से वकील हूं । हमें पता हूं कि जुडीशियल इन्कवायरी हो सकेगे है । हम यह चाहते है कि उजागर सिंह को जो गोली मारी गयी और सिवन गांव में जो फाइरिंग हुई और उसकी लाश तक को नहीं दिया गया, इसके क्या कारण थे? स्पीकर साहिब उस गांव के साथ यही जुल्म नही हुआ एक बात और आपके नोटिस मैं लाना चाहता ह । अभी कुछ दिन पहले जब फ्लड आया था उस वक्त कैथल तहसील का इलाका मी उस फ्लड में शामिल था और उस एरिया के लोगों को तकावी दी गयी थी परन्तु उस सिवन गांव की तकावी अभी कुछ दिन पहले सस्पैडं कर गई है । यह सरकार आर्डर कर चुकी हूँ । उस सिवन गांव के लोगों के वारस्टस जारी हो रुके है' । यह उस नांव के लोगों के साथ घावों पर नमक छिड़कने वाली वात की गयी है । इस डैमोक्रेसी के अन्दर जो कि अपने आपकों महात्मा गान्धी जी की पार्टी कहती है, उसके मुंह पर यह बहुत बड़ा कलंक का टीका है । मेरे ख्याल में तो इस पार्टी को ऐसे टीके लगते लगते इसका मुंह बिल्कुल स्याह हो चुका है ।

स्पीकर साहिब, एक साबका एम. एल.ए. जो मिनिस्टर भी रहे हैं उन पर पुलिस ने एक झूठा मुकद्दमा चोरी का बनाया और उसको गिरफ्तार करवाया गया । स्पीकर साहिब जैसा कि अभी राव साहिब ने कहाकि सिवन के वाक्यात ने हरियाणा को पुलिस स्टेट बना

दिया । में कहता हूं कि यह पुलिस स्टेट ही नहीं बल्कि जाट राज कायम कर दिया है । स्पीकर साहिब अगर यह नस–बन्दी करवाते हैं तो उन गरीब हरिजनों की क्यों करवाते है'? उन वजीरों की करवायें जिन के खिलाफ इश्तिहार इस चंडीगढ मे लगाये गये । एक लड़की ने पुलिस के सामने ये ब्यान दिया, कि एक हरियाणा के वजीर ने मुझे रात के लिए पचास रुपये दिये हैं । इन्स्पैक्टर पुलिस की तहकीकात के समय उसने यह बयान दिये हैं । तो मैं बहिन ओम प्रभा जैन जी से कहूंगा कि आपको उन जैसे वजीरों को धिक्कारना चाहिये । मैं हाउस में इन इश्तिहारों को पढ़ना नहीं चाहता लेकिन यह हाउस की प्रापटी होंगे । हमारे हरियाणा के वजीरों के इस तरह के इश्तिहार, इस तरह के अखबार निकले, बड़े शर्म की बात है । चौधरी बंसी लाल जी आप इन वजीरों की नसबन्दी कराओ इन गरीब हरिजनों को क्यों मारते हो!

स्पीकर साहिब मैं अब दूसरे विषय पर आना चाहता हूं । कभी कहते हैं गवर्नमेंट में स्टेबिलिटी आनी चाहिये । यहां हाउस में मैंने और राव साहब ने तीन–चार बार कहा था कि जनता का फैसला है कांग्रेस बहुमत में आयी है । हम हरियाणा की तरक्कीयात में इन का सहयोग देंगे । लेकिन इन्होंने यहां सदन में आते ही कहना शुरू कर दिया कि हम ने डिफैक्शनज शुरू करा दी हैं । स्पीकर साहिब हमारी पिछली स्पीचज आप निकलवा कर देख लो हम ने यह कहा है कि हम सहयोग देगें । लेकिन इन के लिये यह शोभा नहीं देता कि ये कहें कि डिफैक्शन्ज हम लोगों ने

शुरू करायी है । हमने आज तक किसी को यह नहीं कहा कि तुम अपनी पार्टी छोड़ कर हमारे साथ आ जाओ । लेकिन ज्यों ही तीस जुलाई को सैशन खत्म हुआ, चार दिन के बाद अखबारात में ये बयान आने लगे कि कांग्रेस के मैम्बरों के अन्दर फ्रूट हो गई है । बहुत से मैम्बर मुख्य मन्त्री के खिलाफ हैं । मुख्य मन्त्री के खिलाफ बोलना शुरू कर दिया गया ।

12.30 A.M.

इस पर पांव आजाद मैम्बरान सें बयान दिलाया गया कि वह कांग्रेस को सहयोग देंगे । हम ने बयान दिया कि वह डिफैक्शन्ज के अन्दर इंडल्ज होने लगे हैं, इससे आगे कुछ नहीं कहा । अखबार वालों ने हमें पूछा था कि आप क्या करेंगे? हम ने बताया कि कुछ नहीं हम तो सिर्फ उनका ध्यान आकर्षित करना चाहते थे । हम ने स्पीकर साहिब किसी भी कांग्रेसी मैम्बर को नहीं कहा कि उस को पार्टी बदल लेनी चाहिये । यह ठीक है कि लोधी होटल के अन्दर हमारी मीटिंग हुई, वहां राव साहिब और हमें भी बुलाया गया, और कांग्रेस के घर के अन्दर जो आग लगी हुई थी वह आदमी हम को मिते । हम ने उन को कहा था कि आप जिस दिन अपना फैसला कर लोगे उस के बाद हम आप से बात करेंगे । स्पीकर साहिब ऐसी बात म्रुझे समझ नहीं आती कि आगे अगर शिकार पड़ा हो और शिकारी उस को उठाए न । वह गर्ग साहिब जो अब फिर उधर चले गए हैं, वह कहते थे कि असैम्बली डिजौल्व करवाएंगे । मैंने उस वक्त उन को कहा था कि हरियाणे

को खराव मत. करो । वह खुद कांग्रेस छोड़ कर हमारे साथ आया था और अब फिर उधर चला गया है । तो स्पीकर साहिब मुझे समझ नहीं आती कि डिफैक्शन्ज कौन करवाता है । यह तो वैह बात है कि खसम तो करे नानी और दण्ड भरे दोहता । स्पीकर साहिब यह डिफैक्शन्ज नहीं थी यह एक बगावत थी और यह एक फ्लैडं कासपीरेसी थी कि श्री भगवत दयाल को कांग्रेस से अलहदा किया जाए । आज वह कांग्रेस से अलहदा किए हुए है लेकिन हमने उन को अपना लीडर अपनाया हूँ । उन के चेलों को तो शर्म नहीं आती । स्पीकर साहिब मुझे एक बात याद आ गई, राक वाणामुर राक्षस था । (विध्न)

श्रीमती चनद्रवती : आन ए प्वांयट आफ आर्डर सर! स्पीकर साहिब जौ कल का टिब्यून था उस में तौ एस.वी. डी. का लीडर राव बीरेन्द्र सिंह को लिखा हुआ था । तो हमें इस चीज की समझ नहीं आती कि राव साहिब को लीडर माना जाए या श्री भगवत दयाल जी को । (शोर)

श्री अध्यक्ष : यह प्वांयट आफ आर्डर कैसे हुआ?

श्रीमती चन्द्रावती : स्पीकर साहिब यह मेरा प्वायट आफ आर्डर भी है और आप के थ्रु इन्फमर्शेन भी चाहती हूं कि एस. वी. डी. का लीडर कौन है?

मलिक मुख्तियार सिंह : बाहर एस. वी. डी. का लीडर पंडित भगवा दयाल हैं और हाउस के अन्दर राव बीरेन्द्र सिह जी हैं ।

श्री अध्यक्ष : अभी तक एस. वी. डी. रिकोग्नाईजड नहीं है आप इस के लिये ऐप्लाई करे ।

मलिक मख्तियार सिंह : वह बात भी हो जाएगी ।

Rao Birender Singh : We have already applied for it.

Mr. Speaker : I think it will be better if you get it S. V. D.) recognised.

मलिक मुख्तियार सिंह : मैं अर्ज कर रहा था कि वह आए, 15 आदमी उनके साथ और थे 26 हम थे । तो 42 आदमियों ने दस्तखत किए और राज भवन में' गए । वह भाई जो हैं वहां जा कर उन्होंने फोटो खिचवाई और बाद में बयान. किया कि मैं. तो बीमार था, मैं वहां गया ही नहीं । फिर कहा कि मुझे पता ही नहीं कि मैं इतनी देर के लिये वहां कैसे चला गया? मैंने कहा कि तेर इतनी देर के लिऐ पखेरू बन गया होगा । लेकिन स्पीकर साहिब मैं अर्ज करना चाहता हूं कि एक चीज जिस का कि इन को करने का हक नहीं था वह इन्होंने की । यह हमारेरू छरू आदमियों को अगवा करके ले गए । मै पिछली बार 16, 17 तारीख को जब यहां आया तो अखबारों वाले मुझे कहने लगे कि कांग्रेस को मैजारिटी हो गई है । मैंने पूछा कि कैसे हो गई है तो वहू कहने लगे कि तीन मैम्बर जो डिफैक्टर थे उन को कांग्रेस में शामिल कर लिया गया है । (विध्न) आप शोर न करें,

''चर्चा हम जमाने के मशहूर थे

अब तो भतीजे हमारे चचा हो गए । ''

मैं अर्ज कर रहा था कि तीन आदमियों के बारे में यह कहा गया कि उन को कांग्रेस में शामिल कर लिया गया है । मैंने उन को कहा कि यह कौन सा शेर मार लिया है, कांग्रेस की जभात तो एक धर्मशाला बन गई है जो बिस्तरा ले बाए, आकर इस में बैठ जाए । कहां गए बेटा राजेन्द्र सिंह, तुम को तो वहका कर हगाया है इन्होंने । (हंसी) ।

मुख्य मन्त्री : वह तो इस हाउस के मैम्बर हैं, बेटा आप कैसे कहते हैं उनको । मलिक मुख्तियार सिह रू कोई बात नहीं मेरा वह बेटा ही है । एक दिन स्पीकर, साहिब, मैं लोहारू में गया । वहां एक आदमी एक औरत को गालियां दे रहा था । मैंने पूछा कि क्या बात है? वह कहने लगा कि यह मेरी भाभी है, इस ने पहले मुझे वहका के हगा दिया और अब पानी हाथ धोने के लिये नहीं देती और कहती है कि अगर मैने हाथ धुला दिए तो मेरे बच्चा नहीं होगा । इसी तरह बेटे तुझे भी बहका कर उन्होंने हगा दिया है । जब इलैक्शन आएगा तो पता चलेगा, निजलिंगप्पा तुम को टिकट नहीं देंगे । चौधरी देवी लाल और चौधरी चान्द राम जैसे देखो बैठे हैं, उनको टिकट नहीं दिया तो तुम क्या चीज हो, तुम्हारे लिए तो बेहतर है कि तुम इधर ही आ जाओ । स्पीकर साहिब, हरियाणा के अन्दर यह क्या चल रहा है, मेरी समझ में तो बात आती नहीं कि इसका क्या बनेगा क्या नहीं बनेगा? स्पीकर साहिब, मेरी समझ में तो एक ही बात आई है और वह यह कि ..इन्होंने

हरिजनों के ऊपर गोलियां चलाई और आल इण्डिया रिपब्लिकन पार्टी के मैम्बर, चौधरी बनवारी राम जी बैठे हैं उन्होंने बड़ी ऐजीटेशन की । वह हरिजनों के असली नेता है उन्होंने सिवन में बड़ी एजीटेशन की, हरिजनों का दर्द उन के दिल में होना लाजमी था अगर प्रभु सिंह जैसे नामर्द हो कर बैठ जाएं तो वह हमारे बस की बात नहीं । मैं आपको बताना चाहता हूं कि यह लोग जो सामने बैठे है' कैसे डिफैक्शन्ज करना चाहते हैं? यह ऐजीटेशन को आड़ में उसके ऊपर हाथ फेरना चाहते थे । एक वजीर ने एक हजार रुपया इनको दे दिया कि चलाओ ऐजीटेशन और ले आना जत्थे चंडीगढ़ को । मुझे समझ नहीं आई कि यह वजीर एक हजार रुपया दे कर उनको बहकाना चाहते हैं या पता नही कि यह गवर्नमैटं के खिलाफ ऐनीटेशन इन्वाईट करके किस की आंखों में धूल डालना चाहते हैं । समझ में नहीं आता कि कैसी यह वजारत है किएक तरफ तो गोलियां चलाती है और फिर जब बात बढ़ती है तो उसको दवाने के लिये मैम्बरान को खरीदना चाहती है । बनवारी लाल जी तो सीधे साधे थे उन्होंने सब कुछ बता दिया जाकर (हंसी) स्पीकर साहिब, 9/10 दिसम्बर को हरियाणा में एक तूफान आया । पंडित भगवत दयाल जी और उनके साथी मैम्बर ऐस .वी.डी. में आए और मिलकर 41 मैम्बर्ज गवर्नर साहिब के सामने पेश किए गए । उसी दिन यहां चंडीगढ में कहे या एम. एल.ए. होस्टल में कहें कि ईरानी सौदागर आए और उन्होंने ने 25/25 हजार रुपए को नीलामी बोली । एक तरफ तो इनके यदु कारनामे हैं और दूसरी तरफ कहते हैं कि हम डिफैक्शन्ज कराना

चाहते हैं । बंसी लाल जी को इतनी दया तो होनी चाहिए कि एक मैम्बर को जो बीमार पड़ा है उसे उस हालत में परेशान न करते । रात को उसे हार्ट अटैक हुआ अगर वह उससे मर जातातो (अपोजीशनकी तरफसे शेम शेम की आवाजें) स्पीकर साहिब, अखवारों में अगले दिन देते हैं कि डिफैक्शन हो गई । चाहिए तो इनको यह था कि उनकी तीमारदारी करे लेकिन यह ऐसा करते हैं । मुझे बीमारी हो सकती ह और बंसी लाल जी को सी हो सकती है लेकिन यह तो नहीं कि उस हालत में किसी से दस्तखत करवा लिये जाएं । इनको कोई रहम नहीं चाहे कोई मर जाए लेकिन यह अपनी बात करते हैं ।. महंत जी ने जिक्र कियो है और आपने सब कुछ सुना है । क्या यह कोई वाजब बात है कि एम.एल.ए. के साथ थर्ड डिग्री मैथड्ज इस्तेमाल किए जाएं । हरियाणा में अब इतना चोकिंग और सफो– केटिंग आटमासफियर हो गया है कि सारी ऐडमिनिस्ट्रेशन और पुलिस का निजाम पैरेलाइज हो चुका है. .....

मुखय मंत्री : एक तरफ तो कहते हैं कि ऐडमिनिस्ट्रेशन पैरेलाइज हो गया है और पुलिस पैरेलाइज हो चुकी है और दूसरी तरफ कहते हैं कि पुलिस तंग करती है यह क्या बात हुंई?

मलिक मुख्तियार सिंह : पुलिस इसलिये पैरेलाइज हो चुकी हैकि आप उसको शह देते हैं कि हमारा मतलब पूरा करो चाहे किसी को मार दो या पकड़ धकड़ करो । एम.एल.एज. और ऐडवोकेट्स को हथकड़ियां लगा कर झज्जर और भिवानी के कस्बों में जलूस

निकालते हैं । मैं कहना चाहता हुं कि चार पांच ऐडवोकेट्स पर जिन में चौधरी धर्म सिंह राठी साबिका एम.एल.ए. भी शामिल हैं उन पर पुलिस ने झूठा केस चलाया और केस भी सुन लो कि क्या वनाया । वह यह कि पांच वकील एक जीप में बैठ कर पांच मील के फासले पर एक गांव में सौ ग्राम का एक बट्टा उठाने गए और उसको चुरा लाए । आप अंदाजा लगाएं कि कितना चोकिंग ऐटमासफियर इन्होंने हरियाणा के अन्दर बना रखा है । यह जो आप भगवत दयाल की हंसी करते हैं मुझे याद है कि पिछली असैम्बली में श्री ओम प्रकाश गर्ग जो आनरेबल मैम्बर है, इस औगस्ट हाउस के और जिनके नाम के साथ आनरेबल लगाया जाता है, उठ कर कहने लगे कि जन–संघ वालों की कार जा रही थी जिसकी नम्बर प्लेट पर ऐम. आर.बी. लिखा था जिसका मतलब इन्होंने मेज राइस बाजरा निकाला था..... (शोर) .....मैने यहां तक चौलेंज किया था कि हम सब ऐन बलाक रिटायर हो जाएंगे अगर यह साबित हो जाए जो कुछ ये कहते हैं । अब इस ओम प्रकाश गर्ग से पूछता हूं कि बता अब तेरी कार से क्या बदबू आती है? भगवत दयाल का नमक खा कर और उसके । टूकडो पर पल करजो तेरी मोटर चल रही है उससे अब क्या बदबू आती है? ....(ऋ शोरे' ... ... श्री ओम प्रकाश गर्ग्र रू आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर । इनको पता होना चाहिए कि मेरे पास तो कोई मोटर ही नहीं । बदबू तो आपसे आती है । पहले आपको राव साहिब मिल गए थे और बाद में भगवत दयाल मिल गए हैं, आपने तो ढंढोरची ही रहना है और कुछ नहीं..... (शोर).....

Mr. Speaker : Mr. Garg, I think, we should not take protection of Points of Order to interrupt the proceedings of the House. You can ask for the time for personal explanation later.

मलिक मुख्तियार सिंह : ये कहते हैं कि मोटर नहीं है घर पर । मोटर कैसे हो? मोटर चलेगी भगवत दयाल की या बंसी लाल की । इनको क्या जरूरत है मोटर लेने की जिनको दूसरों की मिल जाती है । जबकि इन्हे दूसरी मोटरें मिल जाती हैं तो बेवकुफ बनाने के लिये उनको मोटर लेने की क्या जरूरत है? यह हमारे पर इल्जाम लगाते हैं । रण सिंह जी ने वजारत से इस्तीफा दे दिया..... .आदमी तो वह बड़े शरीफ 'है.....

मुख्य मन्त्री : आन ए प्यायंट आफ आर्डर, सर । आनरेबल मैम्बर को पर्सनल इसिन्युएशन नहीं करने चाहिए । यह गवर्नर ऐडैरस परही बोलें तो अच्छा है । अगर यह बार बार ऐसा कहेंगे तो फिर दूसरे भी भगवत दयाल के बारे में बातें कर सकते है ।

Mr. Speaker : I think, we should avoid making personal insinuations.

मलिक मुख्तियार सिंह : स्पीकर साहिब, जो कुछ मैं कह रहा हूं, इस हरियाणा में, इससे ज्यादा गवर्नर का भाषण और कोई नहीं हो सकता (हंसी) । मैं कह रहा था कि चौधरी रणसिंह जी ने वजारत से इस्तीफा दिया और व्यान दिया कि बंसी लाल ऐंटी हरिजन है लेकिन हकूमत को पालिसी ओवर नाईट चेंज हो जाती है और दूसरी शाम को वही बंसी लाल जी जो एक एक दिन पहले

ऐंटी हरिजन थे प्रो–हरिजन हो गए और ये कह कर डिफैक्ट करके उधर चले गए । ये कहते थे कि भगवत दयाल को कांग्रेस का प्रधान बनाएंगे लेकिन आप तो वापिस आ गए और भगवत दयाल कांग्रेस छोड़ गए––––

मुख्य मन्त्री : मुझे एक बात की खुशी है कि भगवत दयाल के बारे में आज यह बाते करते हं' । लोकिन भगवत दयाल इनके बारे में क्हा करते थे कि जन संघ को सूई की नेक से निकाल दूंगा । आज ये ऐसी बाते कर रहे हैं उनके पढाए हुए । (शोर)

मलिक मुख्तियार सिंह : गवर्नमेंट चेंज होती है पालिसीज चेंज होती हैं, आदमी चेंज होते जाते है और सारी चीजे बदलती रहती है । वह हमारे साथ आए है' और हम उनको अपने जैसा बना कर दिखाएंगे । हमारे लिये ऐसी बातें नहीं कहेंगे अब आप के लिये कहेंगे और आपको देखें गे । मैं चौधरी साहिब से पूछना चाहताहूं कि भगवत दयाल से कांग्रेस छुड़ाने । वाले कौन थे? वह तो चले गए और आप आ गए, और उनहे कह दिया चढ जा बेटा हूली है भगवान भली करेंगे' (हंसी) । आपने लीडर को बाहर धकेल कर अब बैठे हुए है मिनिस्टर बनने के लिये ।

श्री ओम प्रकाश गर्ग : आप तो गढे में गिरे और उसको भी गिरा दिया । (विध्न) भलिक मुख्तियार सिंह रू हमने तो उसे गढे में से निकल कर अपनी छाती से लगा लिया है । हम तो उसकी इज्जत बचाने के लिये लगे हुए हैं और आप, बाप तो भसमासुर हो ।

स्पीकर साहिब, भस्मासुर के नाग पर मुझे उसकी कहानी याद आ गई । बाणासुर राक्षस हुआ करते थे । उन्होंने महादेव की बड़ी पूजा की । महादेव उनकी तपस्या पर बड़ा खुश हुआ और बाणासुर को कहने लगे कि मै तुम्हारी तपस्या पर बहुत खुश हूं, वरदान मांगो । उसने वरदान मांगा कि जिसके सिर पर मैंहाथ रखूं वह भस्म हो जाए । चूंकि महादेव वचन दे चुके थे इसलिये उन्होने कहा तथास्तु' । बाणासुर को मनचाहा वरदान मिल गया । इसके बाद बाणासुर ने महादेव की तरफ अपना हाथ बढाया । महादेव कहने लगे कि भाई ये तुम क्या कर रहे हो? उसने कहा कि तुम्हारे सिर पर हाथ रख रहा हूं । उस दिन से बाणासुर या नाम भरमासुर रखा गया । यानि यानि जिस महादेव ने उसे वरदान दिया था उसी को पहले भस्म करने की कोशिश करने लगा । तो मेरे कहनें का मतलब है कि उस भस्मासुर जैसा ही हाल इन लोगों का है क्योकि जिस आदमी ने इन्को बनाया उसी को बरबाद करने की कोशिश की । (कांग्रेस पार्टी को तरफ हाथ उठाते हुए) अरे कुछ तो शर्म करो । जिसने तुम्हें बनाया था उसका तो ख्याल करते । (घंटी)

स्पीकर साहिब, मैने कई चीजों के बारे में जिक्र करना था, लेकिन मैं ज्यादा टाइम न लेकर थोड़ा सा टाइम और बोलना चाहता हूं क्योंकि स्पीकर साहिब, मैं आपकी ज्यादा पेशेसं ऐग्जास्ट नहीं करना चाहता ।

श्री अध्यक्ष : 12.55 तो बज गये हैं कब खत्म करेंगे?

मलिक मुख्तियार सिंह : बस सिर्फ दो तीन मिनट और दे दे । स्पीकर साहिब, मैने ला एण्ड आर्डर और ऐडमिनिस्ट्रेशन के बारे में भी थोड़ा बहुत जिक्र करना था कि हरियाणा किस लिए बना और बनने के बाद उसका क्या रूप निकला । इस सब्जैक्ट पर और कई भौके आयेंगे, अभी बजट के ऊपर भी बहस होगी, पता नहीं बजट हाउस में पेश होगा भी या नहीं, लेकिन हाउस के अन्दर बोलने का मौका तो हमें किसी न किसी शक्ल में मिलता ही रहता है । इन हालात को देखते हुए मैं सोच रहा था कि जिस वक्त राव साहिद ने हकूमत सम्भाली थी तो मैने उनको कहा था और समझाया था कि कांग्रेस वाले इस हकूमत को चलने नहीं देंगे । हिन्दुस्तान के अन्दर किसी दूसरी पार्टी के आदमी को हकूमत करना बड़ा भारी मुश्किल काम है । इस बात पर मुझे एक कहानी याद आ गई । एक मरासी था, उसकी मरासिन मर गई । उसके पड़ोस वाले मकान में उसकी भाभी रहती थी । स्पीकर साहिब, आप जानते हैं कि हमारे इलाके में करेवा मैरिज होती है । करेवा मैरिज यह होती है कि जिस दिन करेवा होता है उस दिन चुनड़ी उढाई जाती है । मतलब यह है कि उस मरासी ने भाभी के साथ करेवा करना चाहा और रीति–रिवाज के मुताबिक चुनड़ी उसके ऊपर डाल दी और करेवा कर लिया । इस तरह साल डेढ़ साल वे दोनों आराम से रहे । इसके बाद वह उसके साथ लड़ने लगी, रोज कोई न कोई झगडा हो जाया करता था । उसे खूब गालियां दिया करती थी । वह बेचारा मेरे जैसा 50–5 5 वर्ष की उभर का आदमी था, बहुत दुखी हुआ । तंग आकर एक दिन उसने कहा कि

करेवा करते वक्त मैने तुम्हें एक चुनड़ी दी थी, वह वापिस करो । स्पीकर साहिब, मरासिन चुनड़ी तलाश करके ले आई । जब चुनड़ी देखी तो जब सारी फटी हुई थी । मरासी ने कहा कि भलिमानिस इसको किसी और के लिये ही रख देती, कोई और ही ओढ लेता (हंसी) । इन शब्दों के साथ मैं बैठ जाता हूं । (हंसी) ।

श्री बनारसी दास गुप्ता (भिवानी) : अध्यक्ष महोदय, मैं राज्यपाल महोदय केअभिभाषण पर इस सदन में कुछ निवेदन करना चाहता हूं । पहले रोज राज्यपाल ने अपना ऐड़ैस इस सदन में पढ़ कर सुनाया और परसों सदन में इस अभिभाषण पर वाद–विवाद शुरू हुआ आज भी जब सदन की कार्यवाही आरम्भ हुई, सदन के कई माननीय सदस्य राज्यपाल के अभिभाषण पर बोले हैं । मैने राज्यपाल महोदय का अभिभाषण भी पड़ा और विरोधी दल के नेता, राव बीरेन सिंह का भाषण भी सुना । इसके इलावा जनसंघ के नेता, चौधरी मुख्तियार सिंह का भाषण भी सुना । लेकिन मुझे इस बात का खेद है कि विरोधी दल के नेता राव साहिब ने सूझ बुझ से काम नहीं लिया । मेरे मिस अच्छे राजनीतिज्ञ हैं और काम– राव लीडर हैं । मेरे भी नेता रह चुके हैं इसलिये मुझे उन का बढा आदर है । मैं सोच रहा हूं कि क्या बोलूं क्योंकि मेरी वही स्थिति है जो महाभारत की लड़ाई में, कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन की थी । (विरोधी दल की तरफ से वाह वाह की आवाजें) । शान्ति किजिए जरा सुनो तो सही, जरा दिल थाम कर बैठे रहिए । अर्जुन ने जब लड़ाई करने के लिये धनुष उठाया तौ अपने

कुटुम्ब–जनों को देखकर मोह जागृत हो गया । ठीक अर्जुन जैसी स्थिति ही इस वक्त मेरी है । मेरे सामने राव बीरेन्द्र सिंह, चौधरी चान्द राम, बुजुर्ग रूप ताल मेहता जैसे बड़े आदमी बैठे हैं, जब मैं इन की तरफ देखता हूं तो मेरे में कुछ मोह–जागृत हो उठता है लेकिन इसके साथ ही साथ श्री कृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीता–उपदेश स्मरण हो आता है कि मैंने अपना कर्म पूरा करना है । इसलिये म्रुझे उम्मीद है कि राव साहिब और दूसरे बुजुर्ग मुझे क्षमा करेंगे ।

स्पीकर साहिब, राव साहिब और चौधरी मुख्तियार सिंह मलिक ने अपनी स्पीच में कहा कि राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में कुछ नहीं है । इस सम्बन्ध में स्पीकर साहिब, आपके द्वारा उन्हें कहना चाहता हूं कि इस में राज्यपाल के अभिभाषण का दोष नहीं, दोष उनकी नजरों का है । इस भाषण में बहुत कुछ है अगर अच्छी नजरों से देखा जाए । जो सरकार की उपलब्धियां हैं यानि अचीवमैन्ट्स हैं, उनका विस्तार के साथ जिक्र किया हुआ है । राव साहिब ने अपने भाषण में बहुत कुछ कहा, बड़ा दिलचस्प था और बड़ा हयूमर था उस में, यह मैं मानने के लिये तैयार हूं, लेकिन एक विरोधी दल के नाते और विद्वान के रुप में उसमें कुछ तथ्य तो आना चाहिए था । जैसा उन्हेंने कहा कि राज्यपाल के अभिभाषण में कुछ नहीं है उसी तरह मैं समझता हूं कि राव साहिब का भाषण भी कुछ नहीं है, यह एक मजाक बनकर रह गया हूँ । अगर ये सरकार की न्यूनताओं का जिक्र करते और उन

न्यूनताओं कौ दूर करने के लिये कुछ रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत करते तो वास्तव में विरोधी दल के नेता के नाते उनका कर्त्तव्य पूरा हो जाता । लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया । इसके इलावा इन्होंने डिफैक्शन का जिक्र किया । मैं राव साहिब से क्षमा याचना करता हूं कि वे मुझे माफ करेंगे क्योंकि मै उन्हें यह बताना चाहता हूं कि राव साहिब! डिफैक्शन की चर्चा आपके मुंह से शोभा नहीं देती । हरियाणा में हुई डिफैक्शन के लिये अगर कोई जिम्मेदार है तो वह राव साहिब है । यह बीमारी– हरियाणा से चली और इस को हरियाणा में जन्म दिया राव साहिब ने । और वही आज डिफैक्शन की चर्चा करते हैं और कांग्रेस के महान् नेताओं को दोषी ठहराते हैं वह हरियाणा के काग्रेंस दल पर दोषारोपण करते हैं । लेकिन वास्तव में इस बुराई की जड में वे ही थे । चौधरी साहिब ने जिक्र किया कि वह किसी भी मैम्बर को मजबूर नहीं करते कि वह अपनी पार्टी छोड़े....

Mr. Speaker : Gupta Ji, the time is over.

Hon. Members, we adjourn till 2.00 P. M. on Monday, the 3rd February, 1969.

1-00 P.M.

(The Sabha then adjourned till 2.00 P.M. on Monday the 3rd February, 1969).